नाइलिट

2015-16 वार्षिक प्रतिवेदन

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

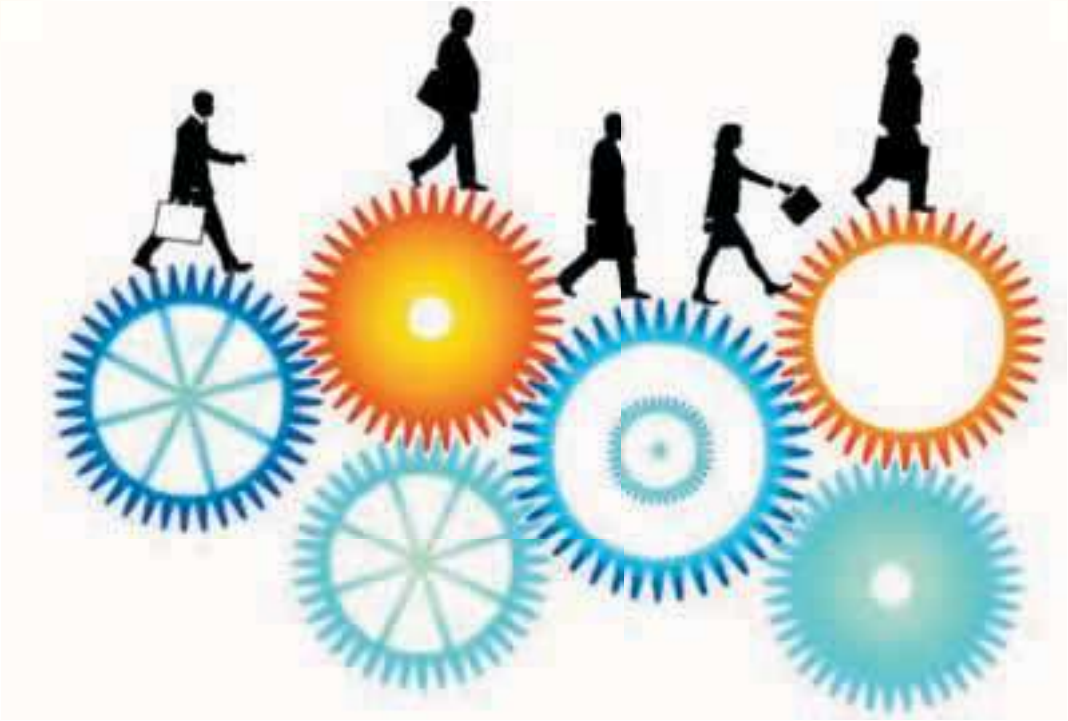

21वाँ वार्षिक प्रतिवेदन

विषय–सूची

संदेश I 04

परिषदें I 08

परिदृश्य I 15

परियोजना I 19

पहल एवं उपलब्धियाँ I 25

केन्द्र I 31

लेखा परीक्षक I 71

लेखें I 72

संक्षिप्ताक्षर I 114

रवि शंकर प्रसाद
RAVI SHANKAR PRASAD

सत्यमेव जयते

मंत्री
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
एवं
विधि एवं न्याय
भारत सरकार

MINISTER
ELECTRONICS AND IT
AND
LAW & JUSTICE
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

मुझे राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) के 21वें वार्षिक प्रतिवेदन के साथ–साथ वर्ष 2015–16 के लेखों का संपरीक्षित विवरण और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बारे में जानकर हर्ष हुआ।

जे.ए.एम.–जन–धन, आधार और मोबाइल, जो कि अनेक पहलों के सुदृढ़ आधार का कार्य करते हैं, की क्षमताओं का पूर्ण उपयोग करने के लिए, भारत को जन–साधारण की डिजिटल साक्षरता की बाधाओं के समाधान पर ध्यान देना होगा। अतः डिजिटल साक्षरता की पहल को आगे बढ़ाने में नाइलिट की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

भारत के करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं को पूर्ण करने में प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसमें निरन्तर विकास हो रहा है तथा परंपरागत सूचना के स्थान पर आधुनिक प्रौद्योगिकियां प्रतिस्थापित हो रही हैं। इस संदर्भ में सरकार ने 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम के माध्यम से प्रौद्योगिकी क्षमताओं का लाभ प्राप्त करने पर बल दिया है एवं जनसामान्य के मध्य, प्रौद्योगिकी का अधिकतम प्रसार सुनिश्चित करने हेतु विविध योजनाओं का शुभारंभ किया है।

बदलते समय के अनुसार नाइलिट ने प्रक्रियाएं पुनः तैयार करके अपनी विद्यार्थी सहायक सेवाओं में उन्नयन द्वारा और डिजिटल लौकर एवं समान सुविधाओं के साथ संबद्ध डिजिटली हस्ताक्षरित ई–प्रमाणपत्रों के साथ ऑन–लाइन आवेदनों के कार्यान्वयन द्वारा अपना विविधीकरण और विस्तार किया है। ऐसी पहल करने वाले उपाय समय की मांग हैं और मैं नाइलिट से यह उम्मीद करता हूँ कि वे अपेक्षित संवेदनशीलता और उत्साह के साथ ऐसे उपाय करें।

आज नाइलिट का स्थान देश के समस्त क्षेत्रों में अपनी पहुंच की दृष्टि से अद्वितीय है। भारत सरकार प्रमुख रूप से बेरोजगार ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल विकास तथा स्वरोजगार के अवसरों के सृजन पर बल दे रही है। इस प्रकार समस्त संस्थान जो, ग्रामीण महिलाओं तथा युवाओं और उद्यमियों व जनसामान्य को आवश्यक कौशल प्राप्त करने में सक्रिय रूप से सहायता प्रदान कर रहे हैं उनको आपसी सहयोग तथा सर्वोत्तम कार्य पद्धतियों का सृजन करने की आवश्यकता है। मैं, नाइलिट से सूचना प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रॉनिकी में अति–आधुनिक तकनीक के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को रोजगार योग्य बनाने हेतु अपनी क्षमताओं में अभिवृद्धि करने का आग्रह करना चाहूँगा।

मैं कामना करता हूँ कि नाइलिट संगठन अपने प्रयासों में और अधिक सफलता प्राप्त करे।

(रवि शंकर प्रसाद)

इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली – 110003
फोन : 011–24369191, 24362626 फैक्स : 011–24366070

पी.पी. चौधरी
राज्य मंत्री
P.P. Chaudhary
Minister of States

भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
एवं
विधि एवं न्याय
Electronics and IT
and
Law & Justice
Government of India

संदेश

संपूर्ण विश्व डिजिटल क्रान्ति के दौर से गुजर रहा है। सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल 'डिजिटल इंडिया' की क्षमताओं का उपयोग देश को आर्थिक और सामाजिक कल्याण एवं जनता को सशक्तिकरण के पथ पर ले जाने के लिए समर्थकारी क्रान्ति के रूप में किया है। योग्य एवं अर्हता प्राप्त मानव पूँजी, तीव्र गति से ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में विकास हेतु देश को प्रेरित कर रही है।

इस संदर्भ में, हमारी जनसंख्या के लाभ का और अधिक उपयोग करने के लिए एवं इस डिजिटल क्रांति से उत्पन्न अवसरों तथा क्षमताओं का पूर्ण उपयोग करने के लिए मानव पूँजी का और अधिक विकास एवं सशक्तिकरण किए जाने की आवश्यकता है। गत दो दशकों से, नाइलिट आईईसीटी के क्षेत्र में क्षमता निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

देश में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु नाइलिट ने हाल के वर्षों में जो अभिनव कदम उठाए हैं वे प्रशंसनीय हैं। यह सराहनीय है कि नाइलिट ने डिजिटल साक्षरता के पाठ्यक्रमों का विस्तार किया है और संगठन ने पाठ्य सामग्रियों को विभिन्न प्रान्तीय भाषाओं में ऑनलाइन रूप से उपलब्ध कराने की दिशा में अतिरिक्त प्रयास भी किए हैं। मुझे यह जानकर भी खुशी हुई है कि डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम जैसे कि 'सीसीसी' तथा 'बीसीसी' मूलभूत अवधारणाओं तथा विद्यार्थियों को कुशल बनाने के कारण लोकप्रिय हुए हैं।

वित्तीय समावेशन पर मॉड्यूल सम्मिलित करते हुए इन पाठ्यक्रमों में आगे अभिवृद्धि करने की दिशा में नाइलिट द्वारा किए गए प्रयास उल्लेखनीय हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है, चूंकि, कम्प्यूटर साक्षरता ही प्रधानमंत्री जन–धन योजना (पीएमजेडीवाई) के उद्देश्यों को तीव्र गति से पूर्ण करने में सहायक होगी, जो विभिन्न वित्तीय सेवाओं तक पहुंच भी सुनिश्चित करती है जैसे कि, मूलभूत बचत बैंक खाते की उपलब्धता, आवश्यकता आधारित ऋण तक पहुंच, धन–प्रेषण सुविधा, तथा समस्त वर्गों की जनसंख्या हेतु बीमा एवं कमजोर तथा निम्न आय वर्गों हेतु पेंशन शामिल है। कम लागत पर डिजिटल साक्षरता का व्यापक प्रसार केवल प्रौद्योगिकी के प्रभावी प्रयोग द्वारा ही संभव है।

गत दो दशकों में, राष्ट्र की प्रतिस्पर्धात्मकता, नवीन पद्धति को बढ़ावा देने और हमारे सामूहिक कल्याण में प्रौद्योगिकी का महत्व और भी बढ़ गया है। चूँकि, हमारे जीवन के समस्त पहलुओं में इंटरनेट के प्रयोग में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है, इसलिए नई तकनीकों और कुशलताओं को प्राप्त करना और भी आवश्यक है। अतः परिवर्तनशील तकनीक के साथ सामंजस्य बनाए रखना महत्वपूर्ण है। इस परिवर्तनशील विश्व में, श्रमशक्ति का निर्माण इस प्रकार से तैयार किया जाना चाहिए कि, वे व्यवसाय की नई कार्यनीतियों के साथ निरंतर अध्ययन, सामंजस्य, अंगीकरण तथा कौशल विकास कर सकें।

प्रौद्योगिकी के प्रमुख क्षेत्रों जैसे कि आईओटी, साइबर सुरक्षा, क्लाउड कम्प्यूटिंग, बृहद डेटा विश्लेषण आदि में क्षमता निर्माण के प्रयोजन से नाइलिट ने जो निश्चित कदम उठाए हैं, वह समय की माँग हैं, और मैं इसके लिए नाइलिट को बधाई देता हूँ। मुझे आशा है कि नाइलिट ईआईसीटी के क्षेत्र में कौशल विकास व क्षमता निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति प्राप्त करता रहेगा। मैं नाइलिट को उनके भावी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं प्रदान करता हूँ।

जय हिन्द

(पी.पी. चौधरी)

इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
Electronics Niketan,6, C.G.O. Complex, Lodhi Road, New Delhi-110003
दूरभाष / Tel. : 011-24364041 • फैक्स / Fax : 24363134 • ई–मेल / e-Mail : secretary@mit.gov.in

अरुणा सुंदरराजन
सचिव
Aruna Sundrarajan
Secretary

भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
Government of India
Ministry of Electronics &
Information Technology (MeitY)

संदेश

केन्द्र में एक दृढ़ सरकार जनसाधारण तक पहुँच रही है और ग्रामीण जनता के लाभार्थ तथा अभिनव योजनाओं जैसे कि 'मेक–इन–इंडिया', 'स्किल इंडिया' एवं 'डिजिटल इंडिया' के माध्यम से भारत के विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की दिशा में मूलभूत प्रयास किए जा रहे हैं। 'डिजिटल इंडिया' के साथ, भारत ने डिजिटल क्रांति को आगे बढ़ाने के लिए निश्चयात्मक कदम उठाए हैं, जो आर्थिक, प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक समृद्धि का आधार हैं।

'डिजिटल इंडिया' में कई आयाम सम्मिलित हैं तथा इसका उद्देश्य समस्त भारतीयों को सुलभ व कम लागत वाली सेवाएं उपलब्ध कराना है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। ई–हस्ताक्षर के साथ डिजिटल लॉकर अनुप्रयोग के माध्यम से कोई भी नागरिक अपनी आधार संख्या का प्रयोग करते हुए इन अनुप्रयोगों पर लॉग–इन कर सकता है तथा सभी प्रमुख दस्तावेजों का प्रबंध सहज एवं कुशलतापूर्वक कर सकता है। इसी प्रकार ई–अस्पताल का अर्थ है कि अब अस्पताल में पंक्तियों में खड़े रहकर समय नष्ट नहीं करना पड़ेगा, इसके बजाए, मुलाकात का समय लेने हेतु ऑनलाइन पंजीकरण, ऑनलाइन भुगतान तथा ऑनलाइन रिपोर्टों की सुविधा उपलब्ध है। राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल भी छात्रवृत्ति से संबंधित सभी योजनाओं को एकल आवेदन–पत्र में उपलब्ध कराता है। क्लाउड आधारित सेवाओं की प्रदायगी में गति लाने हेतु इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेघराज क्लाउड की पहल का शुभारंभ किया है।

नाइलिट–इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की मानव संसाधन विकास शाखा, युवाओं में क्षमता का विकास करने की दिशा में सक्रिय रूप से प्रयासरत है, क्योंकि, इन अभिनव पहलों की वास्तविक शक्ति तभी प्राप्त होगी, जब उनका व्यापक रूप में उपयोग किया जाए। मुझे, यह उल्लेख करते हुए हर्ष है कि नाइलिट ने कौशल विकास तथा क्षमता–निर्माण के प्रयासों के द्वारा प्रौद्योगिकी के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

ग्रामीण भारत में, जनसाधारण को कभी–कभी लोक सेवाएँ तथा महत्वपूर्ण सूचनाएँ सहज रूप से प्राप्त नहीं होती। उनमें से कुछ ऐसे दूरस्थ एवं दूरवर्ती क्षेत्रों में निवास करते हैं जिनपर, भौगोलिक, सांस्कृतिक एवं भाषायी अवरोध का प्रभाव होता है। आईईसीटी में अच्छी शैक्षणिक सेवाओं की आवश्यकता, विशेषतः गैर–औपचारिक क्षेत्र में, नाइलिट द्वारा पूरी की जा रही है। आज, नाइलिट ने दूरस्थ क्षेत्रों में अपने केन्द्रों का प्रसार किया है, तथा भारत में 35 से अधिक कार्यालयों में से पूर्वोत्तर भारत में इसके 18 कार्यालय हैं।

डिजिटल संयोजकता एक विशाल माध्यम है। जनसांख्यिकीय एवं सामाजिक–आर्थिक विभिन्नता के वाबजूद भारत के नागरिक डिजिटल नेटवर्कों का प्रयोग करते हुए मोबाइल फोन तथा कम्प्यूटर के माध्यम से परस्पर अधिकाधिक सम्पर्क स्थापित कर रहे हैं। 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम की संभावनाओं का उचित एवं पूर्ण लाभ प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर डिजिटल साक्षरता का महत्व सर्वोच्च है। यह नागरिकों को डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ लेने तथा स्वयं को सशक्त बनाने की क्षमता प्रदान करता है। यह उन्हें आजीविका के श्रेष्ठ अवसर प्राप्त करने तथा आर्थिक दृष्टि से सुरक्षित बनने में सहायता करता है। नाइलिट ने ई–सूचना सामग्री की सहायता से मूल्यांकन की एक सर्वांगीण एवं ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से डिजिटल साक्षरता के प्रयासों को आगे बढ़ाने तथा डिजिटल लॉकर से जुड़े डिजिटल प्रमाण–पत्र जारी करने में, जो विशेषज्ञता विकसित की है, वह वास्तव में प्रशंसनीय है।

मैं, नाइलिट को सामंजस्य तथा सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को साझा करने के माध्यम से देश के प्रत्येक क्षेत्र में कौशल विकास की पहल को आगे बढ़ाने में उनके प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देती हूँ। मैं आश्वस्त हूँ कि, नाइलिट को आगामी वर्षों में अनेक उपलब्धियाँ प्राप्त होंगी।

3/2/16

(अरुणा सुंदरराजन)

इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
Electronics Niketan,6, C.G.O. Complex, Lodhi Road, New Delhi-110003
दूरभाष / Tel. : 011-24364041 • फैक्स / Fax : 24363134 • ई–मेल / e-Mail : secretary@mit.gov.in

डॉ० अश्विनी कुमार शर्मा
Dr. Ashwini Kumar Sharma
महानिदेशक
Director General

संदेश

रोजगार प्राप्त करने की क्षमता में सुधार के लिए देश की शिक्षा प्रणाली में बड़े पैमाने में परिवर्तन हो रहा है। भारत सरकार द्वारा 'डिजिटल इंडिया' की पहल के शुभारम्भ से कौशल विकास तथा क्षमता–निर्माण अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गया है। यह अभियान तीन मूलभूत स्तम्भों–भारत के नागरिकों के लिए उपयोगिता के रूप में डिजिटल ढांचे का सृजन करने, सेवाओं की डिजिटल प्रदायगी सुनिश्चित करने तथा भारत के नागरिकों को डिजिटल रूप से सशक्त करने पर आधारित है।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट), भारत सरकार, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमइआईटीवाई) के प्रशासनिक नियंत्रण में है, जो कि देश के सभी भागों और समाज के सभी वर्गों में अपनी पहुँच के अनुसार अद्वितीय है। नाइलिट, भारत में एक प्रोफेशनल परीक्षा निकाय है, जो शिक्षण तथा प्रशिक्षण के अनौपचारिक क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त सूचना प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रॉनिकी में प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रत्यायित करता है। यह सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिकी, संचार प्रौद्योगिकियों, हार्डवेयर, साइबर कानून, साइबर सुरक्षा, आईपीआर, जीआईएस, क्लाउड कम्प्यूटिंग, ईएसडीएम, ई–शासन तथा संबद्ध क्षेत्रों में योग्य मानव संसाधनों का विकास करने के कार्य में सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। इससे संस्थान को भारत में कौशल विकास तथा क्षमता निर्माण के परिदृश्य में पृथक पहचान एवं विशिष्टता प्राप्त होती है। अनेक सरकारी विभागों ने नाइलिट को तृतीय पक्षकार के रूप में तकनीकी जनशक्ति की भर्ती का कार्य सौंपा है जिससे न केवल पारदर्शिता सुनिश्चित होती है बल्कि नाइलिट में उपलब्ध तकनीकी विशेषज्ञता का प्रयोग भी अन्य संगठनों के साथ समन्वय के सृजन हेतु किया जा रहा है।

नाइलिट ने आईईसीटी के क्षेत्रों में मानक स्थापित करने का प्रयास किया है और सूचना प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रॉनिकी उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार उदीयमान क्षेत्रों में बाजार उन्मुखी पाठ्यक्रमों का विकास किया है। इसके अतिरिक्त, नाइलिट राज्य सरकारों तथा केन्द्रीय मंत्रालयों के क्षमता निर्माण की पहल के कार्यान्वयन हेतु अधिमानित संस्थान भी है।

पूर्व में, सीईडीटीआई (आईजॉल, औरंगाबाद, कालीकट, गोरखपुर, इम्फाल, जम्मू/श्रीनगर तथा गुवाहाटी/तेजपुर) और आरसीसी (चण्डीगढ़ तथा कोलकाता) का विलय डीओईएसीसी के साथ होने के फलस्वरूप, इस बृहत संस्थान का नाम अक्तूबर, 2011 में परिवर्तित कर नाइलिट रखा गया। इस विलयन के कारण प्रक्रियाओं का पुर्ननिर्माण तथा मानकीकरण के प्रयास आवश्यक हुए, जिससे अखिल भारतीय स्तर पर हितधारकों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए विभिन्न इकाइयों का विलय किया जा सके और एकल सशक्त इकाई के रूप में उसका विकास किया जा सके।

मजबूत ऑनलाइन उपस्थिति पर बल प्रदान करते हुए, नाइलिट ने हाल ही में पोर्टलों के माध्यम से हितधारियों, विशेष रूप से विद्यार्थियों को सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग किया है, जो सम्पूर्ण सामाधान उपलब्ध कराती है, जिसमें शामिल हैं– पाठ्यक्रम में पंजीकरण– ई–शिक्षण, ऑन–लाइन परीक्षा, डिजिटल प्रमाण–पत्र, जो कि स्वतः एसएमएस, ई–मेल और आधार द्वारा संचालित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना द्वारा समर्थित हैं। इस प्रक्रिया को 'डिजिटल लॉकर' प्रौद्योगिकी से भी सुदृढ़ किया जा रहा है।

प्रौद्योगिकी और ऑन–लाइन सेवाओं के अधिकतम उपयोग से बेहतर पारदर्शिता व उत्तरदायित्व को बढ़ाने के प्रयास में, मुझे विश्वास है कि अपने 35 केन्द्रों, 900 से अधिक प्रत्यायित प्रशिक्षण भागीदारों तथा 8000 से अधिक सुविधा केन्द्रों के बढ़ते नेटवर्क से हाल ही में प्राप्त उच्च विकास में और वृद्धि होगी जिससे नाइलिट को एक ऐसे राष्ट्रीय संस्थान के रूप में प्रदर्शित किया जा सकेगा, जिसके पास भारत सरकार की 'स्किल इंडिया' और 'मेक–इन–इंडिया' के विजन को साकार करते हुए 'डिजिटल इंडिया' को सफल बनाने की विशेषज्ञता हो।

(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)

नाइलिट, इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
टेलीफोन नं. 91-11-24364870 / फैक्स : 91-11-24363335 / ई–मेल : dg@nielit.gov.in

शासी परिषद्

श्री रवि शंकर प्रसाद
अध्यक्ष
माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा विधि एवं न्याय मंत्री

श्री पी.पी. चौधरी
उपाध्यक्ष
माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा विधि एवं न्याय राज्य मंत्री

श्रीमती अरुणा सुंदरराजन
कार्यकारी उपाध्यक्ष
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री विनय शील ओबरॉय
सदस्य
सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग एमएचआरडी

श्री वेद प्रकाश
सदस्य
अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे
सदस्य
अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद

सुश्री अनुराधा मित्रा
सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री संजीव मित्तल
सदस्य
संयुक्त सचिव एवं समूह समन्वयक (एच.आर.) इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री राजेश अग्रवाल
सदस्य
संयुक्त सचिव, डीजीटी, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय

श्री आर. चन्द्रशेखर
सदस्य
प्रेसिडेंट. नेसकॉम

ले.जर्नल (डॉ) एकेएस चन्देले
सदस्य
प्रेसिडेंट, इलेक्ट्रॉनिकी एवं दूरसंचार इंजीनियर्स संस्थान

शासी परिषद्

श्री राजेन्द्र एस. पवार
सदस्य
अध्यक्ष, एनआईआईटी लि.

श्री हरि ओम राय
सदस्य
अध्यक्ष. लावा इंटरनेशनल लि.

प्रो. (श्रीमती) गीतिका कपूर
सदस्य
निदेशक, आर.ए. पोद्दार प्रबंध संस्थान,
राजस्थान विश्वविद्यालय

श्री टी.के. कुरियन
सदस्य
सीईओ, विप्रो लि.

श्री कुणाल बहल
सदस्य
सीईओ, स्नैपडील

श्रीमती देबजानी घोष
सदस्य
एमडी. इंटेल

डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा
सदस्य सचिव
महानिदेशक, नाइलिट

प्रबंध बोर्ड

श्रीमती अरुणा सुंदरराजन
अध्यक्ष
इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

सुश्री अनुराधा मित्रा
सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना
प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री संजीव मित्तल
सदस्य
संयुक्त सचिव एवं समूह समन्वयक (एच. आर.)
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
मंत्रालय

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
मंत्रालय

प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे
सदस्य
अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी
शिक्षा परिषद

श्री आर. चन्द्रशेखर
सदस्य
प्रेसिडेंट. नेसकॉम

डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा
सदस्य सचिव
महानिदेशक, नाइलिट

वित्त एवं लेखा समिति

डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा
अध्यक्ष
महानिदेशक, नाइलिट

सुश्री अनुराधा मित्रा
सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना
प्रौद्योगिकी मंत्रालय अथवा प्रतिनिधि

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
मंत्रालय अथवा प्रतिनिधि

श्री ए.के. पिपल
सदस्य
निदेशक एवं एचओडी (एचआरडी),
इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री राजीव तलवार
सदस्य सचिव
मुख्य वित्त अधिकारी, नाइलिट

मुख्य सतर्कता अधिकारी/कार्यकारी निदेशक/निदेशक/प्रभारी निदेशक/रजिस्ट्रार/मुख्य वित्त अधिकारी

श्री प्रफुल्ल कुमार
मुख्य सतर्कता अधिकारी, नाइलिट
एवं वरिष्ठ निदेशक, एमईआईटीवाई
(1 दिसंबर, 2016 से प्रभावी)

श्री ए.के. बालानी
(1.4.2015 से 22.06.2015 तक)

श्रीमती रेणु बुद्धिराजा
(23.6.2016 से 30.11.2016 तक)

डॉ. ए.के.डी. द्विवेदी
गोरखपुर

श्री ए. एच. मून
श्रीनगर/जम्मू

श्री टी.पी. सिंह
कोलकाता, इम्फाल, कोहिमा

डॉ. एम.पी. पिल्लै
कालीकट

श्री के बरुआ
गुवाहाटी

श्रीमती वी.एस. शीला
दिल्ली

श्री जी. जॉन
औरंगाबाद

सुश्री मीनाक्षी गौड़
चण्डीगढ़

मुख्य सतर्कता अधिकारी/कार्यकारी निदेशक/निदेशक/प्रभारी निदेशक/रजिस्ट्रार/मुख्य वित्त अधिकारी

श्री टी.एस. बावा
अजमेर

श्री एन. देबचन्द्र सिंह
आइजॉल

श्री मानब कालिता
शिलांग

डॉ. वी. कृष्णमूर्ति
चेन्नै

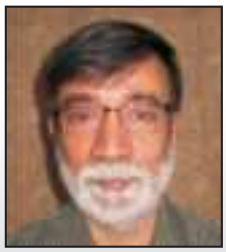

श्री अरुप चटर्जी
कोलकाता

श्री के. एस. लालमोहन
श्रीकाकुलम

डॉ. डी. के. मिश्रा
रांची

श्री आलोक त्रिपाठी
पटना

श्री अनुराग माथुर
अगरतला

श्री राजीव अग्रवाल
शिमला

श्री जनक राज
रजिस्ट्रार

श्री राजीव तलवार
मुख्य वित्त अधिकारी

अध्यक्ष, शासी परिषद्, नाइलिट

वर्ष	नाम
1995-1996	**प्रो. पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1996-1997	**प्रो. पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1997-1998	**प्रो. पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1998-1999	**प्रो. सी.एस. झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1999-2000	**प्रो. सी.एस. झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2000-2001	**प्रो. सी.एस. झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2001-2002	**प्रो. (डॉ.) के.के. अग्रवाल,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2002-2003	**डॉ. संजय पासवान,** राज्य मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2003-2004	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2004-2005	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2005-2006	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2006-2007	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2007-2008	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2008-2009	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2009-2010	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2010-2011	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी (14/11/2010 तक) **श्री कपिल सिब्बल,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी (15/11/2010 से)
2011-2012	**श्री कपिल सिब्बल,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2012-2013	**श्री कपिल सिब्बल,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2013-2014	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2014-2015	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2015-2016	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी

अध्यक्ष, प्रबंध बोर्ड, नाइलिट

वर्ष	नाम
2012-13	**श्री जे. सत्यनारायण,** भाप्रसे, सचिव, एमईआईटीवाई
2013-14	**श्री जे. सत्यनारायण,** भाप्रसे, सचिव, एमईआईटीवाई
2014-15	**श्री आर.एस शर्मा,** भाप्रसे, सचिव, एमईआईटीवाई
2015-16	**श्री जे.एस. दीपक.** भाप्रसे, सचिव, एमईआईटीवाई
2015-16	**श्रीमती अरुणा शर्मा.** भाप्रसे, सचिव, एमईआईटीवाई
2016-17	**श्रीमती अरुणा सुंदरराजन,** भाप्रसे, सचिव, एमईआईटीवाई

मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नाइलिट

नाम	से	तक
श्री टी.सी. गुप्ता	09/11/1994	26/06/1999
श्री. वी.बी. तनेजा	28/06/1999	04/08/1999
श्री अरिन्दम बोस	05/08/1999	17/07/2000
डॉ. पी.एन. गुप्ता	18/07/2000	30/12/2005
श्री जी.वी. रघुनाथन	31/12/2005	28/09/2006
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	29/09/2006	28/02/2007
डॉ. बी.के. मूर्ति	01/03/2007	15/07/2007
श्री जी.वी. रघुनाथन	16/07/2007	16/10/2008
डॉ. एस. बिरेन्द्र सिंह	17/10/2008	01/11/2010
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	02/11/2010	18/08/2011
श्री एन. रवि शंकर, भाप्रसे	19/08/2011	28/08/2011
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	29/08/2011	31/08/2011
श्री एन. रवि शंकर, भाप्रसे	02/09/2011	03/05/2012
डॉ. अजय कुमार, भाप्रसे	04/05/2012	05/08/2012
डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा	06/08/2012	-

परिदृश्य

नाइलिट के बारे में

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था है और कौशल विकास तथा सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिकी, संचार प्रौद्योगिकियों, हार्डवेयर, साइबर कानून, साइबर सुरक्षा, आईपीआर, जीपीएस, क्लाउड कम्प्यूटिंग, ई–शासन तथा संबद्ध क्षेत्रों में मानव संसाधनों का विकास करने के कार्य में सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। नाइलिट कई राज्य सरकारों के कर्मचारियों तथा जनसामान्य के लिए सूचना प्रौद्योगिकी साक्षरता कार्यक्रम के संचालन हेतु अधिमानित एजेंसी भी है।

विभिन्न स्तरों पर मानव संसाधनों का सृजन करने के उद्देश्य से, नाइलिट आईईसीटी के क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर कार्य करता है, जिसमें रोजगार तथा स्व–रोजगार से जुड़े कम लागत वाली उत्तम क्वालिटी के शिक्षण/प्रशिक्षण का आयोजन शामिल है। इसके अतिरिक्त, नाइलिट, विशेष रूप से देश के ग्रामीण/अविकसित क्षेत्रों के जनसामान्य के लिए सूचना प्रौद्योगिकी साक्षरता कार्यक्रम का भी संचालन करता है। यह भारत की एक प्रोफेशनल परीक्षा निकाय भी है, जो, विशेष रूप से शिक्षण एवं प्रशिक्षण के अनौपचारिक क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी तथा इलेक्ट्रॉनिकी में प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रत्यायित करता है।

नाइलिट शासी परिषद् के समग्र नियंत्रण एवं दिशा–निर्देशों के अन्तर्गत कार्य कर रहा है। माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, परिषद के अध्यक्ष हैं, जबकि माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री परिषद के उपाध्यक्ष हैं। परिषद के सदस्य विभिन्न क्षेत्रों/संगठनों से है जैसे कि सरकारी विभाग, उद्योग, शैक्षिक संस्थान तथा विभिन्न व्यावसायिक निकायों के प्रतिनिधि। संस्थान का एक प्रबंध बोर्ड भी है, जिसके अध्यक्ष, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार हैं। बोर्ड तथा परिषद के निर्णयों का कार्यान्वयन प्रभावी रूप से करने हेतु प्रत्येक नाइलिट केन्द्र की एक कार्यकारी समिति है जिसमें राज्य सरकारों, शैक्षिक संस्थानों तथा उद्योगों के प्रतिनिधि शामिल हैं। महानिदेशक, नाइलिट की अध्यक्षता में वित्त एवं लेखा समिति बजट अनुमान/संशोधित अनुमानों तथा संगठन के वित्तीय मुद्दों/समाधानों की सिफारिश करके अधिशासी परिषद को सहायता प्रदान करती है। इस समिति को संस्थान की सम्परीक्षित वार्षिक लेखाओं को अधिशासी परिषद द्वारा पारित किए जाने के प्रयोजन से प्रस्तुत करने से पहले उनकी जाँच करने का दायित्व भी सौंपा गया है। वित्त एवं लेखा समिति विभिन्न वित्तीय मामलों तथा संस्थान के लेखा–परीक्षकों की नियुक्ति के संबंध में समय–समय पर सलाह भी देती है। नाइलिट के प्रतिदिन के कार्यकलापों का प्रबंध महानिदेशक द्वारा किया जाता है।

नाइलिट के सतर्कता संबंधी कार्यकलापों का नेतृत्व मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा किया जाता है। जो इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं। मुख्य सतर्कता अधिकारी को प्रत्येक केन्द्र तथा नाइलिट मुख्यालय के सतर्कता अधिकारियों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। नाइलिट के सतर्कता संबंधी कामकाज में निरोधक उपाय शामिल हैं जो प्रचालन का एक स्वस्थ एवं पारदर्शी वातावरण तैयार करने के लिए आवश्यक है। नाइलिट के कामकाज में पारदर्शिता लाने तथा जवाबदेही के लिए संस्थान में जुलाई, 2005 से सूचना का अधिकार अधिनियम के अनिवार्य प्रावधानों को कार्यान्वित किया गया है। मुख्यालय में लोक सूचना अधिकारी तथा संस्थान के सभी केन्द्रों में लोक सूचना अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। सूचना का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत अनुरोधों पर कार्रवाई करने के लिए आन्तरिक कार्यविधियाँ तैयार की गई हैं और अनिवार्य सूचना नाइलिट की वेबसाइट (www.nielit.gov.in) पर उपलब्ध कराई गई है। सार्वजनिक सेवाओं की प्रदायगी में उत्कृष्टता लाने तथा नागरिकों की शिकायतों का निवारण सार्थक रूप में करने के उद्देश्य से, नाइलिट ने प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग के दिशा–निर्देशों के अनुसार एक लोक शिकायत अधिकारी की भी नियुक्ति की है। हिन्दी के प्रयोग के संबंध में संवैधानिक अनुदेशों का अनुपालन नाइलिट केन्द्रों में क्षेत्रवार प्रावधानों के अनुसार किया जा रहा है।

क्षमता निर्माण, कौशल विकास तथा प्रक्रिया पुनः इंजीनियरी

कौशलता विकास दीर्घकालीन विकास प्रक्रिया को पोषित करने हेतु अत्यधिक महत्वपूर्ण है और यह अनौपचारिक से औपचारिक अर्थव्यवस्था में संचरण की सुविधा प्रदान करने में योगदान दे सकता है। उपयुक्त रूप से कार्य करने के सिद्धान्त तथा कौशल विकास की प्रदायगी के लिए मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं और ये सामाजिक रूप में उचित संचरण का कुशल प्रबंध करने के लिए एक प्रभावी मार्ग है। राष्ट्रीय कौशल विकास नीति का उद्देश्य उन्नत कौशल, ज्ञान तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय रूप से मान्यता प्राप्त अर्हता के माध्यम से व्यक्तियों का सशक्तीकरण करना है जिससे वे उचित रोजगार प्राप्त कर सकें तथा वैश्विक बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित हो सके। नाइलिट आईईसीटी के क्षेत्र में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को कौशल प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नाइलिट द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले व्यापक पाठ्यक्रमों में ये शामिल हैं: (क) नाइलिट केन्द्रों द्वारा राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों/तकनीकी बोर्डों के सहयोग से चलाए जाने वाले **औपचारिक क्षेत्र** के पाठ्यक्रम जैसे कि **एम.टेक, बी.टेक, एमसीए, बीसीए** कार्यक्रम; औरंगाबाद केंद्र इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में पीएचडी कार्यक्रम का संचालन कर रहा है। (ख) सूचना प्रौद्योगिकी, हार्डवेयर, जैव–सूचना विज्ञान आदि में चार स्तरों पर अर्थात **'ओ'** (आरम्भिक); **'ए'** (उन्नत डिप्लोमा); **'बी'** (एमसीए के समतुल्य) तथा **'सी'** स्तर, **अनौपचारिक क्षेत्र** के पाठ्यक्रम, प्रमुख क्षेत्रों में **अल्पावधि पाठ्यक्रम;** तथा देश में डिजिटल साक्षरता के प्रसार के लिए **सूचना प्रौद्योगिकी साक्षरता कार्यक्रम;** और राज्य सरकारों के कर्मचारियों के सशक्तीकरण के लिए ई–शासन में विशेष कार्यक्रम। इसके अतिरिक्त, नाइलिट ने सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र की फर्मों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार **विशेष रूप से तैयार कौशल विकास कार्यक्रम** का संचालन करने की विशेषज्ञता का सृजन किया है।

नाइलिट ने नई दिल्ली स्थित मुख्यालय के अतिरिक्त, अजमेर (केकड़ी), अगरतला, आईजॉल, औरंगाबाद, कालीकट, चण्डीगढ़, चेन्नै, दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, इम्फाल, ईटानगर, कोलकाता, कोहिमा, पटना, श्रीनगर, जम्मू, राँची, शिमला, लखनऊ, चुचुयिमलांग, शिलांग, जोरहाट, सिलचर, सेनापति, तेज़पुर, लुंगलेई, लेह, चुड़ाचाँदपुर, श्रीकाकुलम, रोपड़, तेजू, कोकराझार, पासीघाट स्थित **35 अपने केन्द्रों** के नेटवर्क के माध्यम से सम्पूर्ण भारत में अपनी उपस्थिति के जरिए स्वयं को एक अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित किया है। लगभग **8000+ सुविधा केन्द्रों (सीसीसी/बीसीसी)** के नेटवर्क के अतिरिक्त यह लगभग **900 + प्रत्यायित प्रशिक्षण केन्द्रों (ओ,ए,बी,सी स्तर)** के नेटवर्क के माध्यम से पूरे देश से जुड़ा हुआ है। नाइलिट कौशल विकास के माध्यम से 'डिजिटल विभाजन' को दूर करने का प्रयास कर रहा है जिससे विशेष रूप से समाज के कमजोर वर्गों के युवाओं में रोजगार की क्षमता में वृद्धि हो सके। प्रक्रिया पुनः इंजीनियरी के लिए प्रौद्योगिकी का प्रयोग करने के उद्देश्य से, नाइलिट में कई सांस्थानिक मेकेनिज़्म लागू किए गए हैं। विभिन्न केन्द्रों की वेबसाइटों में एकरूपता लाने के उद्देश्य से, नाइलिट ने अलग–अलग वेबसाइटों के स्थान पर मुख्यालय तथा अपने सभी केन्द्रों की एक एकीकृत वेबसाइट तैयार की है। पाठ्यक्रमों की अवधि, पाठ्यचर्या, पाठ–सामग्री, मूल्यांकन पद्धति आदि की दृष्टि से एकरूपता हासिल करने के उद्देश्य से, 65 अल्पावधि पाठ्यक्रमों को मानकीकृत किया गया। केन्द्रीय रूप में ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा प्रदान करने के लिए नाइलिट के विद्यार्थी वेब पोर्टल का संशोधन समुचित रूप से किया गया तथा 01 मार्च, 2016 से शुरू किया गया। नाइलिट के विभिन्न कार्यकलापों के लिए 24x7 अभिगम्य विशेषज्ञ पैनल प्रणाली (www.nielit.gov.in/expert empanelment) भी आरम्भ की गई है। पात्रता की न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने वाले तथा नई/उदीयमान प्रौद्योगिकियों की जानकारी रखने वाले विशेषज्ञों को आवेदन करने की अनुमति दी जाती है और एक पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से पैनल बनाया जाता है। नाइलिट मुख्यालय तथा नाइलिट केन्द्रों के सभी कर्मचारियों के लिए एक वेब अनुप्रयोग का विकास किया गया है जिससे वे अपनी मासिक मूल्यांकन रिपोर्ट ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकें। इस प्रणाली को कार्यान्वित करने का उद्देश्य कर्मचारियों को उन्हें आबंटित कार्यों/ड्यूटी का मूल्यांकन स्वयं करने के लिए प्रेरित करना है।

रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय की राष्ट्रीय आजीविका सेवा योजना के अन्तर्गत कालीकट, गोरखपुर, औरंगाबाद, श्रीनगर, इम्फाल तथा कोलकाता स्थित नाइलिट केन्द्रों में **मॉडल आजीविका केन्द्र (एमसीसी)** स्थापित किए गए हैं। नाइलिट लेह केन्द्र में एमसीसी शीघ्र ही आरम्भ होने जा रहा है। नाइलिट के केन्द्रों के एमसीसी रोजगार मेलों का आयोजन कर रहे हैं तथा संबंधित क्षेत्र में रहने वाले विद्यार्थियों को काउंसलिंग प्रदान कर रहे हैं और इस प्रकार ग्रामीण तथा समाज के कमजोर वर्गों के आकांक्षी युवाओं को सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। केवल एमसीसी कालीकट में ही लगभग 8000 रोजगार अभ्यर्थियों तथा 29 प्रतिष्ठित निजी कम्पनियों ने मेले में हिस्सा लिया तथा **838 रोजगार अभ्यर्थियों को विभिन्न नियोक्ताओं द्वारा नियोजन के लिए चुना गया।** नाइलिट के प्लेसमेंट पोर्टल ने भी परिणाम प्रदर्शित करना शुरू कर दिया है। नाइलिट के विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्त करने की अधिक सुविधा प्रदान करने के लिए, नाइलिट ने मॉनस्टर डॉट कॉम के साथ एक नॉन–एक्सक्लूसिव सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। नाइलिट के

केन्द्रों ने भी लगभग 1000 रोजगार कार्यालय अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए एनसीएस पोर्टल पर प्रशिक्षण का आयोजन किया है। नाइलिट जम्मू तथा कश्मीर ने भारतीय सेना के लगभग 350 कार्मिकों के लिए कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है। नाइलिट की क्षमताओं को स्वीकार करते हुए, कई राज्य सरकारें राष्ट्रीय परियोजनाओं के कार्यान्वयन का कार्य नाइलिट को सौंप रही हैं। श्रीनगर/जम्मू स्थित नाइलिट केन्द्र ने जम्मू तथा कश्मीर राज्य के 423 सरकारी विद्यालयों में **'स्मार्ट क्लासरूम'** स्थापित किए है जिसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी के सक्रिय उपयोग के माध्यम से शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करना है।

नाइलिट को आईसीटी में क्षमता निर्माण के अन्तर्गत विभिन्न परियोजनाएँ चलाने का दायित्व सौंपा गया है जिसका उद्देश्य रोजगार तथा स्व–रोजगार से जुड़ी अच्छी क्वालिटी एवं कम कीमत वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम के विकास सहित विभिन्न स्तरों पर मानव संसाधनों का सृजन करना है और साथ ही विशेष रूप से देश के ग्रामीण/अविकसित क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी साक्षरता कार्यक्रम चलाना है। भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में नाइलिट की सबल उपस्थिति है और पूर्वोत्तर क्षेत्र में क्षमता निर्माण तथा आईईसीटी में कौशल विकास के क्षेत्रों में योगदान प्रदान कर रहा है। नाइलिट ने 'पूर्वोत्तर क्षेत्र विभाग (डोनर)' द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'गन्तव्य पूर्वोत्तर 2016' समारोह में भी भाग लिया। इस समारोह के दौरान 'क्षमता निर्माण तथा आईईसीटी में कौशल विकास के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत का सशक्तीकरण' शीर्षक पर नाइलिट के ब्रोशर का विमोचन माननीय संसदीय कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने किया। इस ब्रोशर में पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी 8 राज्यों में चलाए जा रहे विभिन्न क्षमता निर्माण तथा कौशल विकास कार्यक्रमों के विवरण दिए गए हैं।

डिजिटल भारत

सरकार ने 'डिजिटल भारत' का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम आरम्भ किया है, जो तीन मूल स्तम्भों पर आधारित है – भारत के नागरिकों के लिए एक उपयोगिता के रूप में डिजिटल वास्तुकला का सृजन करना; सेवाओं की डिजिटल प्रदायगी का सुनिश्चय करना; तथा भारत के नागरिकों को डिजिटल रूप में सशक्त बनाना। डिजिटल सशक्तिकरण का तात्पर्य है डिजिटल साक्षरता से है, जो लोग साक्षर नहीं हैं उन्हें डिजिटल युक्तियों को चलाने का प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे वे ई–शासन तथा डिजिटल सेवाओं का लाभ उठा सकें तथा अपनी आजीविका में सार्थक परिवर्तन ला सकें। देश में डिजिटल क्रांति शुरू हुई है जिसमें नाइलिट पीपीपी फ्रेमवर्म में निजी प्रशिक्षण भागीदार सहित इसके केन्द्रों के बढ़ते नेटवर्क के जरिए राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन (जिसे 'दिशा' भी कहा जाता है) को आगे ले जाने के लिए उपयुक्त रूप से तैयार है, जिसका लक्ष्य डिजिटल विभाजन को दूर करना है। कौशल विकास के माध्यम से डिजिटल विभाजन को न्यूनतम करके और एक बटन पर क्लिक करने के जरिए मूलभूत डिजिटल साक्षरता प्रदान करके, नाइलिट विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं के लिए रोजगार का सृजन करने के लिए अधिक उद्योग उन्मुखी पाठ्यक्रम चलाना चाहता है।

परिवर्तनशील प्रौद्योगिकी के साथ अग्रसर होते हुए नाइलिट विशेष रूप से आईओटी, ई–अपशिष्ट, क्लाउड कम्प्यूटिंग तथा साइबर सुरक्षा आदि जैसे उदीयमान क्षेत्रों में कौशल विकास तथा क्षमता निर्माण के प्रयासों को आगे ले जाने की दिशा में ठोस प्रयास कर रहा है। नाइलिट को इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 'डिजिटल भारत' के अन्तर्गत ई–अपशिष्ट प्रबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से सरकारी अधिकारियों के क्षमता निर्माण की एक परियोजना प्रदान की गई है। इस परियोजना के अन्तर्गत, 29 राज्यों के 4330 केन्द्र/राज्य सरकारी अधिकारियों को नाइलिट द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। इस परियोजना का कार्यान्वयन कुशल एवं प्रोफेशनल रूप में करने के लिए, नाइलिट ने सूचना प्रौद्योगिकी विनिर्माण संघ (एमएआईटी) के साथ एक सहमति–ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए हैं। नाइलिट ने अमेजॉन इंटरनेट सर्विसेज़ प्रा.लि (एआईएसपीएल) के साथ भी एक नॉन–एक्सक्लूसिव सहमति–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहमति ज्ञापन के अन्तर्गत, एआईएसपीएल 50 से ज्यादा सेवाओं जैसे कि डेटाबेस सेवाओं, ई–मेल सेवाओं, आभासी निजी सम्पर्क सेवाओं, बृहद डेटा सेवाओं, मीडिया सेवाओं का निःशुल्क अभिगम नाइलिट के विद्यार्थियों तथा प्रशिक्षकों/शिक्षकों को प्रदान करेगा जिससे क्लाउड शिक्षण के लक्ष्य को हासिल किया जा सके (औद्योगिक मानकों तथा अपेक्षाओं के अनुसार), जिसके फलस्वरूप विद्यार्थियों तथा प्रशिक्षकों को आभासी मशीनों का सृजन करने, अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर का प्रतिष्ठापन करने तथा उनका प्रबंध करने के लिए एक सजीव परिवेश में कार्य के माध्यम से अनुभव प्राप्त होगा।

भारत सरकार के 'डिजिटल भारत' कार्यक्रम के अन्तर्गत नाइलिट ने सभी पूर्वोत्तर राज्यों के 16000 सरकारी कर्मचारियों को 2 वर्षों में प्रशिक्षित करने के लिए राष्ट्रीय ई–शासन प्रभाग (एनईजीडी) के साथ एक सहमति–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह 'डिजिटल इंडिया' के लिए पूर्वोत्तर को तैयार करना नामक एक विशेष योजना के अन्तर्गत इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की एक परियोजना है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 10000 सरकारी कर्मचारियों को नाइलिट के डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम सीसीसी तथा 6000 कर्मचारियों को सीसीसी+ में प्रशिक्षित किया जाएगा।

'ग्रामीण भारत' का सशक्तीकरण

आदर्श ग्राम विकास के लिए प्रधान मंत्री सांसद आदर्श ग्राम योजना (पीएम–एसएजीवाई) के अन्तर्गत, श्री रवि शंकर प्रसाद, माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा विधि एवं न्याय मंत्री ने बिहार में पटना जिले के फतुआ ब्लॉक के अहलावलपुर गाँव को अपनाया है। नाइलिट ने अहलावलपुर गाँव में एक कम्प्यूटर साक्षरता केन्द्र स्थापित किया है जिसका उद्घाटन श्री रवि शंकर प्रसाद ने दिनांक 18 मई 2015 को किया। उस समय से ही, नाइलिट कम्प्यूटर साक्षरता केन्द्र में कौशल विकास कार्यक्रम संचालन कर रहा है जिससे उस क्षेत्र के स्थानीय निवासियों, विशेष रूप से किशोरों, लड़कियों तथा महिलाओं को डिजिटल रूप में सशक्त बनाया जाए। इन प्रयासों में तेजी लाने के लिए नाइलिट पटना ने एनआईआईटी फाउण्डेशन तथा इंटेल के साथ सहयोग किया है। इस सहयोग के एक भाग के रूप में 'इंटेल ईज़ी स्टेप्स' नामक एक कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें अहलावलपुर के 200 स्थानीय निवासियों को कौशल प्रदान किया गया, जिनमें 150 महिला तथा 50 पुरुष शामिल थे।

ई–शासन

नाइलिट एनडीएलएम के विद्यार्थियों को डिजिटल रूप में हस्ताक्षरित प्रमाण–पत्र ऑनलाइन मोड में जारी कर रहा है, जिसमें क्यूआर कोड शामिल होते हैं जिससे ऑनलाइन प्रमाण–पत्रों का सत्यापन भी ऑनलाइन मोड में किया जा सके। डिजिटल प्रमाण–पत्र डिजिटल लॉकर से भी जुड़े होते हैं और अब तक 766738 से ज्यादा प्रमाण–पत्र डिजिटल लॉकर पोर्टल पर अपलोड किए गए हैं। नाइलिट ने इसकी सभी फाइलों/रिकार्डों को डिजीटल किया है तथा फाइलों का संचालन ***ई–कार्यालय*** के माध्यम से करना शुरू कर दिया है। डिजीटल फाइलों को ***ई–कार्यालय*** में भेजा जा रहा है। इसके अतिरिक्त, इस नए प्रतिमान के कौशल विकास की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नाइलिट ने ई–शासन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकास किया है तथा उन्हें आरम्भ किया है जिसमें सार्वजनिक सेवाओं को नागरिकों के द्वार तक ले जाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर विशेष ध्यान दिया गया है।

इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली डिजाइन एवं विनिर्माण (ईएसडीएम) में क्षमता निर्माण एवं कौशल विकास के द्वारा 'मेक–इन–इण्डिया' का समर्थन

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा ईएसडीएम क्षेत्र में शुरू की गई कौशल विकास योजनाओं को देश के सभी राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में गति मिली है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में लगभग 60000 पंजीकरण प्राप्त किए गए हैं। इस समय इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण उद्योगों में कुशल श्रमशक्ति की माँग और आपूर्ति के बीच एक बड़ा अन्तर है और इस कारण इस योजना में 8वीं तथा उससे अधिक पास विद्यार्थियों, आईटीआई, डिप्लोमा, गैर–इंजीनियरी स्नातक आदि श्रेणी के विद्यार्थियों/बेरोजगार युवाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है जिससे विनिर्माण तथा सेवा समर्थन कार्यों में उनकी रोजगार योग्यता में सुधार किया जा सके। कौशल विकास की इन योजनाओं में सभी राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को शामिल किया जा रहा है जिससे 4 वर्षों की अवधि में 418000 व्यक्तियों को कौशल विकास की सुविधा प्रदान करने के लिए पूरे देश में ईएसडीएम क्षेत्र के विकास की एक आर्थिक प्रणाली का सृजन किया जा सके। इन योजनाओं में अनुसूचित जाति/जनजाति/आर्थिक रूप में कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों के लिए शत–प्रतिशत वित्तीय सहायता तथा सामान्य श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए 75 प्रतिशत वित्तीय सहायता का भी प्रावधान है।

इन योजनाओं में भारतीय इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र कौशल परिषद (ईएसएससीआई), दूरसंचार क्षेत्र कौशल परिषद (टीएसएससी) तथा राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) द्वारा 80 पाठ्यक्रमों का एक समूह (सेवा क्षेत्र में 49 पाठ्यक्रम तथा विनिर्माण क्षेत्र में 31 पाठ्यक्रम) संयुक्त रूप से शामिल किया है। संचालन हेतु अधिकांश पाठ्यक्रम स्तर 1(11) तथा स्तर 5(15) के बीच एनएसक्यूएफ अनुरूपी हैं।

परियोजनाएँ

कुछ उल्लेखनीय परियोजनाएँ

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम	कुल परिव्यय
सम्पूर्ण भारत	इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की 750.00 लाख रु. की वित्तीय सहायता से देश के प्रत्येक राज्य में एक लाख सामान्य सेवा केन्द्र (सीएससी) प्रचालकों/ग्रामीण स्तर के उद्यमकर्ताओं (वीएलई) के प्रशिक्षण एवं प्रमाणन के लिए **'ग्रामीण भारत में कम्प्यूटर शिक्षण पाठ्यक्रम'**। इस परियोजना के अन्तर्गत, कुल 1,00,000 वीएलई को कम्प्यूटर अवधारणा पाठ्यक्रम (सीसीसी) में प्रमाणित किया जाएगा। ये प्रमाणित वीएलई अपने–अपने सीएससी में विभिन्न शैक्षिक सेवाएँ प्रदान कर सकते हैं, जो उन्हें अपने समुदाय में साख/विश्वसनीयता सृजित करने के अलावा उनके लिए रोजगार का एक नियमित स्रोत भी उपलब्ध कराएगा। यह योजना सरकार की ग्रामीण जनता के लिए रोजगार के अवसरों में सुधार करने तथा देश के समग्र विकास के लिए उत्तम क्वालिटी की जनशक्ति तैयार करने की सुविधा की नीति के अनुसार है। इससे सरकार को प्रत्येक घर के एक नागरिक को डिजिटल रूप में साक्षर बनाने के उद्देश्य को हासिल करने में भी सहायता मिलेगी।	रु. 750.00 लाख
10 राज्य असम, उत्तर प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, सिक्किम, राजस्थान, बिहार एवं पश्चिम बंगाल	इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की 287.50 लाख रु. की वित्तीय सहायता से **'ग्रामीण भारत में डिजिटल साक्षरता के माध्यम से महिलाओं का सशक्तीकरण (डब्ल्यूडीएलपी)'**, जिसका लक्ष्य डिजिटल साक्षरता में कुशलता हासिल करने के लिए मूलभूत कम्प्यूटर अवधारणा (बीसीसी) पाठ्यक्रम में 25,000 ग्रामीण महिलाओं का प्रशिक्षण एवं सशक्तीकरण करना है जिससे वे आगे शिक्षा प्राप्त कर सकें, रोजगार प्राप्त सकें, अपना व्यवसाय आरम्भ तथा तैयार करने में उन्हें सहायता मिले, अपनी आजीविका को सुरक्षित कर सकें तथा सामाजिक एवं राजनीतिक रूप में सक्रिय बन सकें।	रु. 287.50 लाख
नांगालैंड	**'प्रशासनिक अनुमोदन सं.14016/10/2016/एचआरडी दिनांक 22.09.2016 के जरिए नागालैण्ड के चार पिछड़े जिलों के वंचित (अ.ज.जा) युवाओं तथा महिलाओं का आईसीटी कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्तीकरण'** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कोहिमा द्वारा एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से 18 महीने की अवधि में निम्नलिखित उद्देश्य से किया जा रहा है : • नागालैण्ड में नागालैण्ड की पिछड़ी जनजाति (अनुसूचित जनजाति) के लक्षित महत्वपूर्ण समूहों के जीवन स्तर में समग्र उन्नति करना। • विद्यालय के युवाओं तथा महिलाओं को तकनीकी कौशल से सुसज्जित करना, और इस प्रकार युवाओं को कम्प्यूटर उपलब्ध कराने तथा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कुशलता में अभिवृद्धि करने के जरिए रोजगार के अवसरों का विस्तार करना। • अन्तर को दूर करना, अर्थात तेजी से बदलते विश्व में प्रौद्योगिकी में बदलाव के कारण अत्यन्त आवश्यक विशेष कम्प्यूटर शिक्षण तथा प्रशिक्षण उपलब्ध कराना जिससे वे वर्तमान विश्व के परिवर्तनों का मुकाबला कर सकें। • लक्षित समूह को वर्तमान समय की प्रौद्योगिकी में बराबरी के स्तर पर तथा सक्रिय रूप में भागीदारी करने में सहायता करके एक प्रौद्योगिकी साक्षर समाज का विकास करना जिसमें उन्हें बेहतर जानकारी होगी तथा सहज रूप में संव्यवहार करने की शक्तियाँ प्राप्त होंगी।	रु. 111.56 लाख

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम	कुल परिव्यय
असम	**'प्रशासनिक अनुमोदन सं. 1(7)/2015-ME&HI दिनांक 23.3.2016 के जरिए चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला की स्थापना'** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट गुवाहाटी द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की वित्तीय सहायता से तीन वर्षों की अवधि में सिलचर स्थित इसके विस्तार केन्द्र में किया जा रहा है जिसका उद्देश्य असम के विभिन्न अस्पतालों के चिकित्सकीय उपकरणों की मरम्मत तथा अनुरक्षण का कार्य करने के लिए सिलचर विस्तार केन्द्र में चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला की स्थापना करना है जिससे अस्पतालों तथा मरीजों के समक्ष खराब अस्पताल उपकरणों के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं का समाधान किया जा सके।	रु. 162.20 लाख
मणिपुर तथा असम	**'प्रशासनिक अनुमोदन सं. 12(3)/2016-ESD दिनांक 22.3.2016 के जरिए स्पैम–निरोधी समन्वय केन्द्र की स्थापना'** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट इम्फाल तथा गुवाहाटी द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की वित्तीय सहायता से 24 महाने की अवधि में किया जा रहा है जिसका उद्देश्य एक स्पैम–निरोधी सुविधा की स्थापना करना तथा स्पैम मेल के बारे में सूचना के संग्रहण, विश्लेषण तथा विनिमय के लिए एक फ्रेमवर्क का विकास करना है। इस प्रयोजन से, वितरित स्पैम–बॉटस एमुलेटिंग मुक्त रिले सर्वरों की स्थापना की जाएगी। संग्रहीत स्पैम मेलों का विश्लेषण इस तथ्य का पता लगाने के लिए किया जाएगा कि ऐसे मेल कहाँ से उत्पन्न हुए हैं तथा उनका वर्गीकरण श्रेणियों में किया जाएगा। विश्लेषण के आधार पर, अन्तर्राष्ट्रीय पद्धतियों के अनुसार एक साझा योग्य डेटाबेस तथा रिपोर्ट तैयार की जाएगी और सर्ट–इन सहित सभी पणधारियों को दी जाएगी।	रु. 135.00 लाख
केरल	**'प्रशासनिक अनुमोदन सं. 1(5)/2015-ME&HI दिनांक 28.09.2015 के जरिए पीएनडीटी के अनुपालन सहित स्वदेशी रंगीन डॉप्लर अल्ट्रासाउण्ड स्कैनर'** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कालीकट द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की वित्तीय सहायता से तीन वर्षों की अवधि में किया जा रहा है जिसका उद्देश्य पीएनडीटी के अनुपालन सहित स्वदेशी रंगीन डॉप्लर अल्ट्रासाउण्ड स्कैनर का डिजाइन एवं विकास करना है।	रु. 274.38 लाख
कोहिमा	**'प्रशासनिक अनुमोदन सं. 1(9)/2014-ME&HI दिनांक 2.12.2014 के जरिए चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला की स्थापना'** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कोहिमा द्वारा किया जा रहा है जिसका उद्देश्य नागालैण्ड के विभिन्न अस्पतालों के चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी उपकरणों की मरम्मत तथा अनुरक्षण करने के लिए चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला की स्थापना करना और साथ ही नागालैण्ड के विभिन्न सरकारी तथा निजी अस्पतालों के पराचिकित्सकीय एवं चिकित्सकीय कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करना है।	रु. 107.00 लाख

परियोजनाएँ

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम	कुल परिव्यय
मणिपुर तथा सिक्किम	**'प्रशासनिक अनुमोदन सं. 12(9)/2014-ESD दिनांक 14.11.2014 के जरिए मणिपुर तथा सिक्किम पूर्वोत्तर राज्यों में समुचित प्रशिक्षण तथा अभियान तंत्र के माध्यम से विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा सरकारी कर्मचारियों में साइबर सुरक्षा के बारे में जन जागरूकता का सृजन करना'** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट इम्फाल तथा गंगटोक द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की वित्तीय सहायता से 18 महीने की अवधि में किया जा रहा है जिसका उद्देश्य देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के 2 राज्यों में साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता संबंधी अन्तर को दूर करना है।	रु. 154.94 लाख
नागालैण्ड	**'प्रशासनिक अनुमोदन सं. 12(13)/2014-ESD दिनांक 4.12.2014 के जरिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के उन्नत प्रशिक्षण के लिए साइबर फोरेन्सिक प्रयोगशाला में अभिवृद्धि जिससे वे उदीयमान साइबर अपराधों का मुकाबला कर सकें तथा पूर्वोत्तर राज्यों में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में युवाओं का क्षमता निर्माण'** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट इम्फाल तथा गंगटोक द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की वित्तीय सहायता से 24 महीने की अवधि में किया जा रहा है जिसका उद्देश्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को नए उभरते साइबर खतरों और उनकी समुचित पड़ताल में उन्नत फोरेन्सिक प्रशिक्षण प्रदान करना है जिससे पूर्वोत्तर राज्यों में बढ़ते साइबर अपराधों को कम किया जा सके तथा पूर्वोत्तर राज्यों के युवाओं को साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षण प्रदान करना तथा कम्प्यूटर फोरेन्सिक एवं साइबर सुरक्षा प्रयोगशाला में विजुअलाइजेशन प्रौद्योगिकी का कार्यान्वयन करना है।	रु. 152.00 लाख
पश्चिम बंगाल	**'प्रशासनिक अनुमोदन सं. L-14016/8/2014-HRD दिनांक 27.06.2014 के जरिए पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की सशक्तिकरण के लिए आईसीटी में क्षमता निर्माण'** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कोलकाता द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की 55.44 लाख रु. की वित्तीय सहायता से दो वर्षों की अवधि में किया जा रहा है जिसका उद्देश्य जिला कल्याण विभाग, कूच बिहार, पश्चिम बंगाल में स्मार्ट मोड आईटी आधारित स्रोत केन्द्र की स्थापना करना तथा नाइलिट इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली विनिर्माण ईएसएम1 पाठ्यक्रम (एनवीईक्यूएफ प्रमाणित इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन तकनीशियन स्तर IV) में प्रशिक्षण प्रदान करके अनुसूचित जाति समुदाय से 300 आईटी कुशल संसाधन सदस्यों का विकास करना है।	रु. 55.44 लाख

परियोजनाएँ

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम	कुल परिव्यय
केरल	**'प्रशासनिक अनुमोदन सं. L-14016/7/2014-HRD दिनांक 4.7.2014 के जरिए केरल के अनुसूचित जनजाति के लिए कम कीमत वाली अभिगम युक्तियों पर आधारित जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी कौशल तथा ई–समावेशन'** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कालीकट द्वारा अमृता विश्व पीठम, कोल्लम के साथ मिलकर संयुक्त रूप में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की 132.47 लाख रु. की वित्तीय सहायता से तीन वर्षों की अवधि में किया जा रहा है जिसका उद्देश्य नाइलिट द्वारा अनुसूचित जनजाति जनसंख्या के योग्य विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण तथा प्रमाण–पत्र प्रदान करना है जिससे सरकारी तथा निजी क्षेत्र में उनकी रोजगार योग्यता में वृद्धि हो सके। अमृता का उद्देश्य सामाजिक जागरूकता के लिए प्रभावी अधिगम का एक मॉडल तथा कार्यपद्धति तैयार करना और मलयालम में एसीसी प्रशिक्षण तथा जनजाति के गाँवों में प्रायोगिक परियोजना करना है जहाँ कनेक्टिविटी उपलब्ध नहीं है।	रु. 132.47 लाख
नागालैण्ड	**'प्रशासनिक अनुमोदन सं. 3(7)/2013-EG-II दिनांक 14.08.2013 के जरिए पूर्वोत्तर राज्य के अनुसूचित जनजाति युवाओं तथा राज्य सरकार के कर्मचारियों की ई–तैयारी के सृजन के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम'** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कोहिमा द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के 153.76 लाख रु. के परिव्यय की वित्तीय सहायता से दो वर्षों की अवधि के लिए किया जा रहा है जिसका उद्देश्य सूचना प्रौद्योगिकी संस्कृति का प्रसार करना तथा मूलभूत स्तर पर कम्प्यूटर के प्रयोग में डिजिटल विभाजन को पूरा करना जिससे इलेक्ट्रॉनिक सेवा कार्यक्रमों को चलाया जा सके और अनुसूचित जनजाति के युवाओं तथा राज्य सरकार के कर्मचारियों में विभिन्न ई–शासन सेवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए ई–शासन पर अल्पावधि प्रशिक्षण/कार्यशाला का आयोजन करना है।	रु. 153.76 लाख
मणिपुर	**'प्रशासनिक अनुमोदन सं. 3(48)/2012-EG-II दिनांक 6.3.2013 के जरिए ई–शासन अनुप्रयोगों के लिए क्षमता निर्माण में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों का प्रशिक्षण'** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट इम्फाल द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के 76.60 लाख रु. के परिव्यय की वित्तीय सहायता से तीन वर्षों की अवधि में किया जा रहा है जिसका उद्देश्य मणिपुर के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को मणिपुर के 5 स्थानों पर सूचना प्रौद्योगिकी तथा ई–शासन अनुप्रयोगों में प्रशिक्षित करना है जिससे वे या तो नियोजित हो सकें या फिर अपना व्यवसाय शुरू कर सकें और इसके कार्यदल की 21 जनवरी, 2013 को आयोजित पहली बैठक में की गई सिफारिशों के अनुसार हासिल किया जाना है।	रु. 75.60 लाख

परियोजनाएँ

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम	कुल परिव्यय
महाराष्ट्र एवं तमिलनाडु	**'प्रशासनिक अनुमोदन सं. 1(12)/2011-HRD दिनांक 1.5.2012 के जरिए इलेक्ट्रॉनिकी उत्पाद डिजाइन तथा उत्पादन प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में क्षमता निर्माण'** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट औरंगाबाद तथा चेन्नै द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की वित्तीय सहायता से पाँच वर्षों की अवधि के लिए किया जा रहा है जिसका उद्देश्य इस प्रकार हैं: • सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातकोत्तर, तथा शोध प्रोफेशनल सहित विभिन्न स्तरों पर सक्षमता के उपयुक्त स्तर सहित मानव संसाधन का विकास करना। • विशेषज्ञता के चुनिन्दा क्षेत्रों में अल्पावधि/दीर्घावधि माडुलर अनौपचारिक पाठ्यक्रम शुरू करना। • भारतीय उद्योगों में कार्यरत प्रोफेशनलों की सक्षमता का दर्जा बढ़ाना। • इस क्षेत्र में अप्रचलन की उच्च दर के कारण तकनीकी संस्थानों के शिक्षकों के ज्ञान तथा कुशलता का दर्जा बढ़ाना। • रोजगार तथा स्व–रोजगार से जुड़े कम कीमत वाले शिक्षण/प्रशिक्षण का डिजाइन एवं संचालन करना – उद्यमकर्ता विकास। • ग्रामीण/अविकसित क्षेत्रों के विकास के उद्देश्य से कम कीमत वाली इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना। • भारतीय उद्योग को डिजाइन परामर्श–सेवा, अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के उत्पाद विकास एवं तकनीकी समर्थन सेवाएँ उपलब्ध कराना।	**रु. 2610.00 लाख**
मिज़ोरम	**'प्रशासनिक अनुमोदन सं. 3(42)/2012-EG.II दिनांक 4.12.2014 के जरिए पूर्वोत्तर राज्यों के अनुसूचित जनजाति युवाओं के लिए ई–शासन में क्षमता निर्माण सर्टिफिकेट कार्यक्रम'** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट आइजॉल द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के 166.88 लाख रु. के परिव्यय की वित्तीय सहायता से 12 महीनों की अवधि के लिए किया जा रहा है जिसका उद्देश्य ई–शासन में सर्टिफिकेट कार्यक्रम आयोजत करके जनसामान्य में ई–शासन जागरूकता का सृजन करना है। परियोजना के सफलतापूर्वक पूरा होने के कारण मिज़ो भाषा में अच्छी क्वालिटी का ई–शासन जागरूकता प्रशिक्षण माड्यूल तैयार हुआ है तथा अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों, राज्य सरकार के कर्मचारियों तथा एनजीओ/एसएचजी/ उद्यमकर्ताओं/राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों में जागरूकता उत्पन्न हुई है।	**रु. 166.88 लाख**

परियोजनाएँ

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम	कुल परिव्यय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	**'प्रशासनिक अनुमोदन Ia-L-14016/9/2013–HRD दिनांक 07.11.2013 के जरिए सूचना प्रौद्योगिकी में जागरूकता को बढ़ावा देने तथा व्यावसायिक कौशल में अभिवृद्धि करने के लिए टैली के परिचय के साथ दिल्ली की महिला उद्यमकर्ताओं/डेटा प्रविष्टि प्रचालकों का प्रशिक्षण तथा जनसामान्य के लिए सूचना प्रौद्योगिकी कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम प्रबंध एकक (पीएमयू) की स्थापना'** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट दिल्ली द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की वित्तीय सहायता से दो वर्षों की अवधि के लिए किया जा रहा है जिसका उद्देश्य दिल्ली की महिलाओं को आत्म–निर्भर बनाने तथा कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी में ई–साक्षर बनाने के लिए मूलभूत सूचना प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षित करना, स्वास्थ्य, सुरक्षा से संबंधित मुद्दों तथा महिलाओं के लाभार्थ विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना तथा गैर–स्नातक महिलाओं की व्यावसायिक कौशल में अभिवृद्धि करना है।	रु. 241.72 लाख
मेघालय	**'प्रशासनिक अनुमोदन सं. 1(4)/2014-ME&HI दिनांक 17.7.2014 के जरिए चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला की स्थापना'** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट शिलांग द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की वित्तीय सहायता से तीन वर्षों की अवधि के लिए किया जा रहा है जिसका उद्देश्य मेघालय के विभिन्न अस्पतालों के चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी उपकरणों का परीक्षण, अंशांकन, मरम्मत तथा अनुरक्षण करने के लिए नाइलिट शिलांग में चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला की स्थापना करना तथा 3 वर्षों में 75 विद्यार्थियों की भर्ती की क्षमता से चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी उपकरण अनुरक्षण पर पाठ्यक्रम संचालन करना है।	रु. 122.00 लाख
मिज़ोरम, त्रिपुरा तथा नागालैण्ड	**'प्रशासनिक अनुमोदन सं. 12(14)/2012-ESD दिनांक 14.02.2013 के जरिए पूर्वोत्तर के मिज़ोरम, नागालैण्ड तथा त्रिपुरा राज्यों के स्कूली बच्चों, महाविद्यालय के बच्चों तथा जनता में समुचित प्रशिक्षण तथा अभियान तंत्र के माध्यम से जन साइबर सुरक्षा जागरूकता उत्पन्न करना'** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट आइजॉल, अगरतला तथा कोहिमा द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की वित्तीय सहायता से 18 महीने की अवधि के लिए किया जा रहा है जिसका उद्देश्य देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के विशेष रूप से 3 राज्यों में साइबर सुरक्षा से संबंधित जागरूकता के अन्तर को दूर करना है।	रु. 228.14 लाख
त्रिपुरा	**'प्रशासनिक अनुमोदन सं. 1(3)/2012ME&TMD/ESDA दिनांक 25.07.2012 के जरिए चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला की स्थापना'** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट अगरतला द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की वित्तीय सहायता से तीन वर्षों की अवधि के लिए किया जा रहा है जिसका उद्देश्य त्रिपुरा तथा पूर्वोत्तर राज्यों के विभिन्न अस्पतालों के चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी उपकरणों की मरम्मत तथा अनुरक्षण करने के लिए चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला की स्थापना करना है जिससे अस्पतालों तथा मरीजों के समक्ष खराब अस्पताल उपकरणों के कारण उत्पन्न होने वाली प्रमुख समस्याओं का समाधान किया जा सके।	रु. 92.00 लाख

पहल एवं उपलब्धियां

क्षमता निर्माण एवं व्यवसाय संवर्धन

- नाइलिट ने पूर्वोत्तर क्षेत्र विभाग (डोनर) द्वारा 12–14 फरवरी, 2016 के दौरान आयोजित 'गन्तव्य पूर्वोत्तर 2016' समारोह में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में क्षमता निर्माण तथा आईईसीटी में कौशल विकास के क्षेत्र में अपने योगदान का प्रदर्शन करने के लिए भाग लिया। इस अवसर पर पूर्वोत्तर भारत के सशक्तीकरण पर नाइलिट के ब्रोशर का विमोचन भी किया गया।

- हनोवर, जर्मनी में, से–बिट 2016: नाइलिट ने 14–18 मार्च, 2016 के दौरान आयोजित इस समारोह में हिस्सा लिया तथा भारत में अपनी शाखा स्थापित करने के इच्छुक जर्मन एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के सहयोग की संभावनाओं का पता लगाया, जिनके लिए नाइलिट विशेष रूप में तैयार कौशल विकास कार्यक्रम का संचालन कर सकता है और जिसे सॉफ्ट स्किल जर्मन भाषा में घटकों के साथ जोड़ा जा सकता है।

- ऑनलाइन स्व–मूल्यांकन प्रणाली: कर्मचारियों को अपने कार्यों/ड्यूटी का स्व–मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से, एक अनूठी पहल को आरम्भ किया गया है जिसके अन्तर्गत कर्मचारी अपना मासिक मूल्यांकन फार्म नाइलिट पोर्टल पर उपलब्ध कराए गए एक वेब अनुप्रयोग के जरिए ऑनलाइन मोड में प्रस्तुत कर सकते हैं। ऑनलाइन प्रावधान का उद्घाटन 18 मार्च, 2016 को किया गया।

- प्रक्रिया पुनः इंजीनियरी के जरिए कार्यपद्धतियों को सरल बनाने के नाइलिट के प्रयासों के अनुसरण में, एक ऑनलाइन विशेषज्ञ पैनल प्रणाली का उद्घाटन 30 मार्च, 2016 को सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय एवं अध्यक्ष, प्रबंध बोर्ड, नाइलिट द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य विशेषज्ञों का पैनल एक पारदर्शी पद्धति से करना है।

- विद्यार्थियों तथा पणधारियों द्वारा सुविधाओं के अधिक एवं सरल प्रयोग के लिए नाइलिट मुख्यालय तथा इसके केन्द्रों की एक सर्वसामान्य वेबसाइट का उद्घाटन 30 मार्च, 2016 को किया गया। यह वेबसाइट द्विभाषी है और प्रत्येक नाइलिट केन्द्र/विस्तार केन्द्र की अलग–अलग माइक्रो साइटें हैं तथा इन माइक्रो साइटों का प्रबंध करने के लिए प्रयोक्ताओं के विभिन्न स्तर हैं।

- स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत, नाइलिट ने इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, नई दिल्ली में सीआईएसएफ के कार्मिकों के लिए एक सामुदायिक सैनिटरी परिसर का निर्माण करने में योगदान दिया है।

- सूदान के उच्चतर शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्रालय के प्रतिभागियों के साथ एक परस्पर–सक्रिय सत्र का आयोजन 12 अप्रैल, 2016 को किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को स्किल इण्डिया, डिजिटल इण्डिया, मेक इन इण्डिया तथा भारत सरकार के अन्य प्रतिष्ठित प्रमुख कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।

- सीआईओ डिजिटल फाउण्डेशन द्वारा 25 अप्रैल, 2016 को आयोजित 'मन की बात – सरकार के साथ' नामक कार्यक्रम में उद्योग के प्रमुख मुख्य सूचना अधिकारियों को नाइलिट की क्षमताओं तथा उपलब्धियों का प्रदर्शन करने के प्रयोजन से इसकी अध्यक्षता की।

- नाइलिट के प्रशासनिक एवं वित्त अधिकारियों को महत्वपूर्ण मुद्दों की जानकारी देने के लिए गुवाहाटी तथा चण्डीगढ़ में क्रमशः 12–13 मई, 2016 तथा 19–20 मई, 2016 को दो कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य नाइलिट मुख्यालय तथा केन्द्रों के बीच प्रक्रियाओं को मानकीकृत करना और इस प्रकार अधिक संगतता की भावना तैयार करना था।

- माननीय केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री जी की अध्यक्षता में 14 मई, 2016 को दूरसंचार क्षेत्र में कौशल निर्माण के लिए आयोजित शीर्षस्थ समिति की दूसरी बैठक में भाग लिया।

- नाइलिट ने सोशल मीडिया के क्षेत्र में अपना कदम रखा है और इस संबंध में आधिकारिक टिवटर हैण्डल /NIELIT India को 24 मई, 2016 से प्रारंभ किया गया है।

- भारत में कोलम्बिया दूतावास के आर्थिक एवं सहयोग परामर्शदाता द्वारा किए कए एक अनुरोध पर, नाइलिट में 19 जुलाई, 2016 को कोलम्बिया के आईसीटी मंत्रालय के साथ एक बैठक का आयोजन वीडियो कान्फरेंसिंग के माध्यम से किया गया।

- एनडीएलएम के अन्तर्गत एक प्राधिकृत परीक्षा एजेंसी के रूप में, नाइलिट ऑनलाइन मोड में विद्यार्थियों की बायोमेट्रिक समर्थित आधार अधिप्रमाणन द्वारा परीक्षाओं का आयोजन कर रहा है। परीक्षाओं मे सफल होने पर,

विद्यार्थियों को डिजिटल रूप में हस्ताक्षरित प्रमाण–पत्र ऑनलाइन मोड में जारी किए जाते है, जिसमें क्यूआर कोड शामिल होते हैं जिससे ऑनलाइन प्रमाण–पत्रों का सत्यापन भी ऑनलाइन मोड में किया जा सके। डिजिटल प्रमाण–पत्र डिजिटल लॉकर से भी जुड़े होते हैं और अब तक 766738 से ज्यादा प्रमाण–पत्र डिजिटल लॉकर पोर्टल पर अपलोड किए गए हैं।

- तीन वर्षों कीं अवधि में नाइलिट गुवाहाटी और सिलचर स्थित इसके विस्तार केन्द्र तथा नाइलिट कोहिमा में चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला की स्थापना की परियोजना का कार्यान्वयन किया गया जिसका उद्देश्य असम तथा नागालैण्ड के विभिन्न अस्पतालों के चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी उपकरणों की मरम्मत तथा अनुरक्षण के लिए सिलचर विस्तार केन्द्र में चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला स्थापित करना था।

- नाइलिट इम्फाल तथा गुवाहाटी द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की वित्तीय सहायता से 24 महीने की अवधि में कार्यान्वित एक स्पैम–निरोधी समन्वय केन्द्र की स्थापना परियोजना जिसका उद्देश्य एक स्पैम–निरोधी सुविधा की स्थापना करना तथा स्पैम मेल के बारे में सूचना के संग्रहण, विश्लेषण तथा विनिमय के लिए एक फ्रेमवर्क का विकास करना है।

- पीएनडीटी के अनुपालन सहित स्वदेशी रंगीन डॉप्लर अल्ट्रासाउण्ड स्कैनर परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कोहिमा द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की वित्तीय सहायता से तीन वर्षों कीं अवधि में किया गया जिसका उद्देश्य पीएनडीटी के अनुपालन सहित स्वदेशी रंगीन डॉप्लर अल्ट्रासाउण्ड स्कैनर के प्रोटोटाइप का डिजाइन एवं विकास करना है।

- पूर्वोत्तर के मणिपुर तथा सिक्किम राज्यों में समुचित प्रशिक्षण तथा अभियान तंत्र के माध्यम से विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा सरकारी कर्मचारियों में साइबर सुरक्षा के बारे में जन जागरूकता का सृजन करने की परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट इम्फाल तथा गंगटोक द्वारा 18 महीने की अवधि के लिए किया गया जिसका उद्देश्य साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता संबंधी अन्तर को दूर करना है।

- कानून प्रवर्तन एजेंसियों के उन्नत प्रशिक्षण के लिए साइबर फोरेन्सिक प्रयोगशाला में अभिवृद्धि जिससे वे उदीयमान साइबर अपराधों का मुकाबला कर सकें तथा पूर्वोत्तर राज्यों में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में युवाओं के लिए क्षमता निर्माण परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कोहिमा द्वारा 24 महीने की अवधि के लिए किया गया जिसका उद्देश्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को नए उभरते साइबर खतरों और उनकी समुचित पड़ताल में उन्नत फोरेन्सिक प्रशिक्षण प्रदान करना है जिससे पूर्वोत्तर राज्यों में बढ़ते साइबर अपराधों को कम किया जा सके।

- पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की अधिकारिता के लिए आईसीटी में क्षमता निर्माण परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कोलकाता द्वारा दो वर्षों कीं अवधि में किया गया जिसका उद्देश्य जिला कल्याण विभाग, कूच बिहार, पश्चिम बंगाल में स्मार्ट मोड आईटी आधारित स्रोत केन्द्र की स्थापना करना तथा नाइलिट इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली विनिर्माण ईएसएम1 पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्रदान करके अनुसूचित जाति समुदाय से 300 आईटी कुशल स्रोत सदस्यों का विकास करना है।

- केरल के अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों के लिए कम कीमत वाली अभिगम युक्तियों पर आधारित जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी कुशलता तथा ई–समावेशन परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कालीकट द्वारा अमृता विश्व पीठम, कोल्लम के साथ मिलकर संयुक्त रूप में तीन वर्षों की अवधि के लिए किया गया जिसका उद्देश्य नाइलिट द्वारा अनुसूचित जनजाति जनसंख्या के योग्य विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण तथा प्रमाण–पत्र प्रदान करना है जिससे सरकारी तथा निजी क्षेत्र में उनकी रोजगार योग्यता में वृद्धि हो सके।

- पूर्वोत्तर राज्य के अनुसूचित जनजाति युवाओं तथा राज्य सरकार के कर्मचारियों की ई–तैयारी के सृजन के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट द्वारा दो वर्षों कीं अवधि में किया गया जिसका उद्देश्य सूचना प्रौद्योगिकी संस्कृति का प्रसार करना तथा मूलभूत स्तर पर कम्प्यूटर के प्रयोग में डिजिटल विभाजन को पूरा करना है जिससे इलेक्ट्रॉनिक सेवा कार्यक्रमों को चलाया जा सके और अनुसूचित जनजाति के युवाओं तथा राज्य सरकार के कर्मचारियों में विभिन्न ई–शासन सेवाओं के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए ई–शासन पर अल्पावधि प्रशिक्षण/कार्यशाला का आयोजन करना है।

- ई–शासन अनुप्रयोगों के लिए क्षमता निर्माण में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट इम्फाल द्वारा तीन वर्षों की अवधि में किया गया जिसका उद्देश्य मणिपुर के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को मणिपुर के 5 स्थानों पर सूचना प्रौद्योगिकी तथा ई–शासन अनुप्रयोगों में प्रशिक्षित करना है।

- इलेक्ट्रॉनिकी उत्पाद डिजाइन तथा उत्पादन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्षमता निर्माण परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट औरंगाबाद तथा चेन्नै द्वारा विभिन्न स्तरों पर मानव संसाधन का विकास करने के उद्देश्य से पाँच वर्षों की अवधि के लिए किया गया।

सहमति ज्ञापन / समझौते

- नाइलिट तथा एनआईटी, सिलचर ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के युवाओं के लिए कौशल विकास को बढ़ावा देने और रोजगार के मार्ग का सृजन करने की दिशा में कदम उठाया है। इस संबंध में, नाइलिट तथा एनआईटी, सिलचर के बीच 21 मार्च, 2016 को एक सहमति–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- नाइलिट के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसरों की खोज सहित प्लेसमेंट सुविधाओं में सहायता करने के लिए नाइलिट और मॉनस्टर डॉट कॉम के बीच 25 अप्रैल, 2016 को एक गैर–वित्तीय एवं गैर–अनन्य सहमति–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- डिजिटल भारत के अन्तर्गत ई–अपशिष्ट में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से सरकारी अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण परियोजना के संबंध में मास्टर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण की सामग्री के विकास के लिए एमएआईटी के साथ 27 जून, 2016 को एक समझौता किया गया।
- नाइलिट तथा अमेजन ने एडब्ल्यूएस एजुकेट कार्यक्रम पर 29 जून, 2016 को एक सहमति–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अनूठे उपक्रम में नाइलिट के 25,000 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जाएगा तथा एडब्ल्यूएस कार्यक्रम की 50 से ज्यादा सेवाओं में मुक्त अभिगम प्रदान किया जाएगा।
- सिलचर विस्तार केन्द्र को एनआईटी सिलचर के परिसर में स्थानान्तरित करने के प्रयोजन से एनआईटी सिलचर परिसर में अस्थायी निर्मित स्थान किराए पर लेने के लिए एनआईटी सिलचर के साथ सहमति–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

नए केन्द्र / भवन

- डॉ. बी.आर. आम्बेडकर भवन, रूपनगर स्थित नाइलिट के रूपनगर सिटी केन्द्र, पंजाब ने कार्य करना आरम्भ कर दिया है।
- नाइलिट इम्फाल परिसर में नए शैक्षिक ब्लॉक की आधारशिला स्थापित कर दी गई है।
- मेघालय राज्य सरकार ने तुरा विस्तार केन्द्र के लिए 0.53 एकड़ भूमि का आबंटन कर दिया है।
- 'आईईसीटी के क्षेत्र में प्रशिक्षण की क्षमता में अभिवृद्धि करके पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास' परियोजना के अन्तर्गत 11 स्थानों पर (अर्थात इम्फाल, चुड़ाचाँदपुर, सेनापति, जोरहाट, कोकराझार, तेज़पुर, डिब्रुगढ़, आइजॉल, लुंगलेई, पासीघाट, चुचुयिमलांग) निर्माण का कार्य आरम्भ किया गया है।
- नाइलिट कालीकट में एक नई छात्रावास सुविधा का उद्घाटन 27 अप्रैल, 2016 को निदेशक, एनआईटी, कालीकट की उपस्थिति में किया गया।

ईएसडीएम में कौशल विकास

- ईएसडीएम में कौशल विकास पर एक कार्यशाला का आयोजन 8 जून, 2016 को प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के साथ मिलकर संयुक्त रूप में किया गया।
- एनआईसी क्लाउड (url:esdm-skill.deity.gov.in) पर होस्ट किए गए ईएसडीएम पोर्टल को क्रियाशील बना दिया गया।
- समन्वय समिति की बैठक तथा विशेषज्ञ समिति की बैठकों का संचालन।
- नाइलिट टीपी के लिए ईएसडीएम प्रत्यायन एवं परीक्षा दिशा–निर्देश तैयार करना।
- पूरे देश में नाइलिट तथा टीएसएससी केन्द्रों में ईएसडीएम प्रशिक्षण चलाने के लिए 5 जून, 2016 को दूरसंचार क्षेत्र कुशलता परिषद के साथ सहमति–ज्ञापन।
- अनुमोदित ईएसडीएम पाठ्यक्रमों में 29 नाइलिट पाठ्यक्रम जोड़े गए।
- ईएसडीएम परियोजना के संचालन के लिए, बिहार, चण्डीगढ़, दादरा एवं नगर हवेली, दमन एवं दीव, दिल्ली, गोवा, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश झारखण्ड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पुडुचेरी, राजस्थान, त्रिपुरा, उत्तराखण्ड के साथ सहमति–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए और गोवा, त्रिपुरा, महाराष्ट्र तथा ओढीशा में कार्यशाला की योजना बनाई गई है।
- ईएसडीएम पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकृत विद्यार्थियों की कुल संख्या 57724 है जिनमें से 44097 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

एनपीआर को छोड़कर आय बनाम व्यय

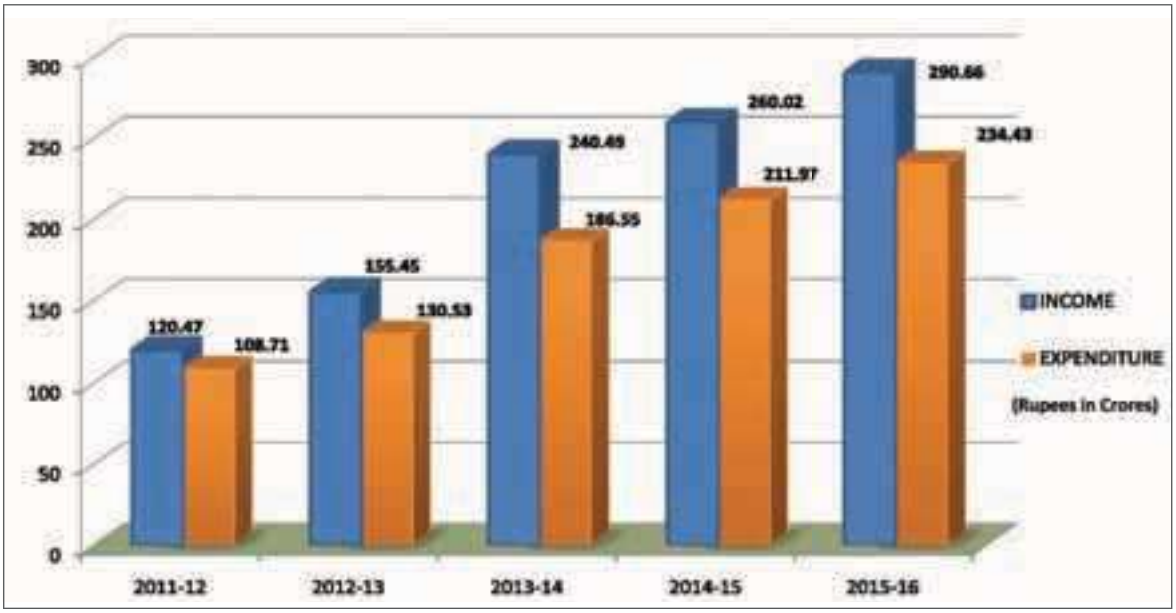

एनपीआर सहित आय बनाम व्यय

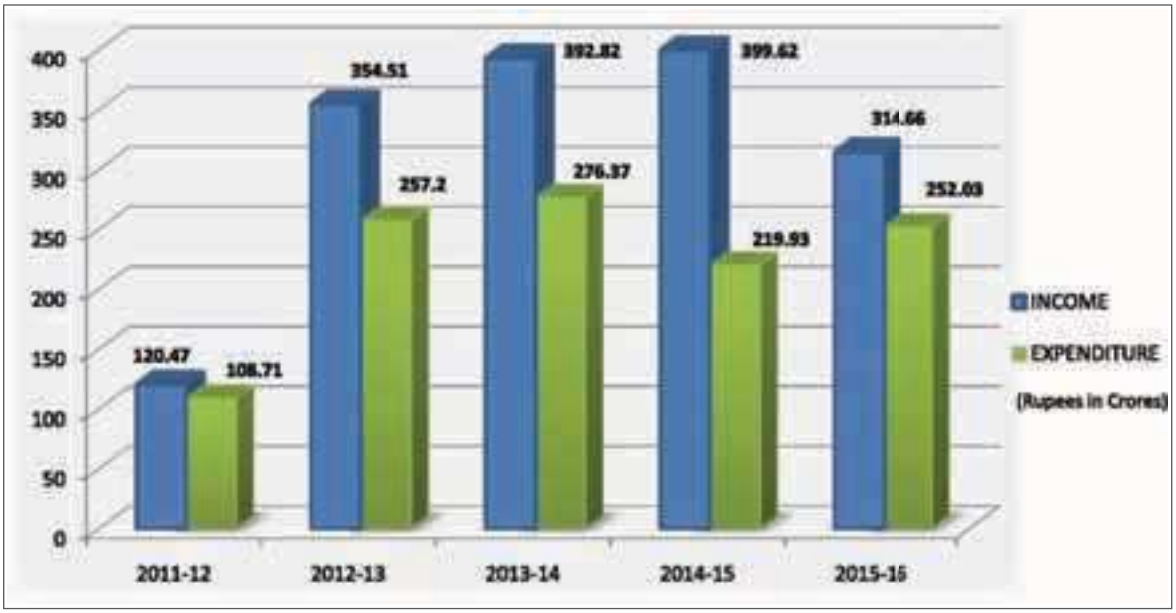

एनपीआर को छोड़कर अतिशेष

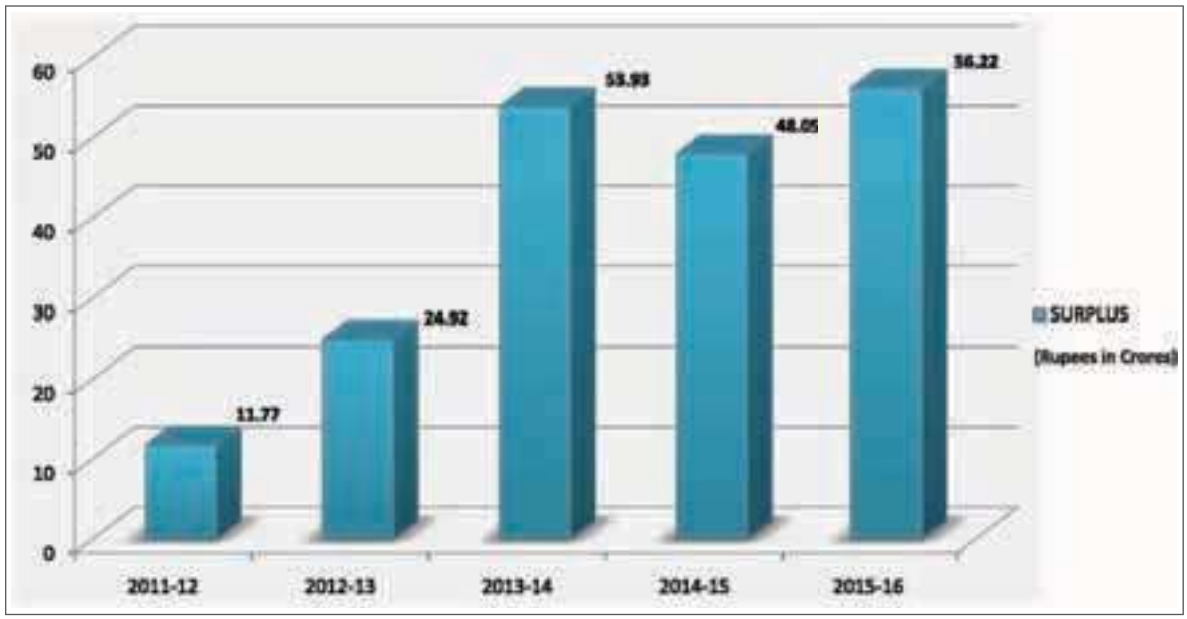

एनपीआर सहित अतिशेष

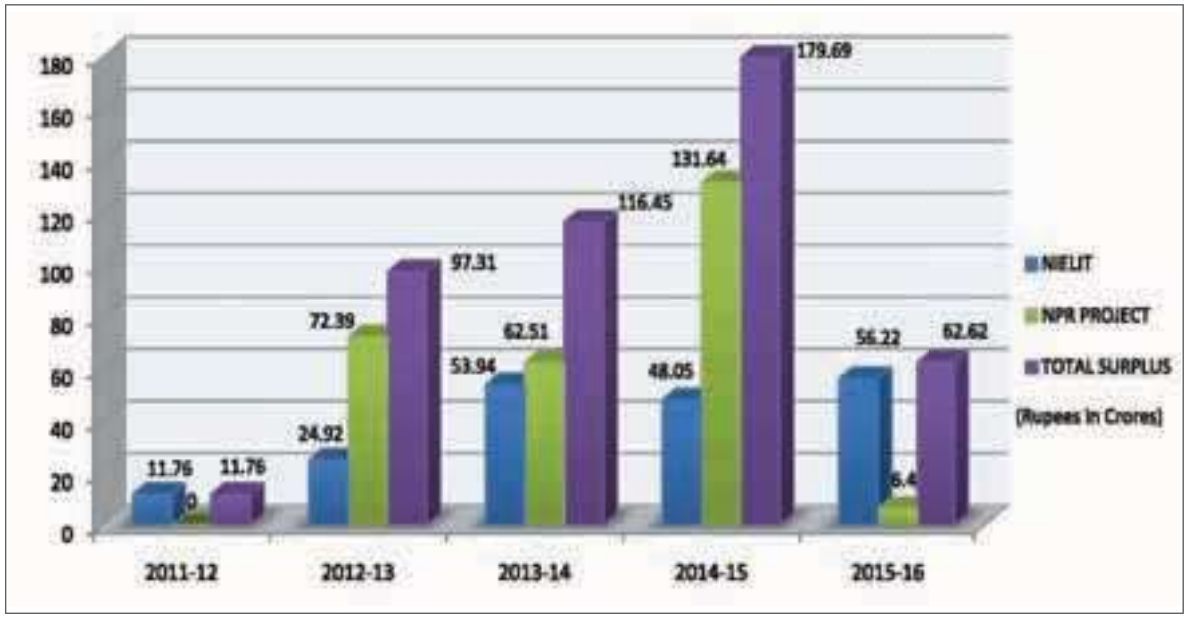

नाइलिट का कार्यकलाप वार राजस्व सृजन
वर्ष 2015–16 के लिए (एनपीआर को छोड़कर)

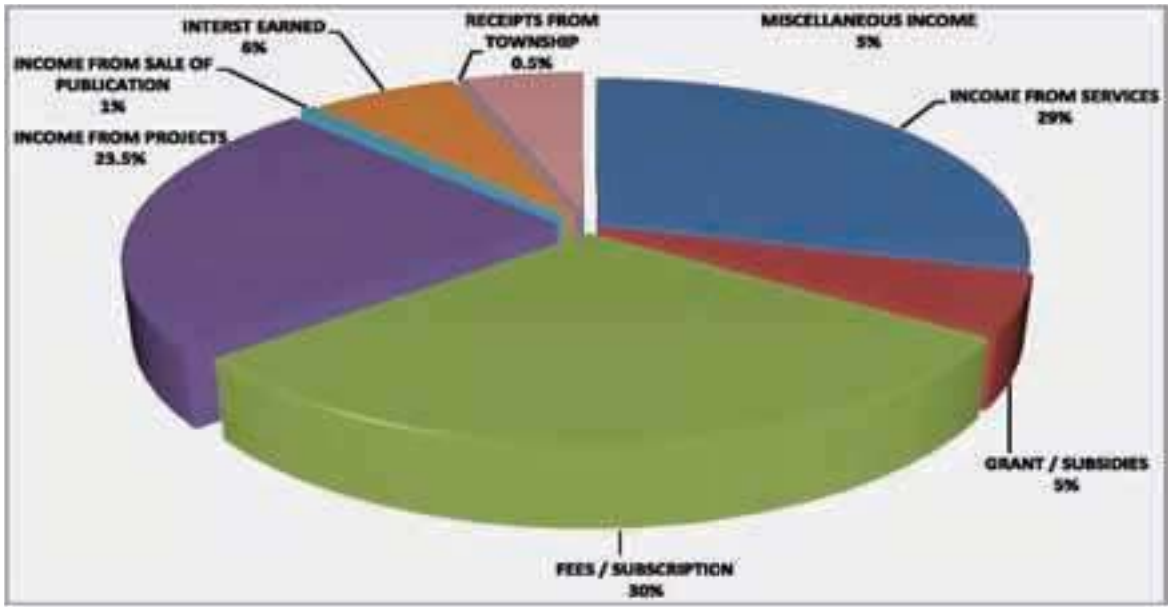

नाइलिट के व्यय के अंश के विवरण
वर्ष 2015–16 के लिए (एनपीआर को छोड़कर)

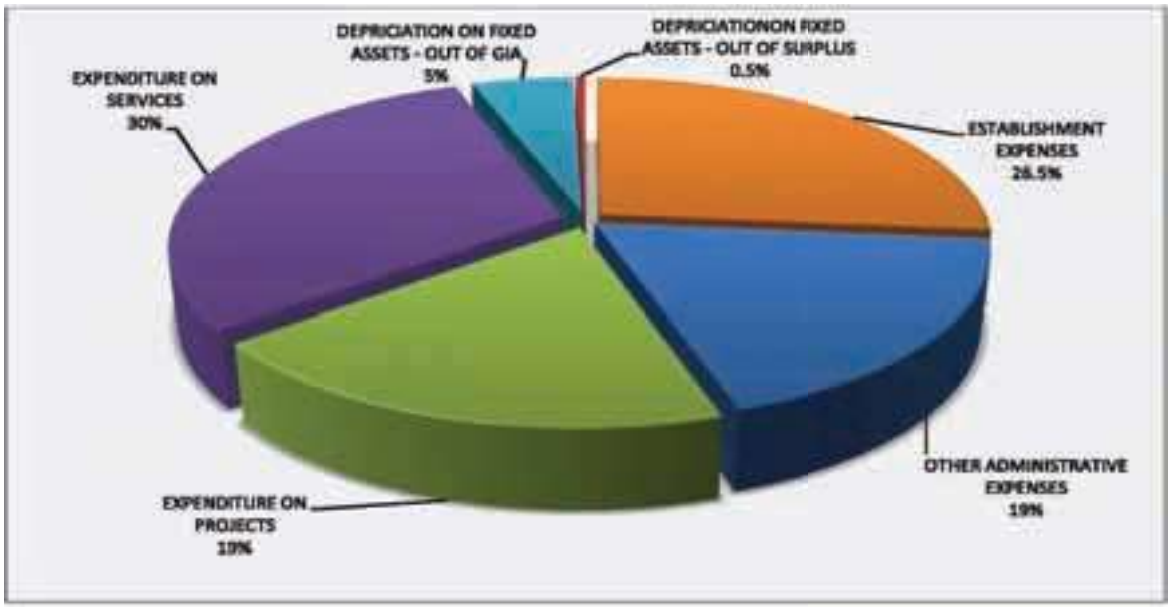

नाइलिट के केन्द्र

विवरण भीतर है:

अगरतला

वर्ष 2009 में स्थापित, नाइलिट अगरतला त्रिपुरा के युवाओं को पूर्णतः सुसज्जित अद्यतन तकनीकी जानकारी की प्रशिक्षण मूलसंरचना तथा अर्हता प्राप्त एवं प्रशिक्षित शिक्षक वर्ग के सदस्यों के माध्यम से कम्प्यूटर विज्ञान तथा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शिक्षण तथा प्रशिक्षण आसानी से प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराता है, जिसके परिणामस्वरूप उत्तम क्वालिटी की तथा रोजगार योग्य जनशक्ति तैयार होती है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ सूचना तथा साइबर सुरक्षा
- ☑ चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी
- ☑ क्लाउड कम्प्यूटिंग एवं ऐप विकास

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ **अल्पावधि पाठ्यक्रम :**

- नाइलिट बीसीसी, एसक्यूएल/जावा में ओरेकल प्रमाणित पाठ्यक्रम
- नाइलिट सीसीसी
- कार्यालय स्वचालन, सॉफ्ट स्किल एवं संव्यवहार अंग्रेजी, टैली का प्रयोग करके वित्तीय लेखांकन, डेस्कटॉप प्रकाशन, सूचना सुरक्षा एवं साइबर कानून, कोर जावा, ओरेकल, एसक्यूएल तथा पीएल/एसक्यूएल, पीसी हार्डवेयर एवं नेटवर्किंग, पीएचपी का प्रयोग करके उन्नत वेब विकास, मोबाइल मरम्मत तथा अनुरक्षण, ईएसडीएम के अन्तर्गत पीसी संयोजन एवं अनुरक्षण में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम
- कम्प्यूटर अनुप्रयोग तथा नेटवर्क प्रशासन में डिप्लोमा
- चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी उपकरणों की मरम्मत तथा अनुरक्षण में डिप्लोमा

☑ **दीर्घावधि पाठ्यक्रमः**

- कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (बीसीए)
- नाइलिट 'ओ' स्तर
- नाइलिट 'ए' स्तर
- सीएचएम 'ओ' स्तर
- सीएचएम 'ए' स्तर
- मैट 'ओ' स्तर

कार्यकारी समिति की बैठक (कें) :
7वीं ईसी बैठक, 18 सितम्बर, 2015

कार्मिकः
नियमितः 16
परियोजना आधारितः 37

कारोबारः
रु. 281.79 लाख

प्रभारी निदेशक
श्री अनुराग माथुर

पताः
नाइलिट अगरतला केन्द्र
आर.के. नगर (नीपको के सामने)
खयेरपुर, थाना बोधजंगनगर
अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा–799008
त्रिपुरा

सम्पर्क के ब्यौरेः
फोन : 0381–2391010
ई–मेलः dir-agartala@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्यः
त्रिपुरा

विस्तार केन्द्र
सेनापति, चुड़ाचाँदपुर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- त्रिपुरा सरकार के मंत्रियों के लिए बीसीसी प्रशिक्षण।
- सरकारी कर्मचारियों के लिए बीसीसी प्रशिक्षण।
- छह शासकीय डिग्री महाविद्यालयों में स्तर–I तथा स्तर–II कम्प्यूटर प्रशिक्षण।
- त्रिपुरा में विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा सरकारी कर्मचारियों में जन साइबर सुरक्षा जागरूकता का सृजन।
- केन्द्र को त्रिपुरा राज्य स्तरीय विज्ञान मेले में वर्ष 2009 तथा 2010 में लगातार प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है। केन्द्र को कोहिमा, नागालैण्ड में पूर्वोत्तर पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है।
- महिला उम्मीदवारों का निःशुल्क बीपीओ प्रशिक्षण।
- समाज कल्याण एवं समाज शिक्षा विभाग के दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए प्रशिक्षण।
- दूरस्थ एवं ग्रामीण स्थानों पर जेएआईसीए द्वारा प्रायोजित अभ्यार्थियों का प्रशिक्षण।
- दूरस्थ एवं ग्रामीण स्थानों पर वंचित अल्पसंख्यक विद्यार्थियों के लिए साइबर ग्राम परीक्षाएँ।
- केन्द्र ने विप्रो तथा टीसीएस के सहयोग से परिसर में भर्ती अभियान का भी आयोजन किया है।

आइजॉल

वर्ष 2004 में स्थापित नाइलिट आइजॉल केन्द्र मिज़ोरम के औद्योगिक क्षेत्र, जुआंगतुई में स्थित है। इसका परिसर एक एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है और चूँकि यह केन्द्र शहर के शोरगुल से काफी दूर स्थित है, अतः यह लाभदायक शैक्षिक कार्यकलापों के लिए एक अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराता है। मिज़ोरम के लुंगलेई जिले के पुकपुई, लुंगलेई में विस्तार केन्द्र की स्थापना भी वर्ष 2013 में की गई।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ साइबर सुरक्षा
- ☑ चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी
- ☑ मोबाइल फोन मरम्मत तथा अनुरक्षण

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ **अल्पावधि पाठ्यक्रमः**

- कम्प्यूटर अवधारणा पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- जावा C I C++ I C# प्रोग्रामिंग
- डॉट नेट प्रौद्योगिकी में प्रोग्रामिंग
- टैली
- ई–शासन
- इंटरनेट एवं वेब डिजाइन
- उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिकी, चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी की मरम्मत तथा अनुरक्षण, फोन मरम्मत
- साइबर सुरक्षा
- मल्टीमीडिया तथा एनिमेशन

☑ **दीर्घावधि पाठ्यक्रम :**

- कम्प्यूटर अनुप्रयोग में निष्णात (एमसीए)
- कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (बीसीए)
- कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी में डिप्लोमा (डीसीएसई)
- इलेक्ट्रॉनिकी एवं दूरसंचार इंजीनियरी में डिप्लोमा (डीईटीई)
- सूचना प्रौद्योगिकी में 'ए' स्तर
- सूचना प्रौद्योगिकी में 'ओ' स्तर
- मैट 'ओ' स्तर

कार्यकारी समिति की बैठक(कें):
शून्य

कार्मिक:
नियमितः 19
परियोजना आधारितः 25

कारोबार:
रु. 692.00 लाख

प्रभारी निदेशक:
श्री एन. देबचन्द्र सिंह

पता:
नाइलिट आइजॉल
औद्योगिक क्षेत्र
जुआंगतुई.
आइजॉल–796017
मिज़ोरम

सम्पर्क के ब्यौरः
फोनः 0389–2350581
ई–मेलः dir-aizawl@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य:
मिज़ोरम

विस्तार केन्द्र
लुंगलेई

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- केन्द्र ने सूचना प्रौद्योगिकी शिक्षण तथा जागरूकता के विस्तार का प्रचार–प्रसार करने का प्रयास आरम्भ किया है तथा राज्य के प्रसिद्ध शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययन केन्द्र खोले हैं और ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों के साथ कम्प्यूटर साक्षरता कार्यक्रम अर्थात सीसीसी पाठ्यक्रम संचालन के लिए गठजोड़ भी किया है।

- समाज में महिलाओं के उत्थान के उद्देश्य से मिज़ोरम राज्य में केवल महिलाओं के लिए कम्प्यूटर साक्षरता पाठ्यक्रम संचालन के प्रयोजन से मिज़ो ह्मेइछे इंसुइहख्वाम पॉल (मिज़ोरम राज्य में महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए एक गैर सरकारी संगठन) जनरल मुख्यालय में एक अध्ययन केन्द्र खोला गया है।

- भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने मिज़ोरम राज्य में कम्प्यूटर प्रचालकों के लिए राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट), आइजॉल केन्द्र में दो (2) दिवसीय एक कार्यशाला एवं ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन किया। कार्यशाला का आयोजन 11–12 मई, 2015 को किया गया।

- राज्य के विभिन्न भागों में नाइलिट सीसीसी पाठ्यक्रम को लोकप्रिय बनाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी साक्षरता कार्यक्रम पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। कार्यशालाओं का आयोजन 28/9/2015 तथा 29/9/2015 को शासकीय हृांगबाना महाविद्यालय तथा एमएचआईपी आइजॉल में किया गया।

- ई–प्रकोष्ठ, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के साथ मिलकर नेटवर्क बुल्स तथा रेडमैप ई–लर्निंग सल्यूशन के सहयोग से 22 मार्च, 2016 तथा 23 मार्च, 2016 को 'नेटवर्क कार्यान्वयन – राष्ट्रीय नेटवर्क सुरक्षा चैम्पियनशिप (एनएनएससी)–2016' पर दो–दिवसीय एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में नाइलिट आइजॉल के एमसीए, बीसीए, डीईटीई तथा डीसीएसई के अन्तिम वर्ष के 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला के दूसरे दिन एक क्षेत्रीय कार्यशाला प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर में प्रतियोगिता के अन्तिम चरण में भाग लेने के लिए 19 विद्यार्थियों को चुना गया।

- साइनॉड अस्पताल के विद्यार्थियों तथा कर्मचारियों के लिए नाइलिट जन कम्प्यूटर साक्षरता पाठ्यक्रम, 'सीसीसी' एवं प्रमाण–पत्र वितरण पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 15 फरवरी, 2016 को नर्सिंग स्कूल साइनॉड अस्पताल प्रेक्षागृह में किया गया।

- आइजॉल तथा इसके आसपास स्थित चार (4) विभिन्न नए प्रशिक्षण संस्थानों में सीसीसी प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ किए गए।

- नाइलिट आइजॉल ने टीसीएस के सहयोग से संघ लोक सेवा आयोग, आईबीपीएस, सीएमसी वेलोर, जेईई आदि के लिए विभिन्न ऑनलाइन परीक्षाओं का आयोजन किया गया।

अजमेर

अजमेर केन्द्र ने अपने प्रशिक्षण कार्यकलाप सितम्बर, 2012 से केकड़ी में एक अस्थायी स्थान से आरम्भ किए। नाइलिट, अजमेर की स्थापना राजस्थान सरकार द्वारा उप सचिव (राजस्व) के दिनांक 12.07.2010 के पत्र सं. P6(156) राज. 3/10 तथा दिनांक 13.09.10 के संशोधन के जरिए ग्राम कोहड़ा, तहसील केकड़ी, जिला अजमेर में निःशुल्क रूप में आबंटित 42.54 एकड़ भूमि पर की गई है। नाइलिट अजमेर के परिसर का भवन पूरा हो गया है और इसका कार्यालय दिसम्बर, 2015 से नए परिसर से कार्य करना शुरू कर दिया है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ इलेक्ट्रॉनिकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी में अनौपचारिक दीर्घावधि एवं अल्पावधि पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण।
- ☑ सीसीसी/बीसीसी/वीएलई/आईआरडीए परीक्षा का समन्वय।
- ☑ डीजीईएण्डटी योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति/ जनजाति के रोजगार अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण।
- ☑ ईएसडीएम, एनडीएलएम योजनाओं के अन्तर्गत प्रशिक्षण।

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ **अल्पावधि पाठ्यक्रमः**

- मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम (बीसीसी)
- कम्प्यूटर अवधारणाओं पर सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम
- पीसी हार्डवेयर एवं नेटवर्किंग
- अन्तर्निर्मित प्रणाली डिजाइन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम
- जावा
- C/C++ के माध्यम से प्रोग्रामिंग
- एसक्यूएल सर्वर में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

☑ **दीर्घावधि पाठ्यक्रमः**

- नाइलिट 'ओ' स्तर
- नाइलिट 'ए' स्तर
- नाइलिट सीएचएम 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम
- नाइलिट मैट 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम

कार्यकारी समिति की बैठक(कें):
शून्य

कार्मिक:
नियमितः 07
परियोजना आधारितः 18

कारोबार:
रु. 272.56 लाख

प्रभारी निदेशक:
श्री तेजेन्द्र सिंह बावा

पता:
नाइलिट अजमेर
गाँव कोहड़ा, कोटा रोड
केकड़ी (अजमेर)–305404
राजस्थान

सम्पर्क के ब्यौरे:
फोनः 9464088018
ई–मेलः dir-ajmer@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य:
राजस्थान, गुजरात

विस्तार केन्द्र :
शून्य

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- प्रशिक्षण प्रदान करने के प्रयोजन से ईएसडीएम (इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली डिजाइन एवं अनुरक्षण) के लिए 21 प्रशिक्षण भागीदारों को प्रत्यायित किया गया।

- एनडीएलएम योजना के अन्तर्गत 33 प्रत्यायित केन्द्रों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा 1500 से ज्यादा विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

- राजस्थान तथा गुजरात के लिए एनसीएस पोर्टल के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन अहमदाबाद तथा जयपुर में किया गया और कुल 109 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

- नाइलिट ओ स्तर सॉफ्टवेयर पाठ्यक्रम में 143 विद्यार्थियों का प्रशिक्षण।

- राजस्थान सरकार की विभिन्न भर्तियों के लिए नाइलिट सीसीसी, 'ओ' स्तर तथा उच्चतर कार्यक्रमों की मान्यता का मुद्दा राजस्थान सरकार के समक्ष उठाया गया था। इस अधिसूचना के कारण, सीसीसी पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है।

- एमडीएस विश्वविद्यालय के इंजीनियरी विद्यार्थियों के लिए जावा के दो बैच आयोजित किए गए।

- सीसीसी / बीसीसी / वीएलई / डब्ल्यूडीएलपी / आईआरडीए के 27865 विद्यार्थियों तथा सीएचएम 'ओ' स्तर के 290 विद्यार्थियों के लिए परीक्षाओं का समन्वय किया गया।

- डीजीईएण्डटी द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं के अन्तर्गत अनुसूचित जाति / जनजाति के रोजगार अभ्यर्थियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया तथा नाइलिट 'ओ' स्तर में 200 विद्यार्थियों तथा नाइलिट सीएचएम 'ओ' स्तर में 90 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

औरंगाबाद

इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा मराठवाड़ा औद्योगिक निगम, महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर डॉ. बीएएम विश्वविद्यालय परिसर में सीईडीटी के नाम से यह केन्द्र 19 सितम्बर, 1986 को स्थापित किया गया था। भारत सरकार ने 20 सितम्बर, 1994 को सीईडीटी का विलय 'सीईडीटीआई' के नाम से करने का निर्णय लिया। वर्ष 2002 में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने सीईडीटीआई केन्द्रों (मोहाली केन्द्र को छोड़कर) और आरसीसी चण्डीगढ़ तथा कोलकाता का विलय डीओईएसीसी सोसायटी के साथ करने का निर्णय किया जिससे मानव संसाधन विकास के कार्यकलाप नियमित रूप से किया जा सके और केन्द्र का नाम बदलकर 'डीओईएसीसी केन्द्र, औरंगाबाद' हुआ। केन्द्र का नाम पुनः बदलकर 10 अक्तूबर, 2011 से 'नाइलिट, औरंगाबाद' रखा गया।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन तथा उत्पादन प्रौद्योगिकी
- ☑ वीएलएसआई, अन्तर्निर्मित प्रणाली
- ☑ सूचना सुरक्षा
- ☑ औद्योगिक डिजाइन, हार्डवेयर अनुरक्षण, मल्टीमीडिया एवं एनिमेशन पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ अल्पावधि पाठ्यक्रमः

- ईएसडीएम योजना के पाठ्यक्रम • सीसीएनए पाठ्यक्रम
- इंटरनेट सुरक्षा तथा डीबीएम • पीसीबी डिजाइन एवं संरचना
- इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण सेवाएँ • इलेक्ट्रॉनिकी एवं यंत्रीकरण
- इंटेल एचपीसी कोड आधुनिकीकरण • ऊर्जा भण्डारण एवं अल्ट्रा कैपेसिटर • मिश्रित सिग्नल आईसी डिजाइन • सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा में मूलभूत प्रशिक्षण • आईटी सुरक्षा अवधारणाएँ पीसीबी डिजाइन एवं संरचना • मल्टीमीडिया एवं एनिमेशन

☑ दीर्घावधि पाठ्यक्रमः

- इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी में डॉक्टोरल (पीएचडी) कार्यक्रम
- एम.टेक – इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी
- बी.टेक – इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली इंजीनियरी • इलेक्ट्रॉनिकी उत्पादन एवं अनुरक्षण में डिप्लोमा
- नाइलिट 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम • नाइलिट सीएचएम 'ओ' तथा 'ए' स्तर पाठ्यक्रम

कार्यकारी समिति की बैठक(कें):
19वीं ईसी बैठक, 14 दिसम्बर 2015
20वीं ईसी बैठक, 14 मार्च 2015

कार्मिकः
नियमितः 34
परियोजना आधारितः 04

कारोबारः
रु. 1017.49 लाख

प्रभारी निदेशकः
श्री जॉन जी

पताः
नाइलिट, औरंगाबाद
सीईडीटीआई परिसर
डॉ. बीएएम विश्वविद्यालय परिसर
औरंगाबाद–431004
महाराष्ट्र

सम्पर्क के ब्यौरेः
फोनः 0240–2982021, 2982022
ई–मेलः dir-aurangabad@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्यः
महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, दादरा एवं नगर हवेली, दमन तथा दीव

विस्तार केन्द्रः
शून्य

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- 'वारली चित्रकला' के नाम से विश्व प्रसिद्ध चित्रकला के लिए पहचाने जाने वाले चित्रकारों के लिए 'डिजिटल विपणन' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 14 सितम्बर 2015 से 18 सितम्बर 2015 तक 5 दिनों के लिए किया गया।
- संस्थान में विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों में 82411 शिक्षार्थियों ने अध्ययन किया जिनमें 88 पीएचडी शोध विद्यार्थी, 54 एम.टेक विद्यार्थी, 156 बी.टेक विद्यार्थी, 3085 डिप्लोमा विद्यार्थी तथा सर्टिफिकेट कार्यक्रम के 79028 विद्यार्थी शामिल थे।
- पीएचडी में पंजीकरण के लिए उत्तम प्रतिक्रिया प्राप्त हुई, 86 पीएचडी शोध विद्यार्थी नाइलिट औरंगाबाद शोध केन्द्र की भूमिका में हैं और 2 विद्यार्थियों ने अपना अन्तिम सार–संग्रह सेमीनार प्रस्तुत किया।
- 54 विद्यार्थी 'एम.टेक – इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी' में अध्ययन कर रहे हैं और कार्यक्रम के आरम्भ के समय से 265 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई है।
- 'बी–टेक – इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली इंजीनियरी' के विद्यार्थियों का दाखिला सीएसएबी के माध्यम से किया जाता है और 156 विद्यार्थी नामिका में हैं।
- डीईपीएम 'इलेक्ट्रॉनिकी उत्पादन एवं अनुरक्षण में डिप्लोमा' के पहले बैच ने अगस्त 2015 में अपने उत्तीर्ण होने के 25वें वर्ष पर समारोह का आयोजन किया तथा इस कार्यक्रम के आरम्भ होने के समय से 925 विद्यार्थियों को डिप्लोमा प्रदान किया गया है।
- प्रथम श्रेणी में डीईपीएम धारकों के लिए महाराष्ट्र राज्य से लगभग 100 प्रतिशत प्लेसमेंट, केवल उन्हें छोड़कर जो इंजीनियरी पाठ्यक्रम के दूसरे वर्ष में परिणाम परक दाखिले के माध्यम से बी. टेक कार्यक्रम का चयन करते हैं।
- डीजीईएण्डटी, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार ने अनुसूचित जाति/जनजाति के 1000 विद्यार्थियों के लिए सीएचएम 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम आयोजित करने का कार्य पाँचवीं बार नाइलिट को सौंपा है।
- केन्द्र में मॉडल आजीविका केन्द्र (एमसीसी) की स्थापना की जा रही है। एमसीसी के माध्यम से, 80 विद्यार्थियों के एक बैच ने 20 से ज्यादा संगठनों/कम्पनियों में इंटर्न के रूप में कार्य किया। एम. टेक के 6 विद्यार्थियों को बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में रोजगार मिला।
- डीईपीएम विद्यार्थी परियोजना प्रदर्शनी का आयोजन 12.05.2016 को किया गया। डीईपीएम विद्यार्थियों के 18 समूहों ने अपनी परियोजनाओं का सीधा प्रदर्शन किया।

औरंगाबाद

कालीकट

वर्ष 1989 में स्थापित यह केन्द्र (आईएसओ 9001:2008 प्रमाणित) विभिन्न औपचारिक तथा अनौपचारिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से अद्यतन तकनीकी जानकारी के क्षेत्रों में उद्योग उन्मुखी शिक्षण तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने, सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में क्षमता निर्माण से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं का कार्यान्वयन करने तथा उत्पाद विकास एवं औद्योगिक परिमर्श सेवाओं से संबंधित कार्यों से जुड़ा हुआ है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ अन्तर्निर्मित प्रणालियाँ, वीएलएसआई डिजाइन तथा ईएसडीएम
- ☑ प्रक्रिया नियंत्रण एवं औद्योगिक स्वचालन
- ☑ आईओटी विकास एवं स्मार्ट अनुप्रयोग
- ☑ क्लाउड कम्प्यूटिंग एवं सूचना सुरक्षा
- ☑ बृहद डेटा विश्लेषण
- ☑ ई–सूचना सामग्री सृजन एवं ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रबंध

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ **अल्पावधि पाठ्यक्रमः**

• अन्तर्निर्मित प्रणाली डिजाइन • वीएलएसआई एवं अन्तर्निर्मित हार्डवेयर • इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली डिजाइन एवं विनिर्माण • इंटरनेट ऑफ थिंग्स • औद्योगिक स्वचालन • प्रणाली डिजाइन • सूचना सुरक्षा एवं क्लाउड कम्प्यूटिंग • पीएलसी/स्काडा/डीसीएस इंजीनियर • एन्ड्रॉएड अनुप्रयोग विकास

☑ **दीर्घावधि पाठ्यक्रम :**

• इलेक्ट्रॉनिकी में पीएचडी • अन्तर्निर्मित प्रणालियों में एम. टेक • कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में निष्णात (एमसीए) • नाइलिट सीएचएम 'ओ' स्तर • नाइलिट 'ओ' स्तर

कार्यकारी समिति की बैठक (कें):
21वीं ईसी बैठक, 21 जुलाई 2015
22वीं ईसी बैठक, 18 मार्च 2016

कार्मिक:
नियमितः 34
परियोजना आधारितः 15

कारोबार:
रु. 880.89 लाख

कार्यकारी निदेशक:
डॉ. एम.पी. पिल्लै

पता:
नाइलिट कालीकट
एनआईटी परिसर डाकघर
कालीकट–673601
केरल

सम्पर्क के ब्यौरे:
फोनः 0495–2287123
फैक्सः 0495–2287168
ई–मेलः dir-calicut@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य:
केरल, कर्णाटक तथा लक्षद्वीप

विस्तार केन्द्र:
शून्य

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- प्रतिष्ठित जर्नलों तथा सम्मेलनों में 04 शोध–पत्र प्रकाशित किए गए।
- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित 243.56 लाख रु. की सहायता से 'पीएनडीटी के अनुपालन सहित स्वदेशी रंगीन डॉप्लर अल्ट्रासाउण्ड स्कैनर' नामक अनुसंधान एवं विकास परियोजना का अनुमोदन प्राप्त हुआ तथा कार्यान्वयन किया जा रहा है।
- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित 94.4 लाख रु. की सहायता से एसएमडीपी–सी2एसडी परियोजना के एक पीआई के रूप में अनुमोदित किया गया।
- डीजीईटी के वित्तपोषण के अधीन पहला मॉडल आजीविका केन्द्र (एमसीसी) स्थापित किया।
- इंटेल उच्चतर शिक्षा भारत के सहयोग से आईओटी सुविधा का सृजन किया गया।
- आईईसीटी के चुनिन्दा विषयों में प्रशिक्षण कार्यक्रम के विकास एवं नियोजन के लिए आईसीटी अकादमी केरल के साथ सहमति–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- कालीकट में आईसीएआर के आईआईएसआर को नेटवर्क अनुरक्षण परामर्श सेवाएँ प्रदान की गईं।
- भर्ती आदि के विभिन्न ऑनलाइन अनुप्रयोगों के लिए वेब होस्टिंग सेवाएँ सफलतापूर्वक प्रदान की गईं।
- अनुसूचित जनजाति के लिए कम कीमत वाली अभिगम युक्तियों पर आधारित जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी कौशल तथा ई–समावेशन पर क्षमता निर्माण परियोजना का कार्यान्वयन अमृता विश्व विद्यापीठम, कोल्लम के साथ मिलकर संयुक्त रूप में किया गया।
- विश्व पर्यावरण दिवस एवं स्वच्छता पालन के एक भाग के रूप में, दोनों परिसरों में सफाई तथा 500 से ज्यादा वृक्षारोपण किए गए।
- 32 प्लेसमेंट साक्षात्कारों का आयोजन किया गया तथा टाटा एलेक्सी, विप्रो आदि जैसी विभिन्न कम्पनियों में 87 विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्त हुआ।

चण्डीगढ़

नाइलिट, चण्डीगढ़ की स्थापना वर्ष 1978 में सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्रों में प्रोफेशनल सेवाएँ प्रदान करने के लिए की गई थी। यह इस क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान है। यह केन्द्र आईएसओ 9001:2008 प्रमाणित है। अपनी स्पष्ट कार्यनीतियों के साथ यह एक आईटी कार्पोरेट है तथा इसके विभिन्न कार्यों कर उद्देश्य अपने ग्राहकों को सूचना प्रौद्योगिकी समाधानों एवं उत्पादों का एक सम्पूर्ण पैकेज देना है। पंजाब सरकार ने अगस्त 2012 में 'रोपड़, पंजाब में नाइलिट चण्डीगढ़ के स्थायी परिसर के निर्माण' के लिए ग्राम बड़ा फुल, रोपड़ में (आईआईटी परिसर के बगल में) लगभग 12 एकड़ जमीन का आबंटन किया था। निर्माण का कार्य जोर कदम से चल रहा है और पूरे परिसर का निर्माण नवम्बर, 2016 तक हो जाने की संभावना है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ आईईसीटी में क्षमता निर्माण
- ☑ विद्यालयों में कम्प्यूटर शिक्षण
- ☑ सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आद्योपान्त परियोजनाएँ
- ☑ सॉफ्टवेयर विकास
- ☑ हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर के चयन में परामर्श–सेवा
- ☑ कम्प्यूटर साधित डिजाइनिंग (कैड)

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ **अल्पावधि पाठ्यक्रमः**

- एन्ड्रॉएड का प्रयोग करके मोबाइल अनुप्रयोग विकास
- बृहद डेटा, क्लाउड कम्प्यूटिंग एवं आभासीकरण
- उन्नत जावा इंटरनेट ऑफ थिंग्स • डॉट नेट, सीएमएस के साथ पीएचपी – अन्तर्निर्मित प्रणाली
- रैस्पबेरी पीआई – सीसीएनए तथा नीतिपरक हैकिंग

☑ **दीर्घावधि पाठ्यक्रमः**

- नाइलिट ओ/ए/बी स्तर • पीजीडीसीए • डीसीए
- हार्डवेयर/नेटवर्किंग

कार्यकारी समिति की बैठक (कें):
16वीं ईसी बैठक, 20 जुलाई 2015

कार्मिक:
नियमितः 131
परियोजना आधारितः 460

कारोबार:
रु. 7727.56 लाख

प्रभारी निदेशक:
सुश्री मीनाक्षी गौड़

पता:
नाइलिट चण्डीगढ़
सी–134, फेज़–VIII
औद्योगिक क्षेत्र, सेक्टर–72
एसएएस नगर, मोहाली–160071
चण्डीगढ़

सम्पर्क के ब्यौरे:
फोनः 0172–2236452
ई–मेलः chandigarh@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य:
पंजाब, हरियाणा (गुड़गाँव को छोड़कर)
चण्डीगढ़ (यूटी), हिमाचल प्रदेश

विस्तार केन्द्र:
शून्य

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- केन्द्र ने विभिन्न दीर्घावधि पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत 216 तथा अल्पावधि एवं औद्योगिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में 787 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया है।
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रोजगार अभ्यर्थियों के लिए डीजीईएण्डटी द्वारा प्रायोजित योजना के अन्तर्गत कुल 2110 विद्यार्थियों का प्रशिक्षण/मूल्यांकन किया गया।
- नाइलिट चण्डीगढ़ में इस क्षेत्र के प्रोफेशनलों तथा शिक्षाविदों के लिए 'फॉसः अनुप्रयोग विकासकर्ताओं के समाधान' पर एक 3–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- नाइलिट प्रशिक्षण प्रभाग तथा इसके विद्यार्थियों ने 11 अप्रैल 2015 को इसके परिसर में 'नाइलिट आईटी उत्सव 2015 – धनक' का आयोजन किया।
- समीक्षाधीन अवधि के दौरान केन्द्र ने बृहद डेटा एवं नीतिपरक हैकिंग में नए पाठ्यक्रम आरम्भ किए। नाइलिट चण्डीगढ़ ने 'प्रमाणित नीतिपरक हैकर' कार्यक्रम चलाने के लिए ईसी–परिषद के साथ गठजोड़ किया है।
- नाइलिट चण्डीगढ़ ने 7 जुलाई, 2015 को डिजिटल भारत सप्ताह मनाया। 'डिजिटल इंडिया' पहल तथा 'साइबर सुरक्षा' पर जागरूकता कार्यक्रम नाइलिट चण्डीगढ़ के परिसर में आयोजित किया गया।
- नाइलिट चण्डीगढ़ घरेलू, वाणिज्यिक, कृषि, औद्योगिक, सार्वजनिक प्रकाश के लगभग 42 उपभोक्ताओं के लिए विद्युत बिल तैयार कर रहा है।
- पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड, पंजाब के लिए एक वेब समर्थित जल बिल संसाधन अनुप्रयोग का भी विकास किया गया है।
- नाइलिट चण्डीगढ़ लगभग 10.5 लाख उपभोक्ताओं के ऊर्जा बिल तैयार करने का कार्य कर रहा है जिनमें घरेलू तथा वाणिज्यिक उपभोक्ता, लघु आपूर्ति औद्योगिक उपभोक्ता (लघु विद्युत), मध्यम आपूर्ति औद्योगिक उपभोक्ता (मध्यम आपूर्ति), जनमैग योजना, निःशुल्क आपूर्ति बिलिंग, अस्थायी बिलिंग, कृषि विद्युत उपभोक्ता, सार्वजनिक प्रकाश उपभोक्ता, थोक आपूर्ति उपभोक्ता, रेलवे ट्रैक्शन, लिफ्ट इरिगेशन तथा गैर घरेलू उपभोक्ता शामिल हैं।
- डीजीआईटी हरियाणा के अधीन हरियाणा राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान(नों) के एक लाख बीस हजार से ज्यादा विद्यार्थियों की ओएमआर आधारित सेमेस्टर–वार परीक्षा के परिणामों का मूल्यांकन एवं संकलन किया गया।

चेन्नै

वर्ष 2010 में स्थापित होने के बाद, नाइलिट चेन्नै एक उन्नत प्रशिक्षण एवं विकास केन्द्र के रूप में उभरा है जिसमें आईईसीटी प्रौद्योगिकियों अर्थात वीएलएसआई डिजाइन, अन्तर्निर्मित प्रणाली डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की औद्योगिक डिजाइन, परीक्षण एवं परिमापन, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिकी, सूचना सुरक्षा तथा सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों (ई–अधिगम / मल्टीमीडिया एनिमेशन) पर बल देते हुए अद्यतन तकनीकी जानकारी की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इससे योग्य विद्यार्थियों को इंजीनियरी एवं विज्ञान संस्थानों से उत्तीर्ण होने, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन मे अपना कौशल में अभिवृद्धि करने में सहायता मिलेगी और इसके परिणामस्वरूप डिग्री प्राप्त करने के पश्चात उनका मूल्य संवर्धन होगा और रोजगार के अवसर प्राप्त करने के आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, कार्मिक तथा शिक्षक वर्ग भी आईईसीटी के उभरते क्षेत्रों में अपने ज्ञान को अद्यतन कर सकेंगे।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ शैक्षिक एवं कौशल विकास परामर्श–सेवा परियोजनाओं का निष्पादन
- ☑ अन्तर्निर्मित प्रणाली डिजाइन तथा वीएलएसआई
- ☑ पीसीबी तथा औद्योगिक डिजाइन में प्रशिक्षण
- ☑ ग्रामीण क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी में जन प्रशिक्षण
- ☑ उत्पाद विकास

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ अल्पावधि पाठ्यक्रमः

- हार्डवेयर एवं नेटवर्किंग तथा पीसी अनुरक्षण
- पीसीबी डिजाइन एवं संरचना • सोल्डरिंग तकनीकें
- एआरएम का प्रयोग करके अन्तर्निर्मित प्रणालियाँ
- कैडेंस उपकरणों का प्रयोग करके वीएलएसआई प्रणाली डिजाइन • सूचना सुरक्षा • इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन
- लैब–व्यू का प्रयोग करके ग्राफिकल प्रणाली डिजाइन

☑ दीर्घावधि पाठ्यक्रमः

- एम.टेक (ईडीटी) • आईटी–ओ स्तर • सीएचएम–ओ स्तर
- इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

कार्यकारी समिति की बैठक(कें):
शून्य

कार्मिकः
नियमितः 10
परियोजना आधारितः 14

कारोबारः
रु. 280.08 लाख

प्रभारी निदेशकः
श्री वी. कृष्णमूर्ति

पताः
नाइलिट चेन्नै
25, आईएसटीई कॉम्प्लेक्स
गांधी मण्डपम रोड
(अन्ना सेंटिनरी पुस्तकालय के सामने)
चेन्नै–600 025
तमिलनाडु

सम्पर्क के ब्यौरेः
फोनः 044–24421445 / 46 / 47
ई–मेलः dir-chennai@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्यः
तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पुडुचेरी तथा अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह

विस्तार केन्द्रः
शून्य

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- एम.टेक (ईडीटी) इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन प्रौद्योगिकी का प्रारम्भ।
- 'चेन्नै में नाइलिट केन्द्र की स्थापना' शीर्षक से परियोजना के अन्तर्गत केन्द्र ने 4372 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया है।
- डीओईएसीसी 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम के लिए 200 विद्यार्थियों को पंजीकृत किया गया है और 1 वर्ष का प्रशिक्षण पूरा कर लिया गया है, अब तक 1110 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- सीएचएम 'ओ' स्तर के लिए 100 विद्यार्थियों को पंजीकृत किया गया है और 1 वर्ष का प्रशिक्षण पूरा कर लिया गया है, अब तक 459 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- 6 महीने से कम अवधि के अल्पावधि पाठ्यक्रमों में 829 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।
- औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों तथा प्राविधिक संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिकी में कौशल आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा 645 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- बीसीएएस ऑनलाइन परीक्षा वर्ष 2015–16 में 1097 विद्यार्थियों की परीक्षा ली गई तथा परीक्षा का आयोजन प्रत्येक चक्र में किया जा रहा है। अब तक संचयी रूप में 4797 विद्यार्थियों की परीक्षा ली गई।
- प्रतिभागी संस्थान के रूप में, आईएसईए परियोजना में 260 विद्यार्थियों को अल्पावधि कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों मे प्रशिक्षित किया गया, सरकारी अधिकारियों का प्रशिक्षण तथा सूचना सुरक्षा में राष्ट्रीय स्तर प्रमाणन पाठ्यक्रम।
- ईएसडीएम योजना के अन्तर्गत तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा पुडुचेरी राज्यों के लिए ईएसडीएम क्षेत्र में क्षमता निर्माण।
- उद्यमकर्ता विकास संस्थान, तमिलनाडु के लिए नाइलिट चेन्नै में उद्यमकर्ता विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा 30 प्रतिभागियों को उद्यमकर्ता बनने के लिए वेब डिजाइनिंग में प्रशिक्षित किया गया है।
- एम.टेक ईडीटी कार्यक्रम सहयोगात्मक मोड में आरम्भ करने के लिए एससीएसवीएमवी विश्वविद्यालय, कांचीपुरम के साथ सहमति–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी के क्षेत्र में सहयोगात्मक संयुक्त अनुसंधान करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, नाइलिट चेन्नै तथा पीटरसन कैंसर केन्द्र (विजया स्वास्थ्य परिसर) चेन्नै के बीच सहमति–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- 'चेन्नै में नाइलिट केन्द्र की स्थापना' नाइलिट चेन्नै परियोजना।
- इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन एवं उत्पादन प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में क्षमता निर्माण।

दिल्ली

एक स्वतंत्र केन्द्र के रूप में नाइलिट दिल्ली केन्द्र की स्थापना 1 नवम्बर, 2012 को की गई। इससे पहले, यह केन्द्र वर्ष 2000 से नाइलिट चण्डीगढ़ के एक शाखा कार्यालय के रूप में कार्य कर रहा था। इस समय यह केन्द्र अपने कार्यकलाप पार्श्वनाथ मेट्रो मॉल, इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन, इंद्रलोक, दिल्ली में 11,000 वर्गफुट क्षेत्र से संचालित कर रहा है। कुल 29 नियमित कर्मचारियों में से, 19 तकनीकी कैडर पर हैं तथा 10 गैर–तकनीकी कैडर पर हैं। विभिन्न कार्यकलापों के लिए केन्द्र द्वारा अनुबंध के आधार पर 19 कर्मचारी तथा 6 बहुकार्य कर्मचारी भी नियोजित किए गए हैं।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ इलेक्ट्रॉनिकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में जनशक्ति को कौशल प्रदान करना
- ☑ सॉफ्टवेयर विकास तथा तकनीकी समर्थन सेवाएँ
- ☑ ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों ही मोडों में भर्ती परीक्षाओं का आयोजन

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ अल्पावधि पाठ्यक्रम :

• एन्ड्राएड का प्रयोग करके मोबाइल अनुप्रयोगों का विकास • अन्तर्निर्मित प्रणालियों में डिप्लोमा • 8051, एवीआर तथा आरदुइनो में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम • आरदुइनो एआरएम तथा रैस्पबेरी–पीआई में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम • एवीआर तथा आरदुइनो में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम • एआरएम, पीआईसी तथा पीसीबी में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम • 8051 माइक्रोकंट्रोलर का प्रयोग करके अन्तर्निर्मित प्रणाली में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम • 8051 माइक्रोकंट्रोलर तथा एवीआर माइक्रोकंट्रोलर का प्रयोग करके अन्तर्निर्मित प्रणाली मे सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

☑ दीर्घावधि पाठ्यक्रम :

• डीओईएसीसी 'ओ' तथा 'ए' स्तर • डीओईएसीसी हार्डवेयर अनुरक्षण 'सीएचएम–ओ' स्तर • नाइलिट मैट 'ओ' स्तर

कार्यकारी समिति की बैठक(कें):
पहली ईसी बैठक, 30 अक्तूबर 2015

कार्मिक:
नियमित: 32
परियोजना आधारित: 31

कारोबार:
रु. 3728.50 लाख

निदेशक:
श्रीमती शीला वी एस

पता:
नाइलिट दिल्ली केन्द्र
दूसरी मंजिल, पार्श्वनाथ मेट्रो मॉल
इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन
इंद्रलोक, दिल्ली–11005
नई दिल्ली

सम्पर्क के ब्यौरे:
फोन: 011–23644850
ई–मेल: dir-delhi@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य:
दिल्ली

विस्तार केन्द्र:
शून्य

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- ई–शासन तथा अन्य सूचना प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के निष्पादन के लिए केन्द्र सरकार तथा दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों को परामर्श–सेवा तथा तकनीकी समर्थन सेवा प्रदान की गई। वर्ष के दौरान, केन्द्र ने लगभग 550 विभागों को तकनीकी तथा प्रचालन स्तर की सहायता उपलब्ध कराई गई।

- नाइलिट दिल्ली केन्द्र और सूचना प्रौद्योगिकी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग ने, सामाजिक उत्तरदायित्व के एक भाग के रूप में, सेवा कुटीर, जीटीबी नगर, दिल्ली के निगरानी गृहों में निवास करने वाले किशोरों को प्रशिक्षित करने का एक संयुक्त प्रयास किया। केन्द्र द्वारा कुल 133 किशोरों को प्रशिक्षित किया गया।

- भारत के निर्वाचन आयोग के 160 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी कार्यालय स्वचालन कौशल विकास करने के लिए प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से मई, 2015 में एक प्रस्ताव तैयार किया गया जिसे विभाग ने स्वीकार किया। कुल 131 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।

- केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के सूचना प्रौद्योगिकी तथा संचार विंग के अधिकारियों के लिए कई मॉड्यूलों में उन्नत प्रशिक्षण आयोजित किए गए।

- नाइलिट, दिल्ली केन्द्र को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय से उनके कार्यालय में ई–कार्यालय कार्यान्वित करने के लिए एक परियोजना जुलाई, 2015 में प्राप्त हुई। केन्द्र ने विभाग के 360 कर्मचारियों को प्रयोक्ता स्तर एवं मास्टर स्तर ई–कार्यालय की सामग्रियों में प्रशिक्षित किया।

- अतर्निर्मित प्रणालियों में 6 सप्ताह/8 सप्ताह के पाठ्यक्रम में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में एक आजीविका विकास कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें केन्द्र के 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

- नाइलिट को राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन (एनडीएलएम) योजना चलाने के लिए सीएससी के एक प्रशिक्षण भागीदार के रूप में पंजीकृत किया गया है। नाइलिट, दिल्ली केन्द्र अगस्त, 2015 में दिल्ली राज्य के लिए प्रशिक्षण भागीदार बना। कुल 1427 विद्यार्थियों को इस योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षित किया गया।

दिल्ली

गंगटोक

वर्ष 2010 में स्थापित नाइलिट गंगटोक सिक्किम के युवाओं को कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शिक्षण तथा प्रशिक्षण का सहज अभिगम उपलब्ध कराने की सुविधा प्रदान करता है जिसके परिणामस्वरूप कौशल विकास तथा रोजगार योग्यता में अभिवृद्धि होती है। इसके अलावा, यह केन्द्र सिक्किम सरकार के विभिन्न विभागों के लिए क्षमता निर्माण की आवश्यकताओं को भी पूरा करता है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ एन्ड्रॉएड अनुप्रयोग विकास
- ☑ साइबर सुरक्षा एवं साइबर आचार–नीति

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ **अल्पावधि पाठ्यक्रमः**

- मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम (बीसीक्यू)
- कम्प्यूटर अवधारणा पाठ्यक्रम (सीसीक्यू)
- वित्तीय लेखांकन
- परस्पर सक्रिय मल्टीमीडिया विकास
- इंटरनेट तथा वेब पेज डिजाइन
- हार्डवेयर एवं नेटवर्किंग
- पीसी हार्डवेयर अनुरक्षण
- मोबाइल मरम्मत
- कम्प्यूटर इलेक्ट्रॉनिकी की मरम्मत तथा अनुरक्षण

☑ **दीर्घावधि पाठ्यक्रमः**

- नाइलिट 'ओ' स्तर
- नाइलिट 'ए' स्तर
- नाइलिट सीएचएम 'ओ' स्तर
- नाइलिट सीएचएम 'ए' स्तर
- नाइलिट मैट–ओ स्तर

कार्यकारी समिति की बैठक(कें):
शून्य

कार्मिकः
नियमितः 02
परियोजना आधारितः 11

कारोबारः
रु. 79.63 लाख

कार्यकारी निदेशकः
श्री टी.पी. सिंह

पताः
नाइलिट गंगटोक
इंदिरा बाई पास रोड
केबीटी पेट्रोल पम्प के पास
सिशे, गंगटोक–737101
सिक्किम

सम्पर्क के ब्यौरेः
फोनः 03592–205609 / 205610
ई–मेलः dir-gangtok@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्यः
सिक्किम

विस्तार केन्द्रः
शून्य

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- केन्द्र ने 'पासवर्ड के महत्व' तथा 'मैलवेयर' जैसे विषयों पर नेपाली भाषा में वीडियो तैयार किए हैं। साइबर सुरक्षा की संकल्पना पर आधारित एक मोबाइल खेल का भी विकास किया जा रहा है।

- लेखा एवं प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान (एएआईआई), सिक्किम सरकार के माध्यम से, यह केन्द्र सरकारी कर्मचारियों को नियमित आधार पर बीसीसी/सीसीसी/एसीसी जैसे पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

- केन्द्र ने 2 एन्ड्रॉएड अनुप्रयोगों का भी विकास किया है – एक सिक्किम सरकार की छुट्टियों के लिए और दूसरा भारत सरकार की छुट्टियों के लिए।

- ग्रामीण भारत में डिजिटल साक्षरता के माध्यम से महिलाओं के सशक्तीकरण की योजना के अन्तर्गत, राज्य की महिलाओं को नाइलिट सीसीसी में प्रशिक्षित किया गया।

- केन्द्र साइबर सुरक्षा से संबंधित कार्यकलापों से सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है और पणधारियों में मुद्रण तथा श्रव्य–दृश्य मीडिया के माध्यम से साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई अभिनव पद्धतियों का प्रयोग किया है। वर्तमान में सिक्किम एक्सप्रेस में 'साइबर–विश्वः क्या आप सुरक्षित हैं?' नामक एक लेख प्रकाशित किया गया और 'भीम चेतना' पत्रिका में 'आप अगला लक्ष्य बन सकते हैं' नामक लेख प्रकाशित किया गया।

- केन्द्र कौशल विकास तथा साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए आकाशवाणी–गंगटोक लाइव फोन–इन कार्यक्रम में नियमित रूप से भाग लेता है।

- नाइलिट बीसीसी को सिक्किम सरकार द्वारा अवर श्रेणी लिपिक तथा उससे ऊपर स्तर पर भर्तियों के लिए अनिवार्य बनाया गया है।

गोरखपुर

नाइलिट गोरखपुर (पूर्वतन डीओईएसीसी, गोरखपुर) की स्थापना जून 1989 में की गई थी। यह डिप्लोमा / स्नातक / निष्णात स्तर के विद्यार्थियों की प्रशिक्षण तथा शिक्षण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है और उत्तर प्रदेश में लघु क्षेत्र के उद्योगों तथा संबद्ध क्षेत्रों के लिए कार्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करता है। यह केन्द्र इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी में एम.टेक पाठ्यक्रम का संचालन करने के प्रयोजन से उत्तर प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय से संबद्ध है और अनौपचारिक क्षेत्र में नाइलिट 'ओ' तथा 'ए' स्तर कम्प्यूटर पाठ्यक्रम, 'ओ' तथा 'ए' स्तर मल्टीमीडिया और 'ओ' तथा 'ए' स्तर हार्यवेयर पाठ्यक्रम भी का संचालन करता है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन
- ☑ अन्तर्निर्मित प्रणाली डिजाइन
- ☑ सूचना सुरक्षा
- ☑ एकीकृत इलेक्ट्रॉनिकी, कम्प्यूटर तथा संचार सेवाएँ

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ **अल्पावधि पाठ्यक्रम :**

• वित्तीय लेखांकन, डॉट नेट, उन्नत जावा, मल्टीमीडिया एवं वेब प्रौद्योगिकी (एसीएमडब्ल्यूटी), पीएचपी तथा माइ–एसक्यूएल • एन्ड्रॉएड का प्रयोग करके मोबाइल अनुप्रयोग विकास, अन्तर्निर्मित प्रणाली डिजाइन, आईओटी, क्लाउड कम्प्यूटिंग एवं आभासीकरण, सूचना सुरक्षा, एलएएमपी का प्रयोग करके वेब विकास • ओरेकल एसक्यूएल / पीएलएसक्यूएल, पीएचपी तथा माइ–एसक्यूएल, उन्नत जावा, ऑटोकैड, मैटलैब सी तथा सी एवं डिजिटल प्रणाली डिजाइन।

☑ **अल्पावधि पाठ्यक्रम :**

• एम.टेक (ईडीएण्डटी) कार्यक्रम • सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर तथा मैट 'ओ' एवं 'ए' स्तर नाइलिट पाठ्यक्रम • सॉफ्टवेयर विकास में उन्नत डिप्लोमा (एडीएसडी) तथा हार्डवेयर नेटवर्किंग में उन्नत डिप्लोमा (एडीएचएनएस)

कार्यकारी समिति की बैठक(कें):
18वीं ईसी बैठक, 07 अक्तूबर 2015

कार्मिक:
नियमित: 51
परियोजना आधारित: 55

कारोबार:
रु. 4916.81 लाख

कार्यकारी निदेशक:
डॉ.ए.के.डी. द्विवेदी

पता:
नाइलिट गोरखपुर
एम.एम.एम. तकनीकी विश्वविद्यालय
देवरिया रोड, गोरखपुर – 273010
उत्तर प्रदेश

सम्पर्क के ब्यौरे:
फोन: 0551–2273371 / 07752994555
ई–मेल: dir-gorakhpur@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य:
उत्तर प्रदेश

विस्तार केन्द्र:
लखनऊ

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट गोरखपुर के एम.टेक (इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी) पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड द्वारा प्रत्यायित किया गया है।
- 1046 विद्यार्थियों को दीर्घावधि पाठ्यक्रमों तथा 2599 विद्यार्थियों को अल्पावधि पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया।
- सीसीसी तथा बीसीसी पाठ्यक्रमों के लिए कुल 693559 विद्यार्थियों की परीक्षाओं का आयोजन किया गया।
- वर्तमान वित्तीय वर्ष में 1460.36 लाख रु. का अतिशेष तैयार किया।
- गोरखपुर तथा इसके लखनऊ विस्तार केन्द्र में आईईसीटी के उभरते क्षेत्रों में कई कार्यक्रम आरम्भ किए गए।
- सीसीसी परीक्षा का आयोजन निर्विघ्न रूप में करने हेतु इसे सरल बनाया गया।
- इलेक्ट्रॉनिकी उत्पाद डिजाइन में पोस्ट डिप्लोमा आरम्भ किया।
- वीएलएसआई तथा अन्तर्निर्मित प्रणाली पर नए एम.टेक पाठ्यक्रम के लिए एआईसीटीई तथा अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय को आवेदन प्रस्तुत किया गया।
- भारतीय टेलीफोन उद्योग लि. मनकापुर के लिए 3–एलईडी ड्राइवरों का विकास अपने संगठन में किया।
- एन्ड्रॉएड आधारित घरेलू स्वचालन प्रणाली का विकास अपने संगठन में किया गया।
- विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'ई–वाणिज्य का प्रयोग करके डिजिटल विपणन में सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण कार्यक्रम' परियोजना।
- नाइलिट गोरखपुर को एमएचआरडी शैक्षिक नेटवर्क के वैश्विक पहल (जीआईएएन) के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा मेजबान संस्थान के रूप में चुना गया है।
- नाइलिट गोरखपुर में आदर्श आजीविका केन्द्र की स्थापना की गई है जिसका उद्घाटन माननीय श्री योगी आदित्य नाथ जी, संसद सदस्य द्वारा किया गया। इस आदर्श आजीविका केन्द्र के माध्यम से 350 विद्यार्थियों को पंजीकृत किया गया।
- नाइलिट गोरखपुर के पुस्तकालय में ई–स्रोत केन्द्र की स्थापना, जिसका उद्घाटन माननीय श्री योगी आदित्य नाथ जी, संसद सदस्य द्वारा किया गया।

गोरखपुर

गुवाहाटी

वर्ष 2002 में स्थापित नाइलिट गुवाहाटी के तेजपुर, डिब्रुगढ़, जोरहाट, कोकराझार तथा सिलचर स्थित 5 विस्तार केन्द्र और गुवाहाटी में एक सिटी सेंटर है। तेजपुर विस्तार केन्द्र की स्थापना वर्ष 1998 में की गई थी। जोरहाट तथा सिलचर स्थित विस्तार केन्द्र और गुवाहाटी सिटी सेंटर अगस्त 2013 से कार्य कर रहे हैं जबकि कोकराझार विस्तार केन्द्र वर्ष 2014 से संचालित है। डिब्रुगढ़ विस्तार केन्द्र को शीघ्र ही संचालन करने की संभावना है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएँ (व्यवसाय प्रक्रिया आउटसोर्सिंग)
- ☑ जैव–सूचना विज्ञान

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ **अल्पावधि पाठ्यक्रमः**

• सॉफ्ट स्किल एवं संव्यवहार अंग्रेजी में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम • आईटीईएस–बीपीओ (ग्राहक सेवा) • सीसीसी (कम्प्यूटर अवधारणा पाठ्यक्रम) • बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम) • कोर जावा, वेब डिजाइनिंग जैसे विभिन्न विषयों में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम • मोबाइल मरम्मत तथा अनुरक्षण और इलेक्ट्रॉनिकी उत्पादों की मरम्मत तथा अनुरक्षण

☑ **दीर्घावधि पाठ्यक्रमः**

• सूचना प्रौद्योगिकी में 'ओ' स्तर • जैव–सूचना विज्ञान में 'ओ' स्तर • सूचना प्रौद्योगिकी में 'ए' स्तर • जैव–सूचना विज्ञान में 'ए' स्तर • मल्टीमीडिया एवं एनिमेशन प्रौद्योगिकी (मैट) में 'ओ' स्तर

कार्यकारी समिति की बैठक(कें):
शून्य

कार्मिकः
नियमितः 23
परियोजना आधारितः88

कारोबारः
रु. 1299.72 लाख

निदेशकः
श्री के. बरुआ

पताः
वित्तीय भवन
एसीएफ बिल्डिंग, पहली एवं दूसरी मंजिल
मो. शाह रोड, पल्टन बाजार
गुवाहाटी – 781008
असम

सम्पर्क के ब्यौरेः
फोनः 0361–2131568, 0361–2731940
ई–मेलः dir-guwhati@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य :
असम

विस्तार केन्द्रः
तेजपुर, सिलचर, कोकराझार, जोरहाट, सिटी सेंटर–खानापाड़ा, डिब्रुगढ़

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- केन्द्र ने अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार पूरे असम में करने का प्रयास किया है और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम के एक भाग के रूप में विशेष रूप से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा विशेषाधिकृत जनसामान्य के लिए अल्पावधि पाठ्यक्रम चलाने के लिए 60 से ज्यादा प्रशिक्षण भागीदारों का नामांकन किया है।
- जैव–सूचना विज्ञान में महाविद्यालय के शिक्षकों का क्षमता निर्माण।
- जल संसाधन विभाग, असम सरकार के कर्मचारियों के लिए आईसीटी कौशल में प्रशिक्षण।
- राज्य स्तरीय सलाहकार समिति, असम सरकार के प्रायोजन के अधीन युवाओं के लिए मूलभूत कम्प्यूटर कौशलों में निःशुल्क प्रशिक्षण।
- असम के विभिन्न महाविद्यालयों में कार्यालय स्वचालन पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण के माध्यम से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए विशेष पहल।
- संयुक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की अध्यक्षता में 'आईईसीटी के क्षेत्र में प्रशिक्षण/शिक्षण में अभिवृद्धि द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास' नामक परियोजना की परियोजना समीक्षा एवं संचालन समूह की दूसरी बैठक की मेजबानी दिसम्बर, 2015 में की गई।

इम्फाल

वर्ष 1988 में स्थापित नाइलिट इम्फाल आकम्पट में स्थित है और 20 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैला हुआ है। इसमें संस्थान का मुख्य भवन भी शामिल है जिसमें प्रशासनिक खण्ड, व्याख्यान हॉल, शिक्षक–वर्ग कक्ष, कम्प्यूटर प्रयोगशालाएँ, मेकेनिकल कर्मशाला, इलेक्ट्रो–चिकित्सकीय प्रयोगशाला, पीसीबी प्रयोगशाला, सर्विसिंग प्रकोष्ठ तथा अन्य प्रयोगशालाएँ हैं। 'पूर्वोत्तर में नाइलिट केन्द्र का ग्रेड उन्नयन' परियोजना के अन्तर्गत वर्ष 2013 में चुड़चाँदपुर जिला तथा सेनापति जिले में दो विस्तार केन्द्र भी स्थापित किए गए हैं।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा एवं साइबर फोरेन्सिक
- ☑ इलेक्ट्रॉनिकी मरम्मत तथा अनुरक्षण
- ☑ चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी
- ☑ मल्टीमीडिया एवं एनिमेशन

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ **अल्पावधि पाठ्यक्रम :**

• कार्यालय स्वचालन, वेब डिजाइनिंग, डीटीपी, टैली ईआरपी 9.0 में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम • ई–शासन अनुप्रयोगों, सॉफ्ट स्किल एवं संव्यवहार अंग्रेजी, सूचना सुरक्षा एवं साइबर कानून, सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा एवं नेटवर्क में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम • कम्प्यूटर अनुप्रयोग, नेटवर्क प्रशासन एवं सॉफ्ट स्किल में डिप्लोमा • मल्टीमीडिया सूचना–सामग्री डेवलपर में डिप्लोमा • अतर्निर्मित प्रणालियों, पीसी संयोजन एवं अनुरक्षण, इलेक्ट्रॉनिकी युक्तियों एवं परिपथ, घरेलू उपकरण एवं स्वचालन इलेक्ट्रॉनिकी, सौर संकर चार्जर एवं एलईडी प्रकाश प्रणाली, मल्टीसिम का प्रयोग करके इलेक्ट्रॉनिक परिपथ सिमुलेशन, चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद सहित इलेक्ट्रॉनिकी उत्पादों की मरम्मत तथा अनुरक्षण पर सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम।

☑ **दीर्घावधि पाठ्यक्रमः**

• एमसीए • पीजीडीसीए • आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं में स्नातकोत्तर डिप्लोमा • कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (बीसीए) • कम्प्यूटर विज्ञान इंजीनियरी में डिप्लोमा • इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी में डिप्लोमा • नाइलिट सीएचएम/मैट/सूचना प्रौद्योगिकी 'ओ' स्तर/ 'ए' स्तर पाठ्यक्रम।

कार्यकारी समिति की बैठक(कें):
13वीं ईसी बैठक, 11 अगस्त 2015

कार्मिकः
नियमितः 35
परियोजना आधारितः 55

कारोबारः
रु. 735.79 लाख

कार्यकारी निदेशकः
श्री टी. परमेश्वर सिंह

पताः
नाइलिट इम्फाल
आकम्पट, डाकघर बॉक्स – 104
इम्फाल – 795001
मणिपुर

सम्पर्क के ब्यौरेः
फोनः 09436142955
ई–मेलः dir-imphal@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्यः
मणिपुर

विस्तार केन्द्रः
सेनापति
चुड़ाचाँदपुर

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- ई–शासन अनुप्रयोगों पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण – इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित।
- एमयूडीए, मणिपुर सरकार के अधीन स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना के अन्तर्गत ओ–स्तर में शहरी गरीब विद्यार्थियों का प्रशिक्षण।
- अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के रोजगार अभ्यर्थियों के लिए डीजीईएण्डटी द्वारा प्रायोजित नाइलिट ओ–स्तर।
- केन्द्र ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, मणिपुर के कार्यालय के लिए ISCII तथा यूनिकोड मानक एपिक (निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रबंध माड्यूल) का विकास किया है।
- आईटीईएस–बीपीओ (ग्राहक सेवा) में पूर्वोत्तर क्षेत्र की स्नातक/गैर–स्नातक महिलाओं का प्रशिक्षण।
- केन्द्र ने मणिपुर शहरी विकास एजेंसी (एमयूडीए) के लिए यूनिकोड मानक बीपीएल, एएवाई तथा अन्नपूर्णा परिवार कार्ड धारक प्रबंध सॉफ्टवेयर का विकास किया है।
- केन्द्र ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, मणिपुर सरकार द्वारा प्रायोजित एन्ड्रॉएड आधारित मणिपुरी–अंग्रेजी–मणिपुरी ऐप का भी विकास किया है।
- शिक्षकों के सचल दलों के माध्यम से पिछड़े क्षेत्रों की महिलाओं को प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराकर 'घर के द्वार पर शिक्षा' को बढ़ावा देना।
- मणिपुर के विभिन्न जिलों में 7 अध्ययन केन्द्रों की स्थापना।
- नाइलिट इम्फाल ने अन्तर्राष्ट्रीय संगाई उत्सव 2015 में भाग लिया। ईएसडीएम, जीवन प्रमाण, डिजिटल लॉकर खाता खोला जाना – इसका महत्व, साइबर सुरक्षा, तथा एनडीएलएम के विचारों का प्रदर्शन किया गया।
- केन्द्र इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एन्टी–स्पैम पर एक परियोजना का कार्यान्वयन कर रहा है।

ईटानगर

वर्ष 2011 में स्थापित नाइलिट ईटानगर केन्द्र कम्प्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी तथा संबद्ध क्षेत्रों पर कुशल जनशक्ति तैयार करने पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है। यह संस्थान रोजगार के अवसरों में सुधार करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करता है तथा उत्तम क्वालिटी की सूचना प्रौद्योगिकी जनशक्ति की उपलब्धता की सुविधा प्रदान करता है, जिससे क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के विकास में सहायता मिलेगी। वर्तमान में, केन्द्र ने पासीघाट में एक विस्तार केन्द्र स्थापित किया। तेजू में एक और विस्तार केन्द्र का प्रस्ताव है।

कार्यकारी समिति की बैठक(कें):
शून्य

कार्मिक:
नियमित: 03
परियोजना आधारित: 06

कारोबार:
रु. 130.74 लाख

प्रभारी निदेशक:
श्री जेम्स के. ललथलमुआना

पता:
नाइलिट ईटानगर
ई–सेक्टर, नाहरलगुन–791110
अरुणाचल प्रदेश

सम्पर्क के ब्यौरे:
फोन: 0360–2351854
ई–मेल: dir-itanagar@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य:
अरुणाचल प्रदेश

विस्तार केन्द्र:
पासीघाट

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम
- ☑ टैली ईआरपी 9.0

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ **अल्पावधि पाठ्यक्रम:**

• मैटलैब • कम्प्यूटर अवधारणा पाठ्यक्रम (सीसीसी) • मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम (बीसीसी) • पीसी हार्डवेयर, नेटवर्किंग एवं अनुरक्षण • इंटरनेट एवं वेब पेज डिजाइनिंग • प्रोग्रामिंग भाषाओं जैसे कि C, C++, जावा पर पाठ्यक्रम • टैली ईआरपी 9

☑ **दीर्घावधि पाठ्यक्रम:**

• कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (बीसीए) • 'ओ' स्तर (कम्प्यूटर अनुप्रयोग में आधारभूत पाठ्यक्रम) • 'ए' स्तर (कम्प्यूटर अनुप्रयोग में उन्नत डिप्लोमा पाठ्यक्रम) • सीएचएम 'ओ' स्तर (कम्प्यूटर हार्डवेयर अनुरक्षण में डिप्लोमा)।

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- अरुणाचल प्रदेश सरकार की दिनांक 18 सितम्बर, 2013 की गजट अधिसूचना सं. 9 खण्ड XXV के अनुसार, वेतन बैण्ड 2 तथा उससे ऊपर के वेतनमान (उच्च श्रेणी लिपिक तथा आशुलिपिक) की पदों पर भर्ती के लिए सीसीसी पाठ्यक्रम का प्रमाण–पत्र अनिवार्य किया गया है और वेतन बैण्ड 1 (अवर श्रेणी लिपिक) के पद पर अरुणाचल प्रदेश सरकार में रोजगार के लिए बीसीसी पाठ्यक्रम का प्रमाण–पत्र अनिवार्य किया है।
- रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रोजगार अभ्यर्थियों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी में 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण।
- केन्द्र ने विभिन्न सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में 2000 से ज्यादा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों/युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया है।
- केन्द्र ने अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न जिलों के 64 सीएएल (कम्प्यूटर साधित अधिगम) विद्यालयों के 100 एसएसए शिक्षकों के लिए 2 माह की अवधि के लिए एसएसए राज्य सभा मिशन के सहयोग से कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया है।
- आभासी स्मार्ट क्लास रूम के माध्यम से तथा वीडियो कान्फरेंसिंग मोड में प्रशिक्षण।

कोहिमा

वर्ष 2004 में स्थापित नाइलिट कोहिमा तत्कालीन माननीय प्रधान मंत्री, श्री अटल बिहारी बाजपेयी की वर्ष 2003 में प्रथम यात्रा के दौरान नागालैण्ड की जनता के लिए सांकेतिक भाव–प्रदर्शन के रूप में की गई घोषणा का परिणाम है। उस समय से ही, यह केन्द्र हरे–भरे तथा प्रकृति मनोहर पर्वतमय पहाड़ियों से घिरे राजकीय वास्तुकला के साथ स्थित कार्य कर रहा है और क्षेत्र के युवाओं के लिए क्षमता निर्माण तथा कुशलता विकास के लिए विश्व स्तरीय मूलसंरचना तथा सुविधाओं का विकास किया है। नाइलिट कोहिमा को नागालैण्ड सरकार द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी में उत्कृष्ट केन्द्र तथा संस्थान भागीदार भी घोषित किया गया है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ साइबर फोरेन्सिक
- ☑ साइबर सुरक्षा
- ☑ चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ **अल्पावधि पाठ्यक्रमः**

• कम्प्यूटर अनुप्रयोग एवं नेटवर्किंग में डिप्लोमा (डीसीएएन) • कम्प्यूटर अवधारणा पाठ्यक्रम (सीसीसी) • मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम (बीसीसी) • पीसी संयोजन एवं अनुरक्षण • ग्राफिक्स डिजाइनिंग, इंटरनेट एवं वेबपेज डिजाइनिंग • ऑडियो एवं वीडियो सम्पादन • प्रोग्रामिंग भाषाओं जैसे कि C, C++, जावा, वीबी, C#, ओरेकल, टैली ईआरपी9, ई–शासन अनुप्रयोग, सूचना सुरक्षा एवं साइबर कानून पर पाठ्यक्रम • आईटीई एवं सॉफ्ट स्किल्स • राष्ट्रीय उपकरण मल्टीसिम पाठ्यक्रम • अन्तर्निर्मित प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिकी उत्पादों की मरम्मत तथा अनुरक्षण, मोबाइल मरम्मत।

☑ **दीर्घावधि पाठ्यक्रमः**

• कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (बीसीए) • कम्प्यूटर विज्ञान तथा इंजीनियरी में डिप्लोमा • सूचना प्रौद्योगिकी 'ओ' स्तर • 'ए' स्तर • सीएचएम 'ओ' स्तर • सीएचएम 'ए' स्तर • मैट 'ओ' स्तर।

कार्यकारी समिति की बैठक(कें):
5वीं ईसी बैठक, 27 अगस्त, 2015

कार्मिकः
नियमितः 20
परियोजना आधारितः 37

कारोबार :
रु. 888.75 लाख

प्रभारी निदेशक :
श्री एल. लानुवाबांग

पताः
नाइलिट कोहिमा
मेरिएमा
न्यू हाई कोर्ट रोड
कोहिमा – 797001
नागालैण्ड

सम्पर्क के ब्यौरेः
फोन : 09436215243
ई–मेलः dir-kohima@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य :
नागालैण्ड

विस्तार केन्द्रः
चुचुयिमलांग

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम निःशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं। सॉफ्ट स्किल, सूचना प्रौद्योगिकी तथा सम्बद्ध पाठ्यक्रमों पर महिला सशक्तिकरण पर विशेष बल देते हुए पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है।

- चुचुयिमलांग में आईईओ को प्रोत्साहन देने के लिए, प्रख्यात समाज सेवी एवं पद्मश्री से सम्मानित, श्री नटवर ठक्कर ने निःशुल्क रूप में भूमि उपलब्ध कराई है।

- साइबर अनुसंधान फोरेन्सिक्स एवं प्रशिक्षण प्रयोगशाला, राज्य में इस प्रकार का पहला एवं एकमात्र, नागालैण्ड राज्य के लिए एक स्रोत केन्द्र संचालन करती है। यह कानून प्रवर्तन एजेंसियों को प्रशिक्षण एवं सहायता प्रदान करती है तथा साइबर अपराध के मामलों का पता लगाने तथा उनका समाधान करने में भी सहायता करती है।

- राज्य में पहली बार, नाइलिट कोहिमा ने 8 जिला मुख्यालयों में जिला स्तर के अधिकारियों के लिए ई–शासन कार्यशालाओं का आयोजन एवं संचालन किया।

- विद्यार्थियों का प्लेसमेंट टीसीएस, टाटा इण्डिकॉम, नागालैण्ड सिविल सचिवालय, भारतीय स्टेट बैंक जैसे प्रतिष्ठित संगठनों तथा कई अन्य संगठनों में किया गया है।

- नागालैण्ड विश्वविद्यालय के अन्तर्गत बीसीए कार्यक्रम के लिए केन्द्र द्वारा प्रशिक्षित विद्यार्थियों ने लगातार दो वर्षों अर्थात 2012 तथा 2013 में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

- केन्द्र में उपलब्ध विशेषज्ञता का उपयोग सीएजी कोहिमा के लिए पेंशन सॉफ्टवेयर का विकास करने के लिए भी किया गया। इसके अलावा, यह केन्द्र विभिन्न संगठनों द्वारा ऑनलाइन प्रवेश/भर्ती/पदोन्नति परीक्षाओं के संचालन के लिए स्थानीय मूलसंरचना सेवा प्रदाता (यूएसपी) के रूप में भी कार्य करता है।

कोलकाता

नाइलिट कोलकाता 35 वर्षों से अधिक समय से सूचना प्रौद्योगिकी शिक्षण तथा प्रशिक्षण प्रदान करने वाला पूर्वी क्षेत्र का एक प्राचीनतम सूचना प्रौद्योगिकी संगठन है। इस केन्द्र की स्थापना वर्ष 1976 में क्षेत्रीय कम्प्यूटर केन्द्र, कलकत्ता (आरसीसी) के रूप में की गई थी और यह पूर्वी भारत में सूचना प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण तथा सूचना प्रौद्योगिकी/आईटीईएस में परामर्श सेवाएँ प्रदान करने में अग्रणी है। नाइलिट कोलकाता जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर के अन्दर हरे–भरे परिवेश में स्थित है और शहर के विभिन्न भागों से बस तथा ट्रेन सेवाओं द्वारा भली–भाँति जुड़ा हुआ है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ मल्टीमीडिया एवं एनिमेशन प्रौद्योगिकी
- ☑ सूचना प्रौद्योगिकी/आईटीईएस प्रशिक्षण
- ☑ 'डिजिटल इंडिया' पहल के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र के लिए सूचना प्रौद्योगिकी में जन साधारण का प्रशिक्षण
- ☑ ई–शासन में प्रशिक्षण

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ **अल्पावधि पाठ्यक्रम:**

• सी भाषा के माध्यम से प्रोग्रामिंग • C++, कोर जावा, उन्नत जावा, ओरेकल एसक्यूएल तथा पीएल एसक्यूएल के माध्यम से प्रोग्रामिंग • पीएचपी का प्रयोग करके उन्नत वेब विकास • हार्डवेयर तथा नेटवर्किंग एवं पीसी अनुरक्षण, डिजिटल इमेज संसाधन • उन्नत वित्तीय लेखांकन, ऑटोकैड/लिस्प, 2डी डिजाइन का परिचय, मैटलैब • ई–वाणिज्य का प्रयोग करके डिजिटल विपणन, 3डी जिजाइन का परिचय, नेटवर्क प्रशासन, ओरेकल डीबीए • फोटोकॉपीयर, प्रिंटर पर ईएसडीएम प्रशिक्षण, पीसी के संयोजन एवं अनुरक्षण पर ईएसडीएम प्रशिक्षण • विद्युत आपूर्ति, इन्वर्टर तथा यूपीएस पर ईएसडीएम प्रशिक्षण • कम्प्यूटर अनुप्रयोग एवं नेटवर्क प्रशासन, परस्पर सक्रिय मल्टीमीडिया विकास पर डिप्लोमा • ओरेकल पीएल/एसक्यूएल फार्म तथा सीईएससी के अधिकारियों के लिए रिपोर्ट

☑ **दीर्घावधि पाठ्यक्रम :**

• सूचना प्रौद्योगिकी–ओ स्तर • सूचना प्रौद्योगिकी–ए स्तर • सूचना प्रौद्योगिकी–बी स्तर • सीएचएम–ओ स्तर • मैट–ओ स्तर।

कार्यकारी समिति की बैठक(कें):
15वीं ईसी बैठक, 31 मार्च, 2015
16वीं इसी बैठक, 10 मार्च, 2016

कार्मिक:
नियमित: 40
परियोजना आधारित: 50

कारोबार:
रु. 1011.29 लाख

प्रभारी निदेशक:
श्री अरूप चटर्जी

पता:
नाइलिट कोलकाता
जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर
कोलकाता–700032
पश्चिम बंगाल

सम्पर्क के ब्यौरे:
फोन: 033–24146261 (सीधा), 033–24146081
फैक्स: 033–24146549
ई–मेल: dir-kolkata@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य:
पश्चिम बंगाल
ओडिशा

विस्तार केन्द्र:
शून्य

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- जादवपुर विश्वविद्यालय के शोध छात्रों तथा इंजीनियरी के विद्यार्थियों के लिए बृहद डेटा विश्लेशण पर प्रशिक्षण।
- डीजीईएण्डटी के कर्मचारियों के लिए 9 बैचों में एनसीएस पोर्टल प्रशिक्षण (204 उम्मीदवार)।
- झारखण्ड, सिक्किम तथा मणिपुर में 1168 प्रतिभागियों के लिए एनबीसीएफडीसी द्वारा प्रायोजित कौशल विकास प्रशिक्षण।
- एमओपीआर पश्चिम बंगाल के लिए बीसीसी (545 प्रतिभागी)।
- पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले में अनुसूचित जाति के 300 विद्यार्थियों की सशक्तिकरण के लिए क्षमता निर्माण।
- झारखण्ड में अनुसूचित जनजाति के 600 विद्यार्थियों की सशक्तिकरण के लिए क्षमता निर्माण।
- राँची, भुवनेश्वर तथा कोलकाता में अनुसूचित जाति/जनजाति के 150 रोजगार अभ्यर्थियों के लिए सीएचएम–ओ स्तर प्रशिक्षण।
- राँची, भुवनेश्वर तथा कोलकाता में अनुसूचित जाति/जनजाति के 300 रोजगार अभ्यर्थियों के लिए नाइलिट 'ओ' स्तर प्रशिक्षण।
- पश्चिम बंगाल के 2 लाख से ज्यादा युवाओं के लिए विभिन्न जिले में छह आईटी पार्कों के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण। सहमति–ज्ञापन पर हस्ताक्षर डब्ल्यूबीईआईडीसी के माध्यम से राज्य सरकार (डीआईटीएण्डई) और नाइलिट कोलकाता के बीच किए गए थे।
- कृषि जनगणना 2010–11 तथा इनपुट सर्वेक्षण 2011–12।
- एनईएचएचडीसी, भारत सरकार के वेब पोर्टल में अभिवृद्धि करके विक्रय एवं मालसूची प्रबंध प्रणाली का विकास एवं एकीकरण।
- विद्युत निदेशालय, पश्चिम बंगाल सरकार के लिए सॉफ्टवेयर लाइसेंस निगरानी प्रणाली का विकास एवं कार्यान्वयन।
- राज्य के विभिन्न विभागों के लिए भर्ती परीक्षा का संसाधन।

कोलकाता

पटना

नाइलिट केन्द्र, पटना की स्थापना वर्ष 2012 में पूर्वी क्षेत्र में विभिन्न नाइलिट केन्द्रों के कार्यकलापों का समन्वय तथा क्षेत्र में नाइलिट के विभिन्न कार्यकलापों को बढ़ावा देने की दिशा में सक्रिय प्रयास और उसके परिणामस्वरूप विभिन्न स्तरों पर सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) में ज्ञान एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए नाइलिट के अभिगम का विस्तार करने के उद्देश्य से की गई थी, जो उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करेगा और इस प्रकार क्षेत्र और विशेष रूप से बिहार के समग्र विकास में मदद मिलेगी।

कार्यकारी समिति की बैठक(कें):
शून्य

कार्मिक:
नियमित: 08
परियोजना आधारित: 32

कारोबार:
रु. 519.34 लाख

प्रभारी निदेशक:
श्री आलोक त्रिपाठी

पता:
नाइलिट पटना
11वीं मंजिल, बिस्कोमन टावर
गांधी मैदान
पटना–800001
बिहार

सम्पर्क के ब्यौरे:
फोन: 9431011532
ई–मेल: dir-patna@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य:
बिहार

विस्तार केन्द्र:
शून्य

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ प्रशिक्षण
- ☑ सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिकी में क्षमता निर्माण

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ **अल्पावधि पाठ्यक्रम:**

• कम्प्यूटर अवधारणा पाठ्यक्रम • C++ में प्रोग्रामिंग में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम • उन्नत जावा में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम • पीएचपी तथा माइ–एसक्यूएल में सर्टिफिकेट पाठयक्रम • C# के साथ डॉट नेट में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम • टैली में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम • लिनक्स के अन्तर्गत प्रणाली प्रशासन में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम।

☑ **दीर्घावधि पाठ्यक्रम:**

• नाइलिट 'ए' स्तर सॉफ्टवेयर पाठ्यक्रम • हार्डवेयर नेटवर्किंग एवं सुरक्षा में उन्नत डिप्लोमा (एडीएपएनएस) • नाइलिट 'ओ' स्तर सॉफ्टवेयर पाठ्यक्रम • नाइलिट 'ओ' स्तर हार्डवेयर पाठ्यक्रम • नाइलिट 'ओ' स्तर मल्टीमीडिया पाठ्यक्रम।

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- केन्द्र बिहार राज्य सरकार के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। इन कार्यक्रमों में राज्य सरकार के प्रमुख कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम हैं, जिसके अन्तर्गत वर्ग 'ग' के कर्मचारियों के मामले में वार्षिक वेतन–वृद्धि की पात्रता के लिए कम्प्यूटर अनुप्रयोग पर पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करना अनिवार्य है।
- नाइलिट पटना द्वारा निष्पादित बिहार सरकार/भारत सरकार की विभिन्न परियोजनाओं के अन्तर्गत कुल 12047 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। इसमें वर्ग 'ग' कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत 4083, एनडीएलएम परियोजना के अन्तर्गत 3757, ओ/ए स्तर के पाठ्यक्रम में 92, एडीएचएनएस में 23, सीसीसी में 148, तथा विभिन्न अल्पवधि पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत 3591 शामिल हैं।
- ईएसडीएम परियोजना के अन्तर्गत नाइलिट पटना ने वर्ष 2015–16 में 238 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया है।
- नाइलिट पटना ने बिहार सरकार की उन्नत आईसीटी परियोजना (बिहार सरकार द्वारा वित्तपोषित) के अन्तर्गत 115 विद्यार्थियों का प्रशिक्षण आरम्भ किया है।
- अलावलपुर, बिहार में नाइलिट आदर्श कम्प्यूटर साक्षरता केन्द्र का उद्घाटन 18.05.2015 को किया गया।
- पटना के गांधी मैदान स्थित बिक्सोमन टावर की 11वीं मंजिल पर नाइलिट सिटी सेंटर का उद्घाटन 14.07.2015 को किया गया।

पटना

राँची

माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा 21 अगस्त 2014 को उद्घाटन किए जाने के बाद से ही नाइलिट राँची केन्द्र ने कार्य करना शुरू कर दिया है। झारखण्ड सरकार द्वारा रियदा भवन परिसर, मेन रोड राँची में एक अस्थायी कार्यालय स्थल उपलब्ध कराया गया है। नाइलिट, राँची का स्थायी परिसर स्थापित करने के लिए वर्तमान में झारखण्ड सरकार ने कनके अंचल, सांगा मौजा, राँची में 5.0 एकड़ की भूमि आबंटित की है, जिसमें छात्रों तथा छात्राओं के छात्रावास शामिल हैं। भूमि के कब्जे का पत्र झारखण्ड सरकार के माननीय मुख्य मंत्री, श्री रघुबर दास ने होटल चाणक्य बीएनआर में 17 दिसम्बर 2015 को आयोजित इन्फोकॉम–2015 – लाभ झारखण्ड के अवसर पर नाइलिट के महानिदेशक डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा को औपचारिक रूप में सौंपा।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ ईएसडीएम पाठ्यक्रम
- ☑ एनडीएलएम पाठ्यक्रम
- ☑ नाइलिट सीसीसी, बीसीसी तथा एसीसी डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम
- ☑ नाइलिट 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम
- ☑ डीजीईएण्डटी द्वारा प्रायोजित 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम तथा सीएचएम–ओ स्तर पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ **अल्पावधि पाठ्यक्रमः**

• नाइलिट 'सीसीसी' पाठ्यक्रम • नाइलिट 'बीसीसी' पाठ्यक्रम • नाइलिट 'एसीसी' पाठ्यक्रम

☑ **दीर्घावधि पाठ्यक्रमः**

• नाइलिट 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम

कार्यकारी समिति की बैठक(कें):
शून्य

कार्मिक:
नियमितः 05
परियोजना आधारितः 03

कारोबार:
202.95 लाख रु.

प्रभारी निदेशक:
डॉ. डी.के. मिश्रा

पता:
नाइलिट राँची
दूसरी मंजिल, रियदा भवन
मेन रोड, जीईएल चर्च के सामने
राँची – 834001
झारखण्ड

सम्पर्क के ब्यौरे:
फोनः 0651–233.2554
9811907742
ई–मेलः dir-ranchi@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य:
झारखण्ड

विस्तार केन्द्र:
शून्य

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- एनडीएलएमः एनडीएलएम योजना के अन्तर्गत नाइलिट राँची में चालीस (40) प्रशिक्षण केन्द्रों का नामांकन किया गया है।

  पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्याः 2829

  परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्याः 1086

- ईएसडीएमः ईएसडीएम योजना के अन्तर्गत नाइलिट राँची में नौ (9) प्रशिक्षण भागीदारों का नामांकन किया गया है।

  पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या : 775

  परीक्षा में उपस्थित विद्यार्थियों की संख्या : 304

  परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या : 222

- झारखण्ड के अनुसूचित जाति/जनजाति युवाओं के लिए सूचना प्रौद्योगिकी आधारित कौशल विकास प्रशिक्षण (सूचना प्रौद्योगिकी विभाग तथा ई–शासन, झारखण्ड सरकार द्वारा प्रायोजित) : सूचना प्रौद्योगिकी आधारित कुशलता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम झारखण्ड के दस जिलों में पूर्ण गति से संचालित है (गुमला, लोहारडगा, लतेहर, सरायकेला–खरसावन, दुमका, सिमडेगा, छतारा, जामतारा, पाकुर तथा रामगढ़)।

- इस कार्यक्रम में अनुसूचित जाति/जनजाति के दो सौ चालीस (240) विद्यार्थियों को पहले ही प्रशिक्षित कर दिया गया है।

- डीजीईएण्डटी द्वारा प्रायोजित 'ओ' स्तर पाठ्यक्रमः अनुसूचित जाति/जनजाति के नब्बे (90) विद्यार्थियों का वर्तमान बैच (8वाँ) गतिमान है।

- राजस्व बोर्ड, झारखण्ड सरकार द्वारा झारखण्ड के सरकारी कर्मचारियों के लिए आयोजित विभागीय परीक्षा : राजस्व बोर्ड, झारखण्ड सरकार के लिए सचिवालयी कर्मचारियों/सहायकों की कम्प्यूटर आधारित टाइपिंग परीक्षा का संचालन किया गया।

  परीक्षा में बैठे उम्मीदवारों की कुल संख्या : 49

शिलांग

वर्ष 2010 में स्थापित नाइलिट शिलांग मेघालय राज्य के युवाओं को आईईसीटी के क्षेत्र में शिक्षण तथा प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से सशक्त बनाने के अलावा, प्रौद्योगिकी से परिचित करने तथा आत्मविश्वास तैयार करने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं जिससे उनकी रोजगार योग्यता मे वृद्धि हो सके। इन विगत वर्षों के दौरान नाइलिट शिलांग ने ग्रामीण जनसामान्य के सशक्तिकरण पर बल देते हुए मेघालय राज्य में आईईसीटी के क्षेत्र में प्रशिक्षण में अपना एक अलग स्थान बना लिया है। नाइलिट शिलांग के स्थायी परिसर के निर्माण के लिए मेघालय सरकार ने उमसावली में 10 एकड़ की जमीन निःशुल्क रूप में उपलब्ध कराई है। वर्तमान में एक विस्तार केन्द्र भी तूरा में स्थापित किया गया है।

कार्यकारी समिति की बैठक(कें):
शून्य

कार्मिक:
नियमितः 02
परियोजना आधारितः 19

कारोबार:
रु. 181.13 लाख

प्रभारी निदेशक:
श्री मानब कालिता

पता:
नाइलिट शिलांग
दूसरी मंजिल, मेघालय राज्य आवास वित्त सहकारी संस्था (एमएसएचएफसीएस) लिमिटेड बिल्डिंग
बेथानी अस्पताल के पीछे
नॉनग्रिम हिल्स, शिलांग–793003
मेघालय

सम्पर्क के ब्यौरे:
फोन : 0364–2520166 / 2520177
फैक्स : 0364–2520163
ई–मेल: dir-shillong@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य:
मेघालय

विस्तार केन्द्र:
तूरा

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएँ (व्यवसाय प्रक्रिया आउटसोर्सिंग)
- ☑ चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ **अल्पावधि पाठ्यक्रम :**

• आईईटीएस (ग्राहक सेवा / बीपीओ) • मलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम (बीसीसी) • कम्प्यूटर अवधारणा पाठ्यक्रम (सीसीसी) • पीसी हार्डवेयर, नेटवर्किंग तथा अनुरक्षण • सी भाषा के माध्यम से प्रोग्रामिंग • वेब डिजाइन, विकास तथा होस्टिंग • डेस्कटॉप प्रकाशन (डीटीपी) • टैली द्वारा कम्प्यूटरीकृत लेखांकन • मोबाइल मरम्मत • चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी उपकरणों की मरम्मत तथा अनुरक्षण।

☑ **दीर्घावधि पाठ्यक्रम :**

• सूचना प्रौद्योगिकी (सॉफ्टवेयर) 'ओ' स्तर • सूचना प्रौद्योगिकी (सॉफ्टवेयर) 'ए' स्तर • सीएचएम (हार्डवेयर) 'ओ' स्तर • सीएचएम (हार्डवेयर) 'ए' स्तर • मैट (मल्टीमीडिया एनिमेशन प्रौद्योगिकी) 'ओ' स्तर।

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- एमओपीआर की सूचना प्रौद्योगिकी साक्षरता प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015–16 में 250 ग्रामीण रोजगार परिषद (वीईसी) के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए सामुदायिक एवं ग्रामीण विकास विभाग, मेघालय सरकार के साथ सहमति–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- शिलांग में स्थायी परिसर के लिए जमीन (10 एकड़) मेघालय सरकार से दिसम्बर 2015 में प्राप्त हुई है। तूरा में अस्थायी विस्तार केन्द्र की स्थापना के लिए तूरा में निःशुल्क निर्मित स्थान (2500 वर्ग फुट) भी प्राप्त हुआ है।
- नाइलिट शिलांग में चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी के परीक्षण, अंशांकन, मरम्मत तथा अनुरक्षण के क्षेत्रों में क्षमता निर्माण के लिए चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। एक सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम अक्तूबर, 2015 से संचालित है।
- राज्य के कई जिलों में विद्यालय तथा महाविद्यालय जैसे संस्थानों के सहयोग से अल्पावधि पाठ्यक्रम के संचालन के लिए 16 (सोलह) प्रशिक्षण भागीदारों का विकास किया गया है जहाँ सूचना प्रौद्योगिकी शिक्षण के लिए कोई मूलसंरचना उपलब्ध नहीं है।
- अस्थायी विस्तार केन्द्र की स्थापना तूरा शासकीय महाविद्यालय तूरा, पश्चिमी गारो हिल्स (निःशुल्क स्थान) में वहाँ अशांत कानून और व्यवस्था की स्थिति के बावजूद की गई है।
- डिजिटल विपणन, जीआईएस आदि पर कार्यशालाओं का आयोजन।

शिलांग

श्रीनगर

नाइलिट श्रीनगर/जम्मू इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जम्मू तथा कश्मीर सरकार के सहयोग से वर्ष 1983 में स्थापित एक अग्रणी सूचना प्रौद्योगिकी–मानव संसाधन विकास संगठन है। नाइलिट जम्मू तथा श्रीनगर द्वारा किए जा रहे विविध कार्यकलापों में औपचारिक तथा अनौपचारिक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराना, अनुसंधान एवं विकास के कार्यकलाप, परामर्श–सेवा तथा अस्पताल उपकरणों की मरम्मत एवं अनुरक्षण इंजीनियरी शामिल है। यह एक आईएसओ 9001:2008 प्रमाणित संगठन है और इसका शैक्षिक सम्पर्क कश्मीर विश्वविद्याल, जम्मू विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बम्बई, सिसको, ओरेकल, सर्ट–इन, एनपीटीईए, ईसी के साथ है। इसका मुख्य परिसर सिडको इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स, रंगरेथ में 7.5 एकड़ के मनोरम परिसर पर स्थित है तथा इसका निर्मित स्थान 50,000 वर्ग फुट है। इसका विस्तार केन्द्र जम्मू विश्वविद्यालय के नए परिसर में 25,000 वर्ग फुट के निर्मित स्थान पर स्थित है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☑ वायरलेस सेंसर नेटवर्क
- ☑ सूचना सुरक्षा
- ☑ अस्पताल उपकरणों की मरम्मत तथा अनुरक्षण

पाठ्यक्रमों का संचालन

☑ **अल्पावधि पाठ्यक्रमः**

• वेब डिजाइनिंग, डॉट नेट प्रौद्योगिकियाँ • अन्तर्निर्मित प्रणाली प्रोग्रमन • एन्ड्रॉएड प्रोग्रामिंग • मैटलैब, सीसीएनए, सीसीएनपी • लिनक्स नेटवर्किंग • एकीकृत नेटवर्किंग औद्योगिक प्रोग्राम • वायरलेस सेंसर नेटवर्क • नीतिपरक हैकिंग एवं साइबर फोरेन्सिक • पायथन • ओरेकल एसक्यूएल/पीएल डेवलपर, ओरेकल अनुप्रयोग डेवलपर • वीएलएसआई डिजाइनिंग, ऑटोकैड, सीसीसी/बीसीसी, मोबाइल फोनों की मरम्मत, पीसी संयोजन एवं परीक्षण, जैव–जिकित्सकीय उपस्करों के प्रचालन एवं अनुरक्षण में डिप्लोमा।

☑ **दीर्घावधि पाठ्यक्रम**

• एमसीए/एमएससी–आईटी (कश्मीर विश्वविद्यालय से संबद्ध) • पीजीडीसीए (जम्मू विश्वविद्यालय से संबद्ध) • नाइलिट आईटी ओ/ए/बी स्तर के पाठ्यक्रम • नाइलिट जैव–सूचना प्रौद्योगिकी ओ/ए स्तर के पाठ्यक्रम • नाइलिट हार्डवेयर ओ/ए स्तर के पाठ्यक्रम।

कार्यकारी समिति की बैठक(कें):
26वीं ईसी बैठक, 11 अगस्त, 2015

कार्मिकः
नियमितः 56
परियोजना आधारितः 41

कारोबारः
रु. 1108.36 लाख

कार्यकारी निदेशकः
डॉ. ए.एच. मून

पताः
नाइलिट श्रीनगर
सिडको इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स
पुराना एअरपोर्ट रोड, रंगरेथ
श्रीनगर–191132
जम्मू तथा कश्मीर

सम्पर्क के ब्यौरेः
फोनः 0194–2300501, 2300502
फैक्सः 0194–2300949
ई–मेलः dir-srinagar@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्यः
जम्मू तथा कश्मीर
उत्तराखण्ड

विस्तार केन्द्रः
जम्मू
लेह

विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट जम्मू तथा कश्मीर ने आईसीटी में विभिन्न क्षमता निर्माण तथा कौशल विकास कार्यक्रमों के अन्तर्गत 20,000 से ज्यादा विद्यार्थियों का विद्यार्थी पंजीकरण / प्रमाणन प्राप्त किया।
- स्कूली शिक्षा विभाग, जम्मू तथा कश्मीर सरकार के मॉडल विद्यालयों में कम्प्यूटर प्रयोगशाला सहित स्मार्ट क्लासरूमों की स्थापना।
- केन्द्र इस समय जम्मू तथा कश्मीर सरकार के स्कूली शिक्षा विभाग के लिए 440 स्मार्ट क्लासरूमों की स्थापना तथा 300 से ज्यादा स्कूली शिक्षकों के क्षमता निर्माण के लिए आईसीटी परियोजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा है।
- डिजिटल भारत कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, जम्मू तथा कश्मीर राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रसार करने के लिए एनडीएलएम योजना के अन्तर्गत लगभग 4000 विद्यार्थियों को पंजीकृत तथा 1332 विद्यार्थियों को प्रमाणित किया गया।
- समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, 154 विद्यार्थियों को 'ओ' स्तर सॉफ्टवेयर तथा 42 विद्यार्थियों को 'ओ' स्तर हार्डवेयर पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकृत किया गया।
- जम्मू तथा कश्मीर सरकार द्वारा विज्ञापित विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए पिछले 2 वर्षों के दौरान श्रीनगर तथा जम्मू में 100,000 उम्मीदवारों के लिए कम्प्यूटर आधारित मूल्यांकन परीक्षा आयोजित किया गया।
- नाइलिट जम्मू तथा कश्मीर को आईएसईए परियोजना चरण–II का संचालन 5 वर्षों की अवधि के लिए करने के प्रयोजन से एक प्रतिभागी संस्थान तथा कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में शामिल किया गया।
- जम्मू तथा कश्मीर सरकार के अधिकांश अस्पतालों के अस्पताल उपकरणों, ब्लड बैंक उपकरणों की मरम्मत तथा अनुरक्षण का कार्य नाइलिट जम्मू तथा कश्मीर द्वारा किया जा रहा है।
- साम्बा जिला प्रशासन (जम्मू तथा कश्मीर) के लिए ऑनलाइन पीआरसी (स्थायी निवासी प्रमाण–पत्र) अनुप्रयोग का विकास किया गया।
- नागरिक सहकारिता बैंक जम्मू की 16 शाखाओं मे सीबीएस का कार्यान्वयन इस समय किया जा रहा है।
- नाइलिट श्रीनगर में मॉडल आजीविका केन्द्र स्थापित किया गया। प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण पूरा किया गया। जम्मू तथा कश्मीर के भवन एवं अन्य निर्माण मजदूर कल्याण बोर्ड के लिए भर्ती अभियान भी किया गया, जिसमें आरम्भभ में 26 डेटा प्रविष्टि प्रचालकों का चयन 6 माह की अवधि के लिए किया गया।

श्रीनगर

संस्था के लेखा परीक्षक

क्र.सं.	फर्म का नाम	नाइलिट केन्द्र
1.	ए.एस.बेदमुथा एण्ड कं. ओ–1, एज आर्केड ओस्मानपुरा औरंगाबाद – 431 005	औरंगाबाद
2.	एस.ए. मजुमदार एण्ड एसोसिएटस, ठाकुर पल्ली रोड, कृष्णनगर, पोस्ट बाक्स नं. 34 अगरतला– 799 001	अगरतला
3.	अनिल हितेश एण्ड एसोसिएटस बारेक मार्केट, पहली मंजिल एन.एस. एवेन्यूस, रंगिरखरी सिलचर – 788005	आइज़ॉल
4.	अम्बानी एण्ड कं. 21, देव अम्बा कॉम्प्लेक्स प्रथम बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने स्टेशन रोड, अजमेर–305001	अजमेर
5.	एसीआर एण्ड कं. 17/1492–ई2, कैथे बिल्डिंग आलुक्कस ज्वेलरी के पास राम मोहन रोड कालीकट – 673004	कालीकट
6.	मेसर्स ए.वी.नारायणस्वामी एण्ड एन.चूड़ामणि नया नं. 14 पुराना नं., दूसरी मंजिल नाथमुनि स्ट्रीट, टी. नगर चेन्नै– 600 017	चेन्नै
7.	मेसर्स नवीन सोनी एण्ड एसोसिएटस 1286, पहली मंजिल, सेक्टर 21–बी, चंडीगढ़–160022	चण्डीगढ़
8.	मेसर्स एन. मार्डा एण्ड एसो. जल आपूर्ति नियंत्रण कार्यालय के सामने 164/1, तिब्बत रोड गंगटोक–737 101	गंगटोक
9.	मेसर्स एस.पी. भाटी एण्ड कं. दूसरी मंजिल, रोशन मार्केट एसआरसीबी रोड गुवाहाटी – 781 001	गुवाहाटी
10.	मेसर्स दिलीप खैतान एण्ड कं. 362–बी, बेतिया हाटा हनुमान मंदिर के पास गोरखपुर– 273 001	गोरखपुर

क्र.सं.	फर्म का नाम	नाइलिट केन्द्र
11.	बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस 217, ध्रुव अपार्टमेंटस 4, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपड़गंज नई दिल्ली– 110 092	मुख्यालय
12.	मेसर्स नाग एण्ड एसोसिएटस बी–6, देवी शॉपंग कॉम्प्लेक्स डाकघर एवं थाना डानकुनी जिला हुगली– 712311	ईटानगर
13.	सेसर्स एस.एल.गंगवाल एण्ड कं. अरीहन्त,एस–23, मंगल मार्ग बापू नगर, जयपुर– 302015	इम्फाल
14.	मेसर्स संजय कुमार जैन एण्ड एसोसिएटस गुरुमुख बिल्डिंग इलाहाबाद बैंक के पास कालीबाड़ी रोड, दीमापुर नागालैण्ड	कोहिमा
15.	मेसर्स सर्राफ एण्ड चन्द्रा 501, अशोक हाउस बी .ए, हेयर स्ट्रीय, 5वीं मंजिल कोलकाता – 700 001	कोलकाता एवं राँची
16.	बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस 217, ध्रुव अपार्टमेंटस 4, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपड़गंज नई दिल्ली– 110 092	नई दिल्ली
17.	मेसर्स सच्चिदानन्द चौधरी एण्ड कं. 401, राजेन्द्र एन्क्लेव शशि कॉम्प्लेक्स के पीछे एक्जीबिशन रोड पटना	पटना
18.	मेसर्स एसडीएम एण्ड कं. ईएनएनसीओ फिलिंग स्टेशन के पास शेख अल–आलम अस्पताल के सामने छोटा बाजार, करण नगर श्रीनगर – 190 010	श्रीनगर
19.	मेसर्स आर.पाल एण्ड कं. सी.पी.आई. कार्यालय परिसर क्विंटन रोड शिलांग–793 001	शिलोंग

बी.डी.गुप्ता एण्ड एसोसिएट्स
शासपत्रित लेखाकार

स्वतंत्र लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में
अध्यक्ष
शासी परिषद्
राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सीचना प्रौद्योगिकी संस्थान

वित्तीय विवरण पर रिपोर्ट

हमने राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली–110003 (जिसे आगे 'सोसायटी' कहा जाएगा), संस्था पंजीकरण अधिनियम 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत संस्था, के संलग्न वित्तीय विवरणों की लेखा–परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष का तुलन–पत्र तथा इसी वर्ष में समाप्त आय तथा व्यय लेखा, प्राप्ति एवं भुगतान लेखा तथा उसके साथ संलग्न महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ एवं अन्य स्पष्टीकरण सूचना शामिल हैं, जिसके साथ दिल्ली मुख्यालय, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर तथा अन्य लेखा–परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित 19 केन्द्रों – आइजॉल, औरंगाबाद, कालीकट, गोरखपुर, इम्फाल, श्रीनगर, गुवाहाटी, कोलकाता, चण्डीगढ़, कोहिमा, चेन्नै, अगरतला, शिलांग, गंगटोक, अजमेर, पटना, राँची तथा ईटानगर के विवरण और हमारे द्वारा लेखा परीक्षित दिल्ली केन्द्र के विवरण शामिल किए गए हैं।

वित्तीय विवरणों पर प्रबंध वर्ग की जिम्मेदारी

इन वित्तीय विवरणों को तैयार तथा प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी सोसायटी के प्रबंध वर्ग की है, जो भारत में सामान्य रूप में स्वीकृत लेखांकन के सिद्धान्तों के अनुसार सोसायटी की वित्तीय स्थिति तथा वित्तीय निष्पादन का सही चित्र प्रस्तुत करते हैं। इस जिम्मेदारी में सोसायटी की परिसम्पत्तियों की सुरक्षा के लिए विभिन्न अधिनियमों के प्रावधानों के अनुसार लेखों के पर्याप्त रिकार्डों का रखरखाव करना तथा धोखाधड़ियों एवं अन्य अनियमितताओं की रोकथाम एवं संसूचन; समुचित लेखांकन नीतियों का चयन एवं प्रयोग, ऐसे निर्णय लेना तथा अनुमान लगाना जो यथोचित एवं विवेकपूर्ण हों; तथा पर्याप्त आन्तरिक वित्तीय नियंत्रण कार्यान्वयन एवं अनुरक्षण करना, जो लेखांकन रिकार्डों की शुद्धता एवं पूर्णता का सुनिश्चय करने के लिए प्रभावी रूप से चल रहे हैं तथा जो वित्तीय विवरण तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए प्रासंगिक हो जो किसी प्रकार के तथ्यात्मक गलत विवरण, चाहे धोखाधड़ी के कारण या गलती से हो, से मुक्त हो, शामिल हैं।

लेखा–परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखा–परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय देनी है। हमने लेखांकन तथा लेखा–परीक्षा के मानकों तथा ऐसे मामलों पर ध्यान दिया है जो अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत लेखा–परीक्षा रिपोर्ट में शामिल करना अपेक्षित है।

हमने लेखांकन के मानकों के अनुसार अपनी लेखा–परीक्षा की है। मानकों में अपेक्षा की गई है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें तथा लेखा–परीक्षा की योजना एवं निष्पादन इस प्रकार करें कि एक यथार्थ आश्वासन प्राप्त किया जाए कि वित्तीय विवरण तथ्यात्मक गलत विवरण से मुक्त है।

लेखा–परीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशि तथा प्रकटनों के बारे में लेखा–परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने की कार्यात्मक कार्यपद्धति शामिल होती है। चयन की जाने वाली कार्यपद्धति लेखा–परीक्षक के निर्णय पर निर्भर करेगी, जिसमें वित्तीय विवरणों के तथ्यात्मक गलत विवरण, चाहे धोखाधड़ी के कारण या गलती से, के जोखिम का मूल्यांकन शामिल होता है। इन जोखिम मूल्यांकनों को करने में लेखा–परीक्षक वित्तीय विवरण को तैयार करने से संबद्ध आन्तरिक वित्तीय नियंत्रणों पर विचार करता है जो लेखा की कार्यपद्धति तैयार करने के लिए एक सही एवं स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करता है जो परिस्थितियों के लिए समुचित हों लेकिन यह राय व्यक्त करने के लिए नहीं है कि चाहे सोसायटी में वित्तीय रिपोर्टिंग के मामले में पर्याप्त आन्तरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली उपलब्ध है तथा ऐसे नियंत्रणों के प्रचालन की प्रभावशीलता कितनी है। प्रयोग में लाई गई लेखांकन नीतियों की यथार्थता और सोसायटी के प्रबंध वर्ग द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों के औचित्य का मूल्यांकन करना, और साथ ही वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन करना भी लेखा परीक्षा में शामिल है।

हमारा विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा–परीक्षा साक्ष्य वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखा–परीक्षा की राय व्यक्त करने के आधार के लिए पर्याप्त और समुचित है।

सापेक्ष राय का आधारः

स्वतंत्र लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट की सापेक्षता पर विस्तृत राय इस रिपोर्ट के साथ संलग्न अनुबंध के रूप में दी गई है।

सापेक्ष राय

हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम सूचना और हमे दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उपर्युक्त वित्तीय विवरण अधिनियम द्वारा वांछित सूचना इस प्रकार प्रस्तुत करते हैं कि ये भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों के अनुसरण में सही एवं स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करते हैः

क) तुलन पत्र के मामले में, सोसायटी के 31 मार्च 2016 के अनुसार कार्य की स्थिति तथा
ख) आय तथा व्यय लेखा के मामले में, उस तिथि को समाप्त वर्ष में अतिशेष; तथा
ग) प्राप्ति एव भुगतान लेखा के मामले में, उस तिथि को समाप्त वर्ष की प्राप्तियाँ एवं भुगतान।

ध्यान देने योग्य बिन्दु

हम इन बिन्दुओं पर ध्यान आकर्षित करते हैः अनुसूची 24 में लेखांकन नीति में परिवर्तन से संबंधित बिन्दु सं. 8, अनुसूची 25 में अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण से संबंधित बिन्दु सं. 3, अनुसूची 25 में राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर से संबधित बिन्दु सं. 4(ख), (ग), (घ), (ड), (च), (छ), अनूसूची 25 में मुख्यालय द्वारा प्रदान की गई प्रत्यायन सेवा पर सेवा कर का संग्रह नहीं किए जाने के संबंध में बिन्दु सं. 6, अनुसूची 25 में चण्डीगढ़ नगर निगम से वसूली योग्य राशि के संबंध में बिन्दु सं. 7, अनुसूची 25 में देनदारों तथा लेनदारों के शेष की पुष्टि एवं मिलान के संबंध में बिन्दु सं.10।

लेकिन, उपर्युक्त के मामले में हमारी राय सापेक्ष नहीं है।

B.D. Gupta & Associates Chartered Accountants DELHI FRN 016041N

कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
(फर्म पंजीकरण नम्बर 016041एन)

सीए सचिन कुमार
(भागीदार)
(सदस्य संख्या 511820)

स्थानः दिल्ली
दिनांकः 07.09.2016

दिल्लीः 217, ध्रुव अपार्टमेंट, 4 आई.पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली–110092 फोन : 011–22724123–22720236
गुड़गांव : 777, सेक्टर–39, नीयर साइबर पार्क, गुड़गांव–122001
ईमल : bdgupta.associates@gmail.com; bdguptaca@gmail.com / फैक्स : 011–22720236

तुलन–पत्र

31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
देयताएँ			
समेकित/पूँजीगत निधि	1	4,77,71,93,968	4,22,49,24,938
सहायता अनुदान	2	2,35,85,06,206	1,75,11,36,454
सहायता अनुदान (ख) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त निधि	2-A	1,73,14,75,679	1,47,77,21,545
आरक्षित एवं अतिशेष	3	16	6
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि	4	2,83,69,57,470	2,29,45,71,080
सुरक्षित ऋण एवं उधारी	5	-	7,316
असुरक्षित ऋण एवं उधारी	6	-	-
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	7	2,65,13,72,700	2,82,64,87,668
योग		**14,35,55,06,039**	**12,57,48,49,007**
परिसम्पत्तियाँ			
स्थिर परिसम्पत्तियाँ	8	61,58,70,820	63,55,52,658
स्थिर परिसम्पत्तियाँ–प्रायोजित परियोजनाए	8-A	11,57,43,074	7,15,69,990
स्थिर परिसम्पत्तियाँ– संस्था की अतिशेष पूँजी से	8-B	5,49,29,562	5,23,52,965
पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य	9	1,16,03,67,053	55,70,55,786
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि का निवेश	10	73,12,21,299	89,00,15,100
अन्य निवेश	11	96,23,51,211	80,62,19,704
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ आदि	12	10,71,50,23,020	9,56,20,82,804
योग		**14,35,55,06,039**	**12,57,48,49,007**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24		
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25		

हमारी इसी तारीख की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –016041एन

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 07.09.2016

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

(सीए सचिन कुमार)
(भागीदार)
(एम. सं. 511820)

तुलन–पत्र

31 मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष नाइलिट	वर्तमान वर्ष एनपीआर परियोजना	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष नाइलिट	गत वर्ष एनपीआर	गत वर्ष
देयताएँ							
समेकित/पूँजीगत निधि	1	2,07,22,56,914	2,70,49,37,054	**4,77,71,93,968**	1,58,36,80,478	2,64,12,44,460	**4,22,49,24,938**
सहायता अनुदान	2	2,35,85,06,206	-	**2,35,85,06,206**	1,75,11,36,454		**1,75,11,36,454**
सहायता अनुदान (ख) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त निधि	2-A	1,73,14,75,679	-	**1,73,14,75,679**	1,47,77,21,545		**1,47,77,21,545**
आरक्षित एवं अतिशेष	3	16	-	**16**	6		**6**
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि	4	1,04,33,56,852	1,79,36,00,618	**2,83,69,57,470**	92,44,12,753	1,37,01,58,327	**2,29,45,71,080**
सुरक्षित ऋण एवं उधारी	5	-	-	**-**	7,316		**7,316**
असुरक्षित ऋण एवं उधारी	6	-	-	**-**	-		**-**
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	7	1,16,64,80,268	1,48,48,92,432	**2,65,13,72,700**	78,47,99,304	2,04,16,88,364	**2,82,64,87,668**
योग		**8,37,20,75,935**	**5,98,34,30,104**	**14,35,55,06,039**	**6,52,17,57,856**	**6,05,30,91,151**	**12,57,48,49,007**
परिसम्पत्तियाँ							
स्थिर परिसम्पत्तियाँ– सहायता अनुदान	8	61,58,70,820	-	**61,58,70,820**	63,55,52,658		**63,55,52,658**
स्थिर परिसम्पत्तियाँ– प्रायोजित परियोजनाएँ	8-A	11,52,56,634	4,86,440	**11,57,43,074**	7,00,72,756	14,97,234	**7,15,69,990**
स्थिर परिसम्पत्तियाँ– संस्था की अतिशेष पूँजी से	8-B	5,49,29,562	-	**5,49,29,562**	5,23,52,965		**5,23,52,965**
पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य	9	1,16,03,67,053	-	**1,16,03,67,053**	55,70,55,786		**55,70,55,786**
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि का निवेश	10	73,12,21,299	-	**73,12,21,299**	89,00,15,100		**89,00,15,100**
अन्य निवेश	11	96,23,51,211	-	**96,23,51,211**	80,62,19,704		**80,62,19,704**
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ	12	4,73,20,79,356	5,98,29,43,664	**10,71,50,23,020**	3,51,04,88,887	6,05,15,93,917	**9,56,20,82,804**
योग		**8,37,20,75,935**	**5,98,34,30,104**	**14,35,55,06,039**	**6,52,17,57,856**	**6,05,30,91,151**	**12,57,48,49,007**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24						-
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25						

हमारी इसी तारीख की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –016041एन

B.D. Gupta & Associates Chartered Accountants DELHI FRN 016041N

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 07.09.2016

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

(सीए सचिन कुमार)
(भागीदार)
(एम. सं. 511820)

आय तथा व्यय लेखा
31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
आय			
सेवाओं से आय	13	84,75,47,449	79,05,02,634
अनुदान/इमदाद	14	14,64,54,497	18,00,90,359
शुल्क/अंशदान	15	86,32,66,192	62,20,77,007
परियोजनाओं से आय	16	92,52,49,354	2,06,60,33,575
प्रकाशनों की बिक्री से आय	17	1,82,75,312	1,13,59,685
अर्जित ब्याज	18	27,19,11,439	24,74,32,587
टाउनशिप से प्राप्तियाँ	19	23,73,100	4,32,287
विविध आय	20	15,67,08,324	16,80,37,423
योग (क)		**3,23,17,85,667**	**4,08,59,65,557**
व्यय			
स्थापना व्यय	21	62,29,11,307	57,03,04,329
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	43,55,74,592	36,93,08,388
परियोजनाओं पर व्यय	23	62,46,54,259	56,75,93,629
सेवाओं पर व्यय	23	71,09,91,488	56,51,11,315
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास– जीआईए में से	22	11,52,78,862	11,46,49,267
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास –अधिशेष में से	22	1,09,45,435	1,23,34,520
योग (ख)		**2,52,03,55,943**	**2,19,93,01,448**
व्यय से अधिक आय के रूप में शेष (क – ख)		71,14,29,724	1,88,66,64,109
घटाइए: एण्डाउमेंट निधि को अन्तरित ब्याज		8,52,35,505	8,97,84,647
अधिशेष के रूप में शेष को समेकित निधि/पूँजीगत निधि में ले जाया गया		**62,61,94,219**	**1,79,68,79,462**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24		
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25		

हमारी इसी तारीख की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –016041एन

B.D. Gupta & Associates
DELHI
FRN
016041N
Chartered Accountants

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 07.09.2016

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

(सीए सचिन कुमार)
(भागीदार)
(एम. सं. 511820)

आय तथा व्यय लेखा
31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष नाइलिट	वर्तमान वर्ष एनपीआर परियोजना	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष नाइलिट	गत वर्ष एनपीआर	गत वर्ष
आय							
सेवाओं से आय	13	84,75,47,449	-	84,75,47,449	79,05,02,634		79,05,02,634
अनुदान/इमदाद	14	14,64,54,497	-	14,64,54,497	18,00,90,359	-	18,00,90,359
शुल्क/अंशदान	15	86,32,66,192	-	86,32,66,192	62,20,77,007	-	62,20,77,007
परियोजनाओं से आय	16	68,74,15,076	23,78,34,278	92,52,49,354	67,20,15,963	1,39,40,17,612	2,06,60,33,575
प्रकाशनों की बिक्री से आय	17	1,82,75,312	-	1,82,75,312	1,13,59,685	-	1,13,59,685
अर्जित ब्याज	18	26,98,15,506	20,95,933	27,19,11,439	24,53,97,172	20,35,415	24,74,32,587
टाउनशिप से प्राप्तियाँ	19	23,73,100	-	23,73,100	4,32,287	-	4,32,287
विविध आय	20	15,66,86,292	22,032	15,67,08,324	16,80,31,992	5,431	16,80,37,423
योग (क)		**2,99,18,33,424**	**23,99,52,243**	**3,23,17,85,667**	**2,68,99,07,099**	**1,39,60,58,458**	**4,08,59,65,557**
व्यय							
स्थापना व्यय	21	62,14,83,186	14,28,121	62,29,11,307	56,54,24,810	48,79,519	57,03,04,329
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	43,46,12,356	9,62,236	43,55,74,592	36,83,00,140	10,08,248	36,93,08,388
परियोजनाओं पर व्यय	23	45,10,39,341	17,36,14,918	62,46,54,259	49,38,49,684	7,37,43,945	56,75,93,629
सेवाओं पर व्यय	23	71,09,91,488	-	71,09,91,488	56,51,11,315	-	56,51,11,315
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास–सहायता अनुदान	22	11,52,78,862	-	11,52,78,862	11,46,49,267	-	11,46,49,267
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास–अधिशेष से	22	1,09,45,435	-	1,09,45,435	1,23,34,520	-	1,23,34,520
योग (ख)		**2,34,43,50,668**	**17,60,05,275**	**2,52,03,55,943**	**2,11,96,69,736**	**7,96,31,712**	**2,19,93,01,448**
व्यय से अधिक आय के रूप में शेष (क – ख)		64,74,82,756	6,39,46,968	71,14,29,724	57,02,37,363	1,31,64,26,746	1,88,66,64,109
घटाइए: एण्डाउमेंट निधि को अन्तरित ब्याज		8,52,35,505	-	8,52,35,505	8,97,84,647	-	8,97,84,647
अधिशेष के रूप में शेष को समेकित/पूँजीगत निधि में ले जाया गया		**56,22,47,251**	**6,39,46,968**	**62,61,94,219**	**48,04,52,716**	**1,31,64,26,746**	**1,79,68,79,462**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24						
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25						

हमारी इसी तारीख की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –016041एन

B.D. Gupta & Associates Chartered Accountants DELHI FRN 016041N

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 07.09.2016

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

(सीए सचिन कुमार)
(भागीदार)
(एम. सं. 511820)

अनुसूची 1 :

समेकित/पूँजीगत निधि

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
आय तथा व्यय समायोजन खाता		
वर्ष के आरम्भ में शेष	4,07,39,26,937	2,39,52,29,961
जोड़िए/घटाइए : मुख्यालय के अतिशेष से केन्द्रों को अन्तरित	-	(69,13,000)
घटाइए : दिल्ली केन्द्र के लिए भवन निधि को अन्तरित	(6,50,00,000)	(10,00,00,000)
घटाइए : पुरस्कार निधि को अन्तरित	(25,25,000)	
जोड़िए/घटाइए : अन्य पूर्व अवधि समायोजन	18,54,070	79,65,214
घटाइए : उपदान एवं छुट्टी नकदीकरण निधि	(82,54,258)	(1,92,34,699)
जोड़िए : सहायता अनुदान से अन्तरित निधि	-	-
जोड़िए: व्यय/(आय) से अधिक आय/(व्यय)	62,61,94,219	1,79,68,79,462
योग क	**4,62,61,95,968**	**4,07,39,26,938**
नाइलिट योजना के अतिशेष जारी		
अथ शेष योग ख	**15,09,98,000**	**15,09,98,000**
वर्ष के अन्त में शेष योग क + ख	**4,77,71,93,968**	**4,22,49,24,938**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 2 :

सहायता अनुदान

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
मुख्य कार्यकलापों के लिए सहायता अनुदान–क बजटीय स्रोत		
केन्द्र सरकार से सहायता अनुदान		
अथ शेष	1,49,27,53,485	1,35,39,91,937
जोडिएः ब्याज पूँजीकृत	41,34,164	1,58,88,754
जोडिएः इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से प्राप्त योजनागत अनुदान/केन्द्रों द्वारा वापस	5,00,00,000	7,00,00,000
जोड़िए : नए केन्द्रों के लिए योजनागत अनुदान	53,72,93,628	27,32,24,779
घटाइए : मुख्यालय को लौटाई गई राशि	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त निधियाँ (योजना)	-	-
घटाइए : आवर्ती व्यय के लिए राजस्व को अन्तरित	-	(9,40,28,201)
जोड़िए/(घटाइए) : वर्ष के दौरान प्रयुक्त/पूँजीकृत/अन्य केन्द्रों को अन्तरित	(1,36,91,188)	10,13,886
जोड़िए/घटाइए : समायोजन	(2,67,085)	(1,26,88,403)
घटाइए : मूल्यह्रास वापस किया गया	(11,52,78,862)	(11,46,49,267)
31.03.16 को इति शेष	**1,95,49,44,142**	**1,49,27,53,485**
नाइलिट केन्द्रों के इंट्रानेट की स्थापना	8,03,67,699	6,51,53,644
जोड़िए : इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से प्राप्त	-	1,54,48,755
जोड़िए : वर्ष के दौरान ब्याज	4,02,149	2,07,480
घटाइए : इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को वापसी	(37,02,235)	-
घटाइए : केन्द्रों को वितरित निधि	(7,70,67,613)	(4,42,180)
31.03.16 को इति शेष	**-**	**8,03,67,699**
सहायता अनुदान (विस्तार केन्द्र)		**-**
अथ शेष	11,72,39,662	5,81,00,867
वर्ष के दौरान इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से प्राप्त योजनागत अनुदान	23,65,33,000	7,63,77,000
गत वर्षों की स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए योजनागत अनुदान	1,30,00,000	50,17,677
जोड़िए : अर्जित ब्याज/अन्य स्रोतो से आय	16,31,899	17,08,854
जोड़िए : पाठ्यक्रमों से आय	-	16,25,000
घटाइए : आस्थगित राजस्व व्यय वापस किया गया	(26,10,473)	(37,51,234)
घटाइए : मुख्यालय को लौटाई गई	(1,00,03,000)	-
घटाइए : पूर्व अवधि समायोजन	(11,75,644)	(2,64,000)
घटाइए : आवर्ती व्यय एवं सहायता अनुदान योजना भिन्न को अन्तरित	(3,91,01,119)	(95,02,490)
घटाइए : मूल्यह्रास वापस किया गया	(1,51,83,044)	(1,20,72,012)
31.03.16 को इति शेष	**30,03,31,281**	**11,72,39,662**
भवन के लिए सहायता अनुदान		
अथ शेष	4,17,39,412	3,48,26,412
जोड़िए : पूँजीकृत ब्याज मूल्यह्रास	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त	4,69,29,299	69,13,000
31.03.16 को इति शेष	**8,86,68,711**	**4,17,39,412**
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से पट्टा किराया के लिए अनुदान		
अथ शेष	47,45,000	50,66,667
वर्ष के दौरान प्रयुक्त	(44,29,375)	(3,21,667)
31.03.15 को इति शेष	**3,15,625**	**47,45,000**

जारी है.....

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 2 :

सहायता अनुदान

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
राज्य सरकार से सहायता अनुदान		
अथ शेष	1,42,01,195	1,42,94,914
जोड़िए : पूँजीकृत निधियाँ/ब्याज	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
घटाइए : मूल्यह्रास वापस किया गया	(44,749)	(93,719)
31.03.16 को इति शेष	**1,41,56,446**	**1,42,01,195**
अन्यों से सहायता अनुदान		
अथ शेष	90,001	90,001
31.03.16 को इति शेष	**90,001**	**90,001**
वर्ष के अन्त में शेष	**2,35,85,06,206**	**1,75,11,36,454**

टिप्पणी:-i) सहायता अनुदान के अथशेष में गत वर्षों के वापस लाए गए मूल्यह्रास तथा गत वर्षों में पूँजीगत निधि से अन्य समायोजन शामिल हैं।

ii) केन्द्रों को जारी अतिशेष निधियों की राशि समेकित निधि में अन्तरित की गई है।

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 2क :

प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त सहायता–अनुदान (ख)

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्त सहायता अनुदान		
डोनर परियोजना		
अथ शेष	16,82,919	30,86,159
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
घटाइए: प्रयोग में लाई गई/लौटाई गई निधि	-	(13,32,060)
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	(35,087)	(71,180)
वर्ष के अन्त में शेष (क)	**16,47,832**	**16,82,919**
डीआईटी एवं केन्द्र सरकार की परियोजनाएँ		
अथ शेष	1,46,89,10,798	60,84,25,127
जोडिए: परियोजना के लिए प्राप्त निधि	1,34,19,18,515	1,62,88,64,530
गत वर्षों की स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए योजनागत निधियाँ	12,58,000	36,79,711
जोड़िए : वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	9,20,92,163	4,15,80,277
अन्य संवर्धन: फीस/पेशगियाँ आदि	66,53,358	14,58,178
घटाइए: प्रयुक्त/वितरित/वापस की गई निधियाँ	(1,17,35,36,203)	(80,00,90,712)
घटाइए : परियोजना आय को अन्तरित व्यय	(3,57,351)	(5,20,914)
जोड़िए/घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	(1,72,59,869)	(1,44,85,399)
परियोजना पूरी होने तक निधियो का शेष (ख)	**1,71,96,79,411**	**1,46,89,10,798**
अन्य परियोजनाएँ	-	-
अथ शेष	12,16,031	20,08,070
जोडिए: वर्ष के दौरान प्राप्त/अन्तरित निधि	1,11,46,022	34,77,024
घटाइए: आवर्ती एवं पूँजीगत व्यय/वापसी	(79,64,812)	(42,03,857)
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	(1,68,631)	(65,206)
परियोजना पूरी होने तक निधियो का शेष (घ)	**42,28,610**	**12,16,031**
(राज्य सरकार की परियोजनाएँ)		
अथ शेष	59,11,797	58,18,877
जोडिए: वर्ष के दौरान प्राप्त निधि	25,71,278	46,31,928
जोडिए: वर्ष के दौरान निवेश से ब्याज/आय	-	4,491
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	-	-
घटाइए: आवर्ती व्यय/प्रयुक्त निधि	(25,63,249)	(45,43,499)
परियोजना पूरी होने तक निधियो का शेष (ङ)	**59,19,826**	**59,11,797**
राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर		
अथ शेष	-	-
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
केन्द्रों को अन्तरित	-	-
जोड़िए : परियोजनाओं से आय	-	-
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : पूँजीगत/आवर्ती व्यय	-	-
घटाइए : एपीआर खाते को अन्तरित (अलग खाता रखे जाने के कारण)	-	-
31.03.16 को वर्ष के अन्त में शेष (च)	-	-
योग (क+ख+ग+घ+ङ)	**1,73,14,75,679**	**1,47,77,21,545**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 3 :

आरक्षित निधि एवं अतिशेष

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
पूँजीगत आरक्षित निधि*	16	6
सामान्य आरक्षण	-	-
आय तथा व्यय लेखा के अनुसार अतिशेष / (कमी)	-	-
योग	**16**	**6**

*निःशुल्क रूप में प्राप्त परिसम्पत्तियों के संबंध में

हस्ता / –
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता / –
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 4 :

इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क. निधियों का अथ शेष		
भवन निधि	66,53,88,207	60,83,58,320
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,78,04,880	3,59,30,296
जोड़िए : अर्जित ब्याज	1,93,98,008	2,20,24,112
घटाइए : वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधि	-	(9,24,521)
वर्ष के अन्त में कुल निधियाँ	**71,25,91,095**	**66,53,88,207**
पाठसामग्री विकास निधि	43,49,705	55,94,864
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधि	(29,68,490)	(17,23,915)
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	4,34,802	4,18,651
जोड़िए : अर्जित ब्याज	57,376	60,105
वर्ष के अन्त में कुल निधियाँ	**18,73,393**	**43,49,705**
अ.जा/अ.ज.जा, विकलांग एवं महिला छात्रवृत्ति निधि	49,09,845	58,82,445
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	6,405	(5,471)
जोड़िए : अर्जित ब्याज	5,34,888	5,26,871
घटाइए : प्रावधान/प्रयुक्त निधियाँ/वितरण	(32,76,000)	(14,94,000)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**21,75,138**	**49,09,845**
पुरस्कार निधि	(64,119)	1,51,666
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	25,25,000	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	-	14,215
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रावधान/प्रयुक्त निधियाँ	-	(2,30,000)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**24,60,881**	**(64,119)**
मानव संसाधन विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास निधि	4,06,04,503	3,70,76,283
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	21,78,208	21,17,966
जोड़िए : अर्जित ब्याज	13,60,874	14,10,254
घटाइए : प्रावधान/प्रयुक्त निधियाँ	-	-
उपलब्ध शेष निधियाँ	**4,41,43,585**	**4,06,04,503**
आईईसीटी के उदीयमान क्षेत्रों में पाठ्यक्रमों के पाठ्यविषय का विकास	4,18,85,595	3,82,78,502
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	27,50,903	26,10,883
जोड़िए : अर्जित ब्याज	5,13,535	9,96,210
घटाइए : प्रावधान/प्रयुक्त निधियाँ	(1,08,84,251)	
उपलब्ध शेष निधियाँ	**3,42,65,782**	**4,18,85,595**

जारी हैं.....

अनुसूची 4 :

इयरमार्क्ड / एनडाउमेंट निधि

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
प्रशिक्षण एवं नाइलिट के कार्मिकों का पुनः प्रशिक्षण	3,29,15,131	3,03,25,296
जोड़िए : वर्ष के दौरान संबंर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	30,91,769	31,09,625
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	1,53,619
घटाइए : प्रावधान / प्रयुक्त निधियाँ	(41,040)	(6,73,409)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**3,59,65,860**	**3,29,15,131**
उप दान एवं छुट्टी नकदीकरण निधि	3,06,22,508	1,04,07,691
जोड़िए : वर्ष के दौरान संबंर्धन	89,54,258	1,92,34,699
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	6,41,423	5,74,742
जोड़िए : अर्जित ब्याज	5,25,447	4,05,376
उपलब्ध शेष निधियाँ	**4,07,43,636**	**3,06,22,508**
चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति निधि	38,01,378	
जोड़िए : वर्ष के दौरान संबंर्धन	-	36,00,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	1,35,646	-
जोड़िए : अर्जित ब्याज	2,00,458	2,01,378
उपलब्ध शेष निधियाँ	**41,37,482**	**38,01,378**
दिल्ली केन्द्र के लिए भवन निधि	**10,00,00,000**	**-**
जोड़िए : वर्ष के दौरान संबंर्धन	2,00,00,000	10,00,00,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	11,50,00,000	-
जोड़िए : अर्जित ब्याज	(7,00,00,000)	-
उपलब्ध शेष निधियाँ	**16,50,00,000**	**10,00,00,000**
एनपीआर / आरजीआई निधि (ब्याज)	1,20,02,34,224	-
वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	1,86,14,15,021	2,51,21,51,475
जोड़िए : अर्जित ब्याज	9,95,74,073	5,82,41,076
घटाइएः एनपीआर परियोजना खाते में अन्तरित	(1,36,76,22,700)	(1,20,02,34,224)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**1,79,36,00,618**	**1,37,01,58,327**
वर्ष के अन्त में शुद्ध शेष	**2,83,69,57,470**	**2,29,45,71,080**

हस्ता / –
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता / –
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 5 :

सुरक्षित ऋण तथा उधारियाँ

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
बैंक से सावधि ऋण (वाहन को बंधक में रखने पर सुरक्षित)	-	7,316
अनुसूचित बैंक से नकद उधारी	-	-
अनुसूचित बैंकों में नकद जमा पर अर्जित ब्याज एवं प्राप्य	-	-
अन्य संस्थान एवं एजेंसियाँ	-	-
अन्य संस्थान एवं एजेंसियाँ	-	-
योग	**-**	**7,316**

अनुसूची 6 :

असुरक्षित ऋण तथा उधारियाँ

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
भारत सरकार से ऋण	-	-
राज्य सरकार से ऋण	-	-
अन्यों से ऋण	-	-
डिमाण्ड नकद उधारी	-	-
ऋण पर अर्जित ब्याज एवं प्राप्य	-	-
योग	**-**	**-**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 7 :

वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
(क) वर्तमान देयताएँ		
1. फुटकर लेनदार		
कम्प्यूटर तथा उपस्कर	1,15,84,054	94,33,267
आपूर्तिकर्ता	3,69,89,291	9,06,84,280
सेवाएँ	28,57,67,878	27,15,67,001
2. प्राप्त सुरक्षा जमा राशि		
आपूर्तिकर्ता एवं अन्य	5,20,25,106	5,07,36,911
बयाना राशि / प्रतिधारण राशि	28,69,18,292	28,21,93,516
जमानती राशि / पुस्तकालय सुरक्षा	2,14,69,910	1,82,68,044
प्रतिधारण राशि दण्ड	32,09,64,021	17,50,60,429
3. प्राप्त पेशगियाँ		
विद्यार्थियों से	6,08,35,103	8,03,85,392
अन्यों से	10,78,73,979	4,52,37,034
आरजीआई से	52,72,76,622	1,23,74,64,622
जम्मू तथा कश्मीर के स्कूली शिक्षा विभाग से	21,79,23,000	
आरजीआई से	-	-
4. व्यय की देयताएँ		
संचित ब्याज–सरकारी ऋण	-	-
संचित ब्याज–वित्तीय संस्थान	-	-
संचित ब्याज–अन्य	-	-
देयताएँ–अन्य व्यय	19,50,56,817	19,97,14,159
5. कर्मचारियों को देय वेतन, मजदूरी तथा अन्य दावे		
देय वेतन तथा मजदूरी	2,95,57,351	2,66,93,789
अदत्त वेतन तथा मजदूरी	-	3,470
कर्मचारियों को देय अन्य दावे	32,39,693	35,00,557
अनुबंध पर कर्मचारियों के वेतन तथा मजदूरी	1,28,32,647	80,04,317
6. निधियों में अंशदान		
कर्मचारियों का अनिवार्य अंशदान–(सीपीएफ / ईपीएफ)	59,11,990	84,16,379
कर्मचारियों का स्वैच्छिक अंशदान–सीपीएफ	88,113	7,80,888
अनुबंध पर कर्मचारियों का अंशदान–पीएफ	9,47,430	21,27,335
संस्था का अंशदान–सीपीएफ	67,82,783	1,20,59,737
ऋण की वसूली	32,079	7,81,357
जब्त किया गया खाता	-	43,569

जारी है.....

अनुसूची 7 :

वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची (राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
7. जमा नहीं होने तक वेतन से वसूलियाँ		
वेतन पर आयकर	28,08,912	26,30,267
जीवन/सामूहिक बीमा प्रीमियम	65,442	1,24,112
रोजगार/व्यावसायिक कर	3,68,872	2,80,405
प्रतिनियुक्ति पर आए व्यक्तियों से वसूली	-	150
वेतन से अन्य वसूलियाँ	5,15,772	7,40,102
सामूहिक बीमा	55,192	6,864
8. अन्य देयताएँ	-	(4,42,853)
ठेकेदारो/पेशेवरों/किराए से काटा गया आयकर	14,06,323	20,75,274
देय परीक्षा व्यय–ओ/ए/बी/सी	23,76,370	23,44,509
प्रत्यायन व्यय देय	97,280	97,218
परीक्षा व्यय देय – सीसीसी	22,91,538	14,93,043
चेक जारी/फटे–पुराने चेक	80,47,492	52,58,541
वापसी योग्य परीक्षा शुल्क	3,64,429	4,76,229
अन्य देय व्यय	4,24,59,023	2,66,56,380
लेखा–परीक्षक को देय राशि	5,39,657	5,56,774
वेतन पर टीडीएस	1,60,359	1,16,822
सेवा कर देय	(2,18,742)	67,54,716
केन्द्रीय बिक्री कर एवं वैट	1,32,976	2,26,142
केन्द्रों/विस्तार केन्द्रों/क्षेत्रीय कार्यालयो/एनपीआर परियोजना/नाइलिट को देय राशि	3,33,37,917	1,32,84,527
अन्तर–केन्द्र पटना आरसी	1,24,95,705	-
चण्डीगढ़ केन्द्र दिल्ली जनशक्ति	-	-
विस्तार केन्द्र की देयताएँ एवं प्रावधान	-	21,24,571
सूचना–सामग्री विकास के लिए पेशगी	1,85,000	1,85,000
योग (क)	**2,29,15,65,676**	**2,58,85,87,699**
(ख) प्रावधान		
कराधान के लिए प्रावधान	-	35,135
अनुग्रह राशि/बोनस के लिए प्रावधान	71,149	1,03,332
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य के लिए प्रावधान	-	-
देय सेवा कर के लिए प्रावधान	-	-
व्यय तथा अन्य के लिए प्रावधान	82,87,454	2,18,07,798
छुट्टी वेतन के लिए प्रावधान	17,79,94,419	16,81,69,834
उपदान के लिए प्रावधान	18,51,96,553	13,66,07,305
घटाइएः एलआईसी सामूहिक उपदान योजना द्वारा वित्तपोषित	(1,17,42,551)	(8,88,23,435)
योग (ख)	**35,98,07,024**	**23,78,99,969**
योग (क) + (ख)	**2,65,13,72,700**	**2,82,64,87,668**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 8 :

स्थिर परिसम्पत्तियों के विवरण

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	सकल मालियत				मूल्यह्रास			शुद्ध मालियत	सकल मालियत	
	वर्ष के आरम्भ में लागत 01.04.15 को	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान कटौती	31.03.2016 को लागत/मूल्य	वर्ष के आरम्भ मे	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान समायोजन/ कटौती	वर्ष के अन्त तक योग	वर्तमान वर्ष के अन्त में	गत वर्ष के अन्त में
1. भूमि										
क) फ्री होल्ड	5	1	-	6	-	-	-	-	6	5
ख) पट्टाकृत	30,000	3,000	-	33,000	-	-	-	-	33,000	30,000
2. भवन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) फ्री होल्ड	59,93,48,522	89,01,640	-	60,82,50,162	19,90,12,638	-	-	19,90,12,638	36,77,18,086	40,10,91,357
ख) पट्टाकृत	2,03,128	-	-	2,03,128	-	4,15,19,438	-	4,15,19,438	2,03,128	2,03,128
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	8,14,43,187	42,80,528	-	8,57,23,715	5,57,04,046	-	-	5,57,04,046	2,73,13,109	2,77,88,282
3. संयंत्र तथा मशीनरी एवं उपस्कर	8,41,60,428	12,41,866	-	8,54,02,294	6,30,69,372	27,06,560	-	6,57,75,932	1,90,63,634	2,13,02,851
4. वाहन	1,10,66,762	7,12,736	(4,73,774)	1,13,05,724	70,62,001	32,69,288	(4,73,774)	98,57,515	40,09,872	40,04,761
5.फर्नीचर तथा फिक्सचर	10,92,47,104	96,21,642	(56,43,496)	11,32,25,250	5,49,29,778	7,07,625	(45,89,416)	5,10,47,987	5,69,72,396	5,59,06,673
6. कार्यालय उपस्कर	8,06,39,986	1,42,13,478	(13,38,525)	9,35,14,939	4,21,14,355	59,12,492	(10,23,122)	4,70,03,725	4,54,77,834	3,87,83,514
7.कम्प्यूटर तथा पेरिफिरल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	36,05,34,116	5,87,28,750	(2,84,52,068)	39,08,10,798	31,87,01,533	69,45,872	(2,54,00,035)	30,02,47,370	5,32,55,687	4,31,95,098
8. विद्युत प्रतिष्ठापन	4,26,90,975	31,27,281	(2,61,051)	4,55,57,205	2,59,60,883	4,42,53,613	(2,50,994)	6,99,63,502	1,71,09,921	1,74,18,989
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	4,29,34,166	30,66,382	(2,61,446)	4,57,39,102	4,16,18,464	27,37,395	(2,61,446)	4,40,94,413	10,91,051	14,84,645
10. टयूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	55,32,712	2,35,387	-	57,68,099	35,75,592	32,91,033	-	68,66,625	19,73,256	19,57,120
11. इंटरनेट सम्पर्क	-	-	-	-	-	2,19,251	-	2,19,251	-	-
12. वातानुकूलन यत्र	1,13,52,232	3,25,690	(42,68,109)	74,09,813	68,84,131	-	(35,88,985)	32,95,146	35,13,771	44,68,101
13. प्रयोगशाला उपस्कर	5,02,43,631	32,28,569	(1,92,618)	5,32,79,582	3,43,38,418	6,00,896	(1,61,793)	3,47,77,521	1,63,21,466	1,59,05,213
14. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ	29,07,021	1,35,590	-	30,42,611	8,94,102	27,81,491	-	36,75,593	18,14,601	20,12,919
15. यूएनडीपी उपस्कर	1	-	-	1	-	3,33,908	-	3,33,908	1	1
16. सडक एवं पुलिया	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17. गैस सिलिंडर	72,534	-	-	72,534	72,534	-	-	72,534	-	-
योग	**1,48,24,06,511**	**10,78,22,540**	**(4,08,91,087)**	**1,54,93,37,964**	**85,39,37,847**	**11,52,78,862**	**(3,57,49,565)**	**93,34,67,144**	**61,58,70,820**	**63,55,52,658**

हस्ता/–

(राजीव तलवार)

मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–

(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)

महानिदेशक

अनुसूची 8 क :

स्थिर परिसम्पत्तियों के विवरण (प्रायोजित परियोजनाएँ)

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	सकल मालियत				मूल्यह्रास				सकल मालियत	
	वर्ष के आरम्भ में लागत 01.04.15 को	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान कटौती	31.03.2016 को लागत/मूल्य	वर्ष के आरम्भ मे	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान समायोजन/ कटौती	वर्ष के अन्त तक योग	वर्तमान वर्ष के अन्त में	गत वर्ष के अन्त में
1. भूमि										-
क) फ्री होल्ड	3	2	-	5	-	-	-	-	5	3
ख) पट्टाकृत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. भवन	-	-	-		-	-	-	-		-
क) फ्री होल्ड	16,03,068	88,12,766	-	1,04,15,834	1,62,019	3,08,388	-	4,70,407	99,45,427	14,41,049
ख) पट्टाकृत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	58,45,930	-	-	58,45,930	30,41,315	2,80,462	-	33,21,777	25,24,153	-
3. संयंत्र तथा मशीनरी एवं उपस्कर	64,91,550	24,78,898	-	89,70,448	14,09,734	13,65,840	-	27,75,574	61,94,874	48,70,021
4. वाहन	12,42,254	6,29,206	-	18,71,460	7,09,302	1,27,133	-	8,36,435	10,35,025	5,32,952
5. फर्नीचर तथा फिक्सचर	2,00,77,493	57,43,294	(21,359)	2,57,99,428	52,72,584	18,42,679	(5,234)	71,10,029	1,86,89,399	1,35,17,263
6. कार्यालय उपस्कर	2,95,16,980	1,08,84,729	(8,45,081)	3,95,56,628	1,28,68,630	32,23,767	(2,91,357)	1,58,01,040	2,37,55,588	1,64,60,130
7. कम्प्यूटर तथा पेरिफिरल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	9,09,84,075	3,02,14,533	(25,50,150)	11,86,48,458	7,20,83,412	2,13,68,390	(22,63,088)	9,11,88,714	2,74,59,744	1,75,37,620
8. विद्युत प्रतिष्ठापन	39,04,202	1,16,408	-	40,20,610	21,49,780	2,71,895	-	24,21,675	15,98,935	10,65,962
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	48,46,569	10,84,554	-	59,31,123	45,88,341	8,18,324	-	54,06,665	5,24,458	89,285
10. टयूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11. इंटरनेट सम्पर्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. वातानुकूलन यत्र	61,400	81,500	-	1,42,900	13,124	16,641	-	29,765	1,13,135	48,276
13. प्रयोगशाला उपस्कर	1,98,77,777	1,03,28,899	-	3,02,06,676	39,22,008	31,72,696	-	70,94,704	2,31,11,972	1,59,55,769
14. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ	65,705	8,06,971	-	8,72,676	14,045	68,272	-	82,317	7,90,359	51,660
15. यूएनडीपी उपस्कर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16. सडक एवं पुलिया	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
योग	**18,45,17,006**	**7,11,81,760**	**(34,16,590)**	**25,22,82,176**	**10,62,34,294**	**3,28,64,487**	**(25,59,679)**	**13,65,39,102**	**11,57,43,074**	**7,15,69,990**

अनुसूची 8 ख :

स्थिर परिसम्पत्तियों के विवरण अतिशेष निधियों से सृजित

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	सकल मालियत				मूल्यह्रास				शुद्ध मालियत	
	वर्ष के आरम्भ में लागत 01.04.15 को	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान कटौती	31.03.2016 को लागत/मूल्य	वर्ष के आरम्भ मे	वर्ष के दौरान बढोतरी	वर्ष के दौरान समायोजन/ कटौती	वर्ष के अन्त तक योग	वर्तमान वर्ष के अन्त में	गत वर्ष के अन्त में
1. भूमि										
क) फ्री होल्ड	21,62,859	-	-	21,62,859	-	-	-	-	21,62,859	21,62,859
ख) पट्टाकृत	1,24,02,545	-	-	1,24,02,545	-	-	-	-	1,24,02,545	1,24,02,545
2. भवन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) फ्री होल्ड	1,04,93,082	13,301	-	1,05,06,383	50,30,290	5,46,945	-	55,77,235	49,29,148	54,62,792
ख) पट्टाकृत	12,00,481	-	-	12,00,481	8,61,430	33,905	-	8,95,335	3,05,146	3,39,051
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर	36,20,947	-	-	36,20,947	27,46,179	87,477	-	28,33,656	7,87,291	8,74,768
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	39,93,323	-	-	39,93,323	17,02,403	2,29,092	-	19,31,495	20,61,828	22,90,920
3. संयंत्र तथा मशीनरी एवं उपस्कर	31,17,166	52,39,636	-	83,56,802	19,84,073	6,83,183	-	26,67,256	56,89,546	11,33,093
4. वाहन	22,75,876	8,22,988	-	30,98,864	13,75,669	1,96,756	-	15,72,425	15,26,439	9,00,207
5.फ़र्नीचर तथा फिक्सचर	2,62,85,101	3,25,331	(2026251)	2,45,84,181	1,35,11,083	12,85,028	(18,72,157)	1,29,23,954	1,16,60,227	1,31,33,116
6. कार्यालय उपस्कर	89,45,555	13,45,921	(1330180)	89,61,296	53,01,102	6,57,386	(11,80,294)	47,78,194	41,83,102	29,15,898
7. कम्प्यूटर तथा पेरिफिरल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	9,46,39,507	45,92,672	(33649476)	6,55,82,703	8,91,26,025	62,94,125	(3,49,50,809)	6,04,69,341	51,13,362	60,56,310
8. विद्युत प्रतिष्ठापन	9,76,699	1,42,330	-	11,19,029	6,14,118	64,732	-	6,78,850	4,40,179	3,62,581
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	45,95,688	4,02,002	(967095)	40,30,595	44,62,618	2,75,595	(8,95,781)	38,42,432	1,88,163	1,33,069
10. ट्यूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	7,93,495	-	-	7,93,495	4,27,988	36,551	-	4,64,539	3,28,956	3,65,507
11. इंटरनेट सम्पर्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. वातानुकूलन यत्र	49,95,441	47,960	(3029503)	20,13,898	41,00,967	1,15,794	(28,66,725)	13,50,036	6,63,862	8,94,474
13. प्रयोगशाला उपस्कर	76,57,156	-	-	76,57,156	48,71,920	4,17,785	-	52,89,705	23,67,451	27,85,236
14. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ	4,38,397	-	-	4,38,397	2,97,858	21,081	-	3,18,939	1,19,458	1,40,539
15. यूएनडीपी उपस्कर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16. सडक एवं पुलिया	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17. गैस सिलिंडर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग	**18,85,93,318**	**1,29,32,141**	**(4,10,02,505)**	**16,05,22,954**	**13,64,13,723**	**1,09,45,435**	**(4,17,65,766)**	**10,55,93,392**	**5,49,29,562**	**5,23,52,965**

अनुसूची 9 :
निर्माणाधीन पूँजी

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य	55,05,41,252	51,05,23,422
i) कार्यालय एवं आवासीय भवनों का निर्माण	98,75,61,130	55,05,41,252
ii) सिविल परामर्श सेवा	82,19,342	63,36,054
iii) आनुषंगिक व्यय	1,82,077	1,78,480
iv) दिल्ली केन्द्र के लिए भवन का निर्माण	16,44,04,504	-
योग	**1,16,03,67,053**	**55,70,55,786**

अनुसूची 10 :
इयरमार्क्ड/एन्डाउमेंट निधियों से निवेश

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
शेयर	-	-
डिबेंचर तथा बॉण्ड	-	-
अन्य (बैंक ऑफ इण्डिया में सावधि जमा)	-	-
भवन निधि . मुख्यालय	51,60,20,609	64,03,83,926
भवन निधि दिल्ली केन्द्र–एफडीआर	1,50,00,000	6,00,00,000
पाठ्यसामग्री विकास निधि	60,57,322	55,55,070
अ.जा/अ.ज.जा, शारीरिक रूप से विकलांग तथा महिला छात्रवृत्ति निधि	60,33,276	55,00,000
पुरस्कार निधि	-	-
मानव संसाधन विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास निधि	4,28,00,228	3,91,94,259
आईईसीटी के उदीयमान क्षेत्रों में पाठ्यक्रम के पाठ्यविषय के विकास के लिए निधि	3,44,17,905	4,14,79,535
नाइलिट निधि के कर्मचारियों का प्रशिक्षण तथा पुनः प्रशिक्षण निधि	3,66,09,758	3,54,87,614
चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति निधि–एफडीआर	39,37,024	36,00,000
उपदान तथा छुट्टी नकदीकरण निधि एफडीआर	7,03,45,177	5,88,14,696
योग	**73,12,21,299**	**89,00,15,100**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 11 :

निवेश – अन्य

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
शेयर	-	-
सामूहिक उपदान (भारतीय जीवन बीमा निगम की योजना)	9,23,51,211	-
डिबेंचर तथा बॉण्ड	-	-
सहायक कम्पनियाँ तथा संयुक्त उद्यम	-	-
अन्य	-	-
एनपीआर/आरजीआई एफडीआर का सृजन	-	-
पंचायती राज एफडीआर	-	-
ग्रामीण भारत में कम्प्यूटर पाठ्यक्रम एफडीआर	-	-
आरएण्डएम, आईटी कुशलता तथा आईटीईएस–बीपीओ एफडीआर	-	-
एनईआर में आईईसीटी का प्रशिक्षण एफडीआर	-	10,22,63,192
एसएफआईएओ–एफडीआर	-	39,56,512
ईएसडीएम क्षेत्र में कुशलता विकास चरण–2 एफडीआर	76,00,00,000	70,00,00,000
पटना केन्द्र की स्थापना एफडीआर	8,00,00,000	-
अगरतला केन्द्र की स्थापना एफडीआर	3,00,00,000	-
राइलिट अजमेर की स्थापना एफडीआर		
योग	**96,23,51,211**	**80,62,19,704**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 12 :

वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम, आदि

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क. वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
1. वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
फुटकर देनदार – आपूर्तिकर्ताओं के लिए	15,70,454	71,37,959
फुटकर देनदार – सेवाओं के लिए	29,18,06,178	30,99,75,369
फुटकर देनदार – अन्य	1,66,45,604	12,50,258
फुटकर देनदार – केन्द्र	-	2,882
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	(1,75,73,877)	(1,75,73,877)
फुटकर देनदार – आरजीआई	98,62,09,459	1,42,91,65,377
2. पास में स्टॉक (लेखन–सामग्री एवं प्रकाशन)	29,51,979	42,75,261
3. पास में नकद शेष		
पास में नकदी (परियोजना सहित)	1,01,337	30,88,770
पास में अग्रदाय राशि	5,000	11,535
पास में स्टाम्प	102	-
मार्गस्थ चेक/डीडी भुगतान	-	1,32,99,044
पास में चेक/ड्राफ्ट	220	10
4. बैंक में शेष		
चालू खाता	35,28,72,998	22,95,96,463
बचत खाता	99,73,62,612	82,84,31,881
अल्पावधि जमा	5,15,89,88,316	4,60,25,55,926
दीर्घावधि जमा	1,53,57,78,988	1,18,78,45,981
सहायता अनुदान निधि के लिए दीर्घावधि जमा	5,42,12,400	-
जमा राशि पर अर्जित ब्याज	31,98,78,092	23,37,49,700
दीर्घावधि जमा (ईएमडी)	10,000	10,000
इयरमार्क्ड निवेश पर अर्जित ब्याज	2,19,32,882	2,69,28,946
सहायता अनुदान निधि पर अर्जित ब्याज	1,25,56,551	1,74,56,184
5. अन्य वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	-	-
बिक्री कर/वैट इनपुट क्रेडिट	1,31,16,711	2,06,21,826
डीआईटी से प्राप्य अ.जा/अ.ज.जा फीस कंसेशन	13,36,37,189	13,43,01,845
वसूलीयोग्य फीस/आय	9,56,42,564	10,50,77,348
योग (क)	**9,97,66,37,143**	**9,13,58,85,406**
ख. ऋण, पेशगियाँ आदि		
1. ऋण	-	-
कर्मचारियों को भवन निर्माण ऋण	14,70,600	3,75,000
कर्मचारियों को मोटर कार/स्कूटर ऋण	19,125	24,225
कर्मचारियों को अन्य ऋण	5,747	57,471
बाहरी संस्थानों को ऋण	27,441	-
ऋण पर अर्जित ब्याज	1,54,772	1,59,085
सीपीएफ निधि को अग्रिम भुगतान	-	-

जारी है.....

अनुसूची 12 :

वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम, आदि

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
2. वसूली योग्य पेशगियाँ		
जमा कार्यों के लिए पेशगियाँ	7,89,57,453	1,30,00,000
अन्य स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए पेशगियाँ	2,41,62,720	2,55,21,718
आपूर्तिकर्ताओं को पेशगियाँ	12,92,15,067	8,95,95,678
अन्य को पेशगियाँ–बाहरी	50,70,08,291	38,03,10,030
घटाइए : अन्यों के लिए प्रावधान	-29,69,98,275	(26,92,09,859)
कर्मचारियों को त्यौहार पेशगी	2,47,415	3,29,990
यात्रा पेशगी	4,10,815	3,54,088
कर्मचारियों को अन्य पेशगियाँ	5,46,405	9,70,570
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–ओ/ए/बी/सी स्तर	1,84,306	1,73,151
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–बायो/सीसीसी	11,14,852	21,38,823
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–बीयूडीए	1,02,357	-
व्यय के लिए अस्थायी पेशगियाँ	4,44,649	4,84,855
कर्मचारियों से वसूली योग्य राशि	1,42,424	5,24,814
पार्टियों/केन्द्रों से वसूली योग्य राशि	6,53,71,058	99,95,824
स्रोत पर काटा गया आयकर	20,87,02,276	14,25,59,737
पूर्व प्रदत्त व्यय	13,97,853	33,48,573
सुरक्षा जमा	94,42,115	88,51,936
क्षेत्रीय कार्यालय/शाखा कार्यालय को पेशगियाँ	19,183	10,33,071
डिजिटल लाइब्रेरी के लिए केन्द्रों को पेशगी	1,44,297	10,00,000
एसटीपीआई को प्रदत्त लीज़होल्ड किराया	0	47,45,000
ईएसडीएम परियोजना से वसूली योग्य राशि	0	2,15,483
अन्य चालू परिसम्पत्तियाँ (पूर्वोत्तर परियोजना)	0	92,23,958
3 विविध व्यय तथा हानि	-	
आस्थगित राजस्व व्यय	61,46,447	4,14,177
4. अन्तर केन्द्र लेखा	-	
क) आइजॉल	0	-
ख) औरंगाबाद	45,94,726	-
ग) कालीकल केन्द्र	0	-
घ) चण्डीगढ़ केन्द्र	17,19,053	-
ङ) चेन्नै केन्द्र	0	-
च) गोरखपुर केन्द्र	11,13,98,380	-
छ) गंगटोक केन्द्र	-1,97,063	-
ज) इम्फाल केन्द्र	0	-
झ) श्रीनगर/जम्मू केन्द्र	96,675	-
ञ) कोलकाता	18,97,171	-
ट) राइलिट कोहिमा	25,894	-
ठ) नाइलिट केन्द्र शिलांग	50,672	-
ड) राइलिट अगरतला	6,643	-
ढ) गुवाहाटी/ तेजपुर केन्द्र	1,10,20,222	-
ण) ईटानगर केन्द्र	10,94,266	-
त) नाइलिट मुख्यालय	1,56,64,016	-
थ) नाइलिट दिल्ली	69,864	-
द) नाइलिट पटना	0	-
ध) राँची	-8,45,917	-
न) लखनऊ	0	-
प) नाइलिट अजमेर	0	-
फ) नाइलिट रोपड	0	
ब) नाइलिट श्रीकाकुलम	5,84,650	
भ) एनपीआर	-14,72,32,768	-
योग (ख)	**73,83,85,877**	**42,61,97,398**
योग (क) + (ख)	**10,71,50,23,020**	**9,56,20,82,804**

हस्ता/–

(राजीव तलवार)

मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–

(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)

महानिदेशक

अनुसूची 13 :

सेवाओं से आय

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
परामर्श सेवाएँ/व्यावसायिक शुल्क		
परामर्श शुल्क	26,14,654	20,15,13,453
आईआरडीए परीक्षा	32,54,480	7,75,900
एवीएसईसी/बीसीएएस परीक्षा	13,50,250	7,06,988
वेबसाइट अनुरक्षण/प्रयोगशाला अनुरक्षण	42,01,065	25,44,148
एसएफआईओ प्रयोगशाला की स्थापना	1,87,160	-
डीईआईटीवाई की भर्ती परीक्षा का आयोजन	3,97,866	-
आयोजित ऑनलाइन परीक्षा फीस	4,29,574	-
कार्पोरेट प्रशिक्षण	5,13,609	1,45,90,483
कम्प्यूटर किराए पर लेना (इग्नू के लिए)	23,840	79,320
डेटा संसाधन सेवाएँ	-	-
कृषि जनगणना	71,71,702	2,82,15,179
पीएसईबी तथा अन्य	10,91,97,615	13,08,95,039
जनशक्ति सेवाएँ प्रदान किया जाना	71,82,05,634	41,11,82,124
योग	**84,75,47,449**	**79,05,02,634**

अनुसूची 14 :

अनुदान/इमदाद

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
अनुदान – डीईआईटीवाई	5,26,00,000	5,26,00,000
योजना–भिन्न – सामान्य	-	-
अनुदान – डीईआईटीवाई से भिन्न	9,11,46,997	12,53,36,692
योजना से अन्तरण/आवर्ती व्यय के लिए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से प्राप्त (विस्तार केन्द्र तथा परियोजना मोड के अन्तर्गत)	5,81,400	18,32,000
राज्य सरकार–मॉडल केरियर काउंसिल सेंटर	21,26,100	3,21,667
पट्टा किराया खाते में सहायता अनुदान का अन्तरण	-	-
योग	**14,64,54,497**	**18,00,90,359**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 15 :

फीस/अंशदान

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. दीर्घावधि पाठ्यक्रमों के आयोजन से आय		
औपचारिक पाठ्यक्रम (विश्वविद्यालय से संबद्ध)		
पाठ्यक्रम शुल्क	-	-
बी.टेक	59,80,450	45,90,925
एम.टेक	1,51,82,051	1,49,26,609
बीसीए	2,34,53,660	1,45,75,732
एमसीए	1,70,24,812	1,46,71,295
अन्य (एमसीआरपी)/पीएचडी	2,95,73,497	30,56,700
स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम/मैट्रिकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम	28,04,263	96,89,413
पंजीकरण तथा अन्य शुल्क	-	-
बी.टेक	4,83,650	-
एम.टेक	1,74,100	-
बीसीए	74,430	-
एमसीए	48,750	-
अन्य (पीजीडीसीए)/पीएचडी/डीईपीएम	3,70,225	-
परीक्षा शुल्क	-	-
बी.टेक	1,73,250	-
एम.टेक	1,26,500	-
बीसीए	9,54,980	-
एमसीए	2,47,550	-
अन्य (डीईपीएम)	9,46,072	-
अनौपचारिक पाठ्यक्रम (विश्वविद्यालय से असंबद्ध)	-	-
पाठ्यक्रम शुल्क	-	10,86,37,086
ओ स्तर	8,43,92,674	-
ए स्तर	1,28,84,728	-
बी स्तर	1,84,665	-
सी स्तर	-	-
मैट ओ स्तर	29,58,551	-
जैव सूचना–विज्ञान	1,52,000	1,27,500
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	1,02,61,929	96,27,634
अन्य (पीजीडीसीए, डीईटीई तथा डीसीएसई)	2,13,27,577	-
पंजीकरण तथा अन्य शुल्क	-	-
ओ स्तर	2,22,99,815	-
ए स्तर	13,35,475	-
बी स्तर	1,22,500	-
सी स्तर	1,37,094	-
मैट ओ स्तर	36,760	-
जैव सूचना–विज्ञान	5,000	-
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	18,09,780	-
पुनः पंजीकरण/आई–कार्ड तथा अन्य	2,42,230	-

जारी है.....

अनुसूची 15 :

फीस/अंशदान

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
परीक्षा शुल्क/परीक्षा शुल्क का अंश	-	8,62,18,994
ओ स्तर	6,37,99,658	-
ए स्तर	1,05,67,697	-
बी स्तर	13,96,500	-
सी स्तर	2,65,029	-
मैट ओ स्तर	4,93,973	-
जैव सूचना–विज्ञान	11,770	-
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	49,06,886	-
ओ/ए/बी स्तर के लिए संसाधन/प्रैक्टिकल शुल्क	1,26,14,440	-
अन्य (पीजीडीसीए, डीईटीई तथा डीसीएसई)	75,525	-
परीक्षाओं से अन्य प्राप्तियाँ	-	-
परियोजना शुल्क	4,99,018	-
छूट शुल्क	3,100	-
पुनःयोग शुल्क तथा अन्य	35,700	-
सेमेस्टर परीक्षी केन्द्र शुल्क	3,82,623	-
अल्पावधि पाठ्यक्रमों से आय (एक वर्ष से कम अवधि)	-	-
पाठ्यक्रम शुल्क	-	12,67,13,355
एसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं में जागरूकता)	4,00,400	-
बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	27,49,321	-
सीसीसी	3,24,94,472	-
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	1,20,87,997	-
विशेष रूप से निर्मित अल्पावधि पाठ्यक्रम (प्रशिक्षण, आईटीईएस)	18,27,94,836	88,40,042
पंजीकरण तथा अन्य शुल्क	6,000	2,22,19,233
एसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं में जागरूकता)	-	-
बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	900	-
सीसीसी	3,45,797	-
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	-	-
आन्तरिक पंजीकरण शुल्क, ईएसडीएम प्रभार आदि	11,74,927	-
परीक्षा शुल्क/परीक्षा शुल्क का अंश	-	-
बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	94,09,696	79,53,492
सीसीसी	24,46,85,544	17,15,83,266
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	9,500	-
सीसीसी प्लस	4,050	-
बीसीएएस/ऑनलाइन परीक्षा संसाधन शुल्क, ईएसडीएम प्रभार, यूडीएके/जेयूडीए आदि	27,59,543	45,42,649
प्रत्यायन शुल्क	2,579	1,41,03,082
अनन्तिम प्रत्यायन शुल्क	-	-
ओ स्तर	34,09,676	-
ए स्तर	1,00,000	-
बी स्तर	50,000	-
अनन्तिम प्रत्यायन का विस्तार सभी स्तर	11,00,000	-
सभी अनन्तिम एसीसीआर का संसाधन शुल्क	15,05,493	-
हार्डवेयर ओ स्तर	13,85,296	-

जारी है.....

अनुसूची 15 :

फीस/अंशदान

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
पूर्ण प्रत्यायन शुल्क		-
ओ स्तर	4,80,000	-
ए स्तर	66,000	-
पूर्ण प्रत्यायन का विस्तार सभी स्तर	11,22,000	-
ईएसडीएम	20,06,544	-
अन्य – एसीसीआर शुल्क	5,35,108	-
नाम/पता में परिवर्तन सभी स्तर	1,66,000	-
प्रत्यायन का नवीवीकरण सभी स्तर	4,41,000	-
प्रत्यायन का विलम्ब शुल्क	99,000	-
आस्थगित मामले	30,000	-
अतिरिक्त/कम शुल्क एसीसीआर	9,94,005	-
परिवर्तनशील एसीसीआर शुल्क/	23,97,820	-
एसीसीआर–सीसीसी (सुविधा प्रभार)	76,31,751	-
योग	**86,32,66,192**	**62,20,77,007**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 16 :

परियोजनाओं से आय

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजनाएँ (डीईआईटीवाई से भिन्न)	-	-
पंचायती राज परियोजनाएँ	1,14,55,356	77,58,177
एनसीपीयूएल	20,43,69,111	16,57,39,290
एचपी स्कूल परियोजनाएँ	14,73,01,689	11,65,97,081
अन्य	1,01,09,745	-
डीईआईटीवाई परियोजनाएँ	-	-
ईएसडीएम परियोजनाएँ	49,32,558	66,305
ई–विद्या परियोजनाएँ	-	-
आईटी कुशलता/ग्रामीण जनता के लिए आईटी में प्रशिक्षण	-	12,24,52,850
एनईआर क्षेत्र में आईईसीटी में प्रशिक्षण	-	-
चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला	22,96,686	65,41,246
आईटी आईटीईएस–बीपीओ में प्रशिक्षण	-	-
महिलाओं का प्रशिक्षण/अल्पसंख्यक समुदाय का प्रशिक्षण	-	34,75,500
ग्रामीण भारत में महिला अधिकारिता	7,34,247	1,06,52,295
ई–शासन में क्षमता निर्माण/क्षमता निर्माण कूच बिहार/ईपीडीपीटी	2,60,52,059	2,05,84,416
साइबर फोरेन्सिक प्रयोगशाला/साइबर सुरक्षा जागरूकता परियोजना/आईएसईए	1,62,54,476	2,12,23,506
जीवन प्रमाण परियोजना	7,300	-
एसएमडीपी एवं आईसीडीयू (जयराज–यूके)	10,35,308	-
संयुक्त परियोजना नाइलिट, सीएलटी़अमृता विश्व विद्यापीठ एवं सीएससी वीएलई (पीकेएस)	53,11,492	-
डीजीईएण्डटी–ओएमआर शीट स्कैनिंग	3,29,42,373	5,52,05,751
अनुसूचित जाति/जनजाति को प्रतिपूर्ति	1,37,14,116	3,40,28,033
एनबीसीएफडीसी कुशलता विकास पाठ्यक्रम	63,20,380	-
अन्य (एसएफआईओ, डीएलएम, आईआईटी, बम्बई/आईसीटी परियोजना)	58,56,169	71,83,899
राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित	1,24,85,790	70,94,837
कर्मचारी प्रशिक्षण परियोजना (ईटीपी)	1,13,96,949	1,59,80,260
कौशल विकास	1,51,20,000	-
अपनी परियोजनाएँ	8,96,19,439	3,57,54,475
राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन (एनडीएलएम)	2,20,67,002	-
मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	2,59,627	-
मूल्यह्रास वापस लाया गया	3,26,91,380	2,49,37,966
विस्तार केन्द्र से आय–पूर्वोत्तर परियोजना	1,50,81,824	1,67,40,076
एनपीआर	23,78,34,278	1,39,40,17,612
योग	**92,52,49,354**	**2,06,60,33,575**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 17 :

प्रकाशनों की बिक्री से आय

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
विवरण पुस्तिका की बिक्री	6,04,812	5,84,100
ओ स्तर	5,88,500	-
ए स्तर	5,600	-
ओ स्तर–हार्डवेयर	3,000	-
बीसीए	83,180	-
एमसीए	31,850	-
अन्य (एम.टेक)/पीएचडी	4,49,870	-
पाठ्यविवरण की बिक्री		-
ओ स्तर	1,880	-
परीक्षा फार्म की बिक्री		-
ओ/ए/बी/सी स्तर	26,070	-
बीसीसी/सीसीसी	1,64,54,320	1,01,62,355
अन्य वस्तुओं की बिक्री		-
प्रकाशनों की बिक्री–मुख्यालय/अन्य केन्द्र/हार्डवेयर पाठ्यक्रम	26,230	6,13,230
योग	**1,82,75,312**	**1,13,59,685**

अनुसूची 18 :

अर्जित ब्याज

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सावधि जमा पर	16,23,66,295	13,23,80,584
बचत खातों पर	1,46,92,672	1,42,26,156
कर्मचारी ऋण पर	368	37,332
अन्य – आयकर आदि से प्राप्तियाँ	94,53,120	1,10,03,868
ईयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि पर	8,53,98,984	8,97,84,647
योग	**27,19,11,439**	**24,74,32,587**

अनुसूची 19 :

टाउनशिप से प्राप्तियाँ

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
किराया प्राप्तियाँ	21,41,604	3,58,115
जल प्रभार की वसूली	33,900	0
विद्युत प्रभार की वसूली	1,32,630	68,122
टाउनशिप से अन्य प्राप्तियाँ	64,966	6,050
योग	**23,73,100**	**4,32,287**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 20 :

विविध प्राप्तियाँ

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
विविध आय	87,16,174	1,38,70,275
कार्यशाला प्राप्ति	3,16,937	0
अतिथि गृह/छात्रावास प्राप्तियाँ	60,91,788	48,80,680
अन्य फुटकर प्राप्तियाँ	21,00,834	40,89,011
योग (क)	**1,72,25,733**	**2,28,39,966**
गैर प्रचालन आय		
गत वर्षों से संबंधित आय	1,49,63,224	1,80,36,645
स्थिर परिसम्पत्तियों की बिक्री से लाभ	56,516	16,271
असाधारण वस्तुओं से आय	26,10,473	38,66,711
गत वर्ष का मूल्यह्रास	-	19,73,906
अतिरिक्त प्रावधान वापस लाया गया	68,38,983	62,56,829
अनुदान की परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास	11,52,78,862	11,46,49,267
योग (ख)	**13,97,48,058**	**14,47,99,629**
अन्तिम स्टॉक		
तैयार वस्तुओं तथा निर्माणाधीन कार्य के स्टॉक में बढ़ोतरी/कमी	-	64,841
भण्डार, अतिरिक्त–पुर्जे, खपत योग्य वस्तुएँ तथा संघटक–पुर्जे	(2,65,467)	3,32,987
योग (ग)	**(2,65,467)**	**3,97,828**
कुल योग (क)+(ख)+(ग)	**15,67,08,324**	**16,80,37,423**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 21 :

स्थापना व्यय

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. कर्मचारियों की परिलब्धियाँ		
वेतन तथा मजदूरी	44,95,13,194	42,96,73,831
समयोपरि भत्ता/अवकाश दिवस क्षतिपूर्ति	1,94,031	18,931
बोनस/अनुग्रह राशि	10,18,579	14,79,050
प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारियों के लिए छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदान	-	19,084
अतिथि शिक्षकों को मानदेय	6,93,731	3,04,484
प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृत्ति	-	-
2. कर्मचारियों को लाभ		
चिकित्सा प्रभार – प्रतिपूर्ति	3,08,70,837	2,91,59,107
छुट्टी यात्रा रियायत	14,79,351	59,16,889
प्रोत्साहन योजनाओं के अन्तर्गत भुगतान	-	13,000
छुट्टी का नकदीकरण	2,88,88,403	2,95,82,014
कर्मचारियों को अन्य लाभभ	32,62,439	32,43,582
सामूहिक/उपदान बीमा प्रीमियम	22,40,677	49,91,720
सीपीएफ पर ब्याज	-	14,14,542
संतान शिक्षा भत्ता/ट्यूशन फीस की प्रतिपूर्ति	47,72,195	41,98,852
मेसिंग तथा प्रति दिन भत्ता	11,11,050	51,165
3. निधियों में संस्था का अंशदान		
भविष्य निधि में अंशदान	4,40,79,466	4,55,26,275
उपदान निधि में अंशदान	5,30,10,847	1,25,00,742
छुट्टी के नकदीकरण के लिए प्रावधान तथा अन्य	17,76,507	22,11,061
परियोजना निधि को अन्तरित व्यय	-	-
योग	**62,29,11,307**	**57,03,04,329**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 22 :

अन्य प्रशासनिक व्यय

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. कर्मचारी कल्याण व्यय		
कैन्टीन पर व्यय	89,04,070	66,14,715
अन्य कल्याणकारी व्यय	41,77,404	47,55,370
2. मुख्यालय द्वारा नाइलिट योजना के कार्यान्वयन से व्यय	4,53,74,312	5,02,55,451
मानदेय व्यय	4,30,100	2,98,750
नाइलिट पाठ्यक्रमों पर किया गया व्यय	-	0
3. किराया महसूल एवं कर		
परिसर का किराया	4,98,19,337	4,51,68,252
भवन के सेवा प्रभार	39,75,721	37,74,592
विद्युत एवं जल प्रभार	2,02,00,205	1,79,77,296
4. बीमा		
कार्यालय का बीमा	5,05,617	3,40,878
वाहन बीमा	3,64,650	2,11,849
अन्य बीमा	1,67,396	13,732
5. मरम्मत तथा अनुरक्षण		
उपस्कर	88,61,409	48,72,324
कार्यालय एवं आवास भवन	1,30,79,888	1,36,28,830
वाहन	17,28,531	13,31,481
अन्य/स्थिर परिसम्पत्तियाँ	19,35,738	30,63,708
6. यात्रा व्यय		
अन्तर्देशीय	1,33,41,737	1,39,52,340
विदेश	20,59,996	2,10,890
वाहन प्रभार प्रतिपूर्ति	6,57,137	5,48,547
यात्रा व्यय –अन्य	1,58,079	0
यात्रा व्यय	2,34,072	0
7. विज्ञापन एवं प्रचार–प्रसार		
टेंडर आमंत्रण	8,08,974	12,38,045
भर्ती	22,57,012	3,21,769
बिक्री संवर्धन एवं प्रचार–प्रसार	99,74,476	61,04,921
प्रदर्शनी एवं मण्डप	8,73,744	3,89,056
अन्य बिक्री संवर्धन व्यय	4,57,505	2,01,734
कार्यशाला व्यय	18,31,044	58,02,602
8. कार्यालय व्यय	-	12,848
पुस्तकें एवं पत्र–पत्रिकाएँ	10,96,043	7,23,906
डाक एवं तार	56,52,183	68,81,513
कूरियर एवं माल भाडा	2,25,805	7,52,841

जारी है.....

अनुसूची 22 :

अन्य प्रशासनिक व्यय

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
टेलीफोन/इंटरनेट प्रभार	1,00,11,667	75,08,583
खरीदी गई पाठ सामग्रियाँ एवं विकास	3,32,987	23,39,684
मुद्रण एवं लेखन–सामग्री	95,15,859	1,05,46,091
वाहन चालन व्यय	11,74,321	12,61,749
आतिथेयता व्यय	13,52,471	5,83,912
कर्मचारियों की वर्दी	20,969	17,716
विधायी/व्यावसायिक/परामर्श सेवा शुल्क व्यय	29,37,070	48,33,709
जनशक्ति व्यय	6,00,86,097	3,93,15,793
9. विविध व्यय	-	-
लेखा–परीक्षा शुल्क	10,96,523	9,15,691
अन्य हैसियत में लेखा परीक्षकों को भुगतान	3,65,443	2,29,460
अनुसंधान संस्थानों को अंशदान	21,01,846	3,21,362
कार्मिकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण	79,31,470	11,29,198
सॉफ्टवेयर विकास पर व्यय	34,20,690	13,57,299
सेमीनार एवं पाठ्यक्रमों के विकास पर व्यय	11,72,683	10,33,792
कम्प्यूटरों का किराया	4,67,380	8,15,103
वाहन किराया	59,15,267	40,03,464
बैंक प्रभार	2,62,234	2,56,978
अतिथि गृह व्यय	4,89,193	2,86,430
अन्य फुटकर व्यय	1,67,40,870	81,53,232
बैठकों पर व्यय	27,05,175	10,79,794
परीक्षा व्यय/फीस (सीएफएस,डीईपीएम, एम.टेक,जैव सूचना–विज्ञान)	20,14,399	15,44,656
एफिलिएशन फीस	1,74,328	5,11,721
प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृत्ति	2,54,842	4,53,872
प्रत्यायन व्यय	-	-
परियोजनाओं पर व्यय का आबंटन/ परियोजनाओं से वसूल	-	-
पट्टा किराया का भुगतान (सहायता अनुदान)	-	3,21,667
संदिग्ध ऋण बट्टा खाता	-	-
हानि–बट्टे खाते डाली गई	-3,371	26,26,385
आस्थगित राजस्व व्यय/विविध व्यय बट्टे खाते डाली गई	43,93,407	27,03,145
संघटक–पुर्जे तथा उपभोज्य वस्तुएँ	21,13,766	7,37,812
10. ब्याज	-	-
वित्तीय संस्थानों से ऋण पर ब्याज	740	13,010
नकद ऋण/ओवरड्राफ्ट पर ब्याज	72,871	4,005
अन्य वस्तुओं पर ब्याज (स्पष्ट करें)	23,422	45,439
11. आयकर/व्यावसायिक कर	-	-
व्यावसायिक कर	2,500	2,500
सेवा कर	39,81,648	17,41,583
12. प्रावधान	-	-
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	10,73,815	-

जारी है.....

अनुसूची 22 :

अन्य प्रशासनिक व्यय

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
गत वर्ष से संबंधित व्यय (पूर्व अवधि व्यय)	2,25,80,245	1,45,25,625
स्थिर परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर हानि	2,80,299	1,86,945
13. पाठ्यक्रमों के संचालन पर व्यय	-	-
दीर्घावधि पाठ्यक्रम	1,55,45,454	1,53,00,015
एम.टेक/एमसीए	17,01,526	8,79,075
सीसीसी योजना	41,54,091	40,60,629
बीसीसी योजना	2,78,911	20,66,796
अल्पावधि पाठ्यक्रम	4,18,53,431	3,86,16,131
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	26,11,585	25,69,817
आईईटीएस बीपीओ योजना	-	-
डीएससीएस योजना	33,714	-
जैव सूचना–प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम	1,15,167	42,600
14. बाहरी पार्टियों को प्रशिक्षण व्यय	50,65,402	49,30,528
योग	**43,55,74,592**	**36,93,08,388**
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास – सहायता अनुदान	11,52,78,862	11,46,49,267
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास – अतिशेष का	1,09,45,435	1,23,34,520

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 23 :

परियोजनाओं पर व्यय

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
केन्द्र सरकार (सू.प्रौ.वि/वि.प्रौ.वि/एआईसीटीई/ डीजीएण्डईटी की परियोजनाएँ)	8,14,51,476	13,62,07,481
विस्तार केन्द्र पर व्यय	2,98,96,706	2,48,28,278
चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक परियोजना के लिए केन्द्र का अंशदान	-	5,92,518
राज्य सरकार	62,47,100	1,05,41,592
अन्य परियोजनाएँ	7,35,354	51,748
अपनी परियोजनाएँ	30,00,17,325	29,42,87,477
परियोजनाओं की स्थिर परिसम्पत्तियों का मूल्यह्रास	3,28,64,487	2,77,34,559
राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर	17,34,41,811	7,33,49,976
योग (क)	**62,46,54,259**	**56,75,93,629**
सेवाओं पर व्यय (ख)	**71,09,91,488**	**56,51,11,315**
योग (क+ख)	**1,33,56,45,747**	**1,13,27,04,944**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

नाइलिट

वित्तीय वर्ष 2015–2016 के लिए केन्द्र–वार अतिशेष/(कमी) के ब्यौरे

31.03.2016 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
केन्द्र की आय	3,23,17,85,667	4,08,59,65,557
केन्द्र का व्यय	2,52,03,55,943	2,19,93,01,448
अतिशेष/(कमी)	**71,14,29,724**	**1,88,66,64,109**
एण्डाउमेंट निधि को अन्तरित ब्याज	8,52,35,505	8,97,84,647
संस्था का शुद्ध अतिशेष	**62,61,94,219**	**1,79,68,79,462**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

अनुसूची 24 :
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

. इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमओईआईटी), भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अन्तर्गत नाइलिट नामक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था (जिसका नाम 10.10.2011 से डीओईएसीसी सोसायटी से बदल कर रखा गया है) की स्थापना नवम्बर 2004 में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास तथा संबद्ध कार्यकलापों निष्पादन हेतु की गई थी। यह संस्था धारा 12/क के अन्तर्गत आयकर विभाग में पंजीकृत है और इसका गठन अनन्यतः सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) तथा संबद्ध क्षेत्रों में विश्वस्तरीय शिक्षण एवं प्रशिक्षण तथा प्रत्यायन सेवाएँ प्रदान करके गुणात्मक जनशक्ति तैयार करने तथा कुशल प्रोफेशनलों का विकास करने के प्रयोजन से किया गया है। यह संस्था सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में औपचारिक तथा अनौपचारिक दोनों ही क्षेत्रों में शिक्षण का कार्य कर रही है और साथ ही अद्यतन तकनीकी जानकारी के क्षेत्रों में उद्योग गुणात्मक अच्छी क्वालिटी के शिक्षण तथा प्रशिक्षण का विकास भी कर रही है और आईसीटी के क्षेत्र में देश का अग्रणी परीक्षा एवं प्रमाणन संस्थान बनने का मानक स्थापित करती है। यह एक राष्ट्रीय परीक्षा निकाय भी है जो विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी में अनौपचारिक पाठ्यक्रम चलाने के लिए संस्थानों/संगठनों को प्रत्यायित करती है। नाइलिट आइजॉल, औरंगाबाद, अगरतला, अजमेर, कालीकट, चण्डीगढ़, चेन्नै, दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, ईटानगर, इम्फाल, कोलकाता, कोहिमा, पटना, राँची, शिलांग, श्रीनगर तथा जम्मू स्थित अपने 19 केन्द्रों के माध्यम से कार्य कर रहा है।

1. लेखांकन की परम्परा :

क) लेखांकन पद्धति

अन्तिम विवरण लेखांकन की अर्जन पद्धति के अन्यथा बताए जाने तक ऐतिहासिक लागत परम्परा के आधार पर तैयार किए जाते हैं।

ख) अनुमानों का प्रयोग

अन्तिम विवरण तैयार करने के लिए अनुमान तथा मान्यताएँ करनी पड़ती हैं जो वित्तीय विवरण की तिथि में बताई जाने वाली परिसम्पत्तियों तथा देयताओं की राशि तथा रिपोर्ट की अवधि के दौरान राजस्व तथा व्यय की राशि को प्रभावित करती हैं। वास्तविक परिणामों तथा अनुमानों के बीच अन्तर को जिस अवधि में परिणाम प्राप्त होते हैं/मूर्त रूप देते हैं, उस समय स्वीकार किया जाता है।

2. आय की पहचान

निम्नलिखित को छोड़कर, सभी नाइलिट केन्द्र लेखांकन की अर्जन पद्धति अपनाते हैं:

क) कोलकाता तथा राँची केन्द्र अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों से फीस के स्वीकार अनुदान की प्रतिपूर्ति के समय करते हैं।

ख) चेन्नै केन्द्र ने प्रत्यायन शुल्क, परिवर्तनशील प्रत्यायन शुल्क तथा जागरूकता सृजन निधि के लिए लेखांकन की अर्जन पद्धति को स्वीकार किया हैं।

ग) अगरतला केन्द्र एससीएसपी एवं टीएसपी योजना से संबंधित फीस तथा ई–विद्या परियोजना से संबंधित आय के मामले में नकद आधार स्वीकार किया है।

3. नए केन्द्रों की स्थापना के लिए आवर्ती व्यय के प्रयोजन से इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जारी सहायता अनुदान का लेखांकन नीचे दिए अनुसार किया गया है:

i.	शिलांग केन्द्र की स्थापना	रु. 20,20,000/-
ii.	दिल्ली केन्द्र की स्थापना	रु. 93,33,000/-
iii.	पटना केन्द्र की स्थापना	रु. 88,59,603/-
iv.	ईटानगर केन्द्र की स्थापना	रु. 20,00,000/-
v.	राँची केन्द्र की स्थापना	रु. 1,27,00,000/-
vi.	कोकराझार, जोरहाट तथा सिलचर (गुवाहाटी) में विस्तार केन्द्र की स्थापना	रु. 2,36,63,203/-
vii.	आइजॉल केन्द्र की स्थापना	रु. 1,14,17,916/-
viii.	गंगटोक केन्द्र की स्थापना	रु. 44, 37,000/-
ix.	श्रीनगर केन्द्र की स्थापना	रु. 1,67,16,275/-
	योग	रु. **9,11,46,997/-**

4. निवेश

संस्था की निधियों को राष्ट्रीयकृत बैंकों में अल्पकालीन सावधि जमा मे निवेशित किया गया है जिसे संस्था के दिशा–निर्देशों के अनुसार 'कोषागार प्रबंध अतिशेष' के रूप में दर्शाया गया है।

वर्ष के दौरान प्राप्त इयरमार्क्ड/एन्डाउमेंट निधि सावधि जमा राशियों पर ब्याज को संबंधित इयरमार्क्ड/एन्डाउमेंट निधि के खाते किया जाता है।

5. स्थिर परिसम्पत्तियाँ

स्थिर परिसम्पत्तियों को संचित मूल्यह्रास को घटाकर लागत पर बताया जाता है। अर्जन की लागत को आवक मालभाड़ा, शुल्क एवं कर तथा अर्जन के प्रासंगिक एवं प्रत्यक्ष व्यय को मिलाकर बाताया जाता है। निर्माण से संबंधित परियोजनाओं के मामले में, संबंधित प्रचालन–पूर्व व्यय पूँजीकृत परिसम्पत्तियों के मूल्य के भाग के रूप में होता है।

- कालीकट केन्द्र के मामले में, यूएनडीपी द्वारा केन्द्र को अनुदान के रूप में दिए गए 137 उपस्करों के मूल्य को 1/–रु. के सांकेतिक मूल्य पर देयता एवं परिसम्पत्ति दोनों ही पक्षों में दर्शाया गया है।
- कोलकाता केन्द्र के मामले में, बिधान नगर के सेक्टर–1 (सॉल्ट लेक, प्लॉट नं. 267, ब्लॉक बीएफ) स्थित 'पट्टाकृत भूमि' को स्थिर परिसम्पत्तियों की अनुसूची में 'भवन' शीर्षक के अन्तर्गत दर्शाया गया है।

अनुसूची 24 :
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

- अगरतला केन्द्र मामले में, स्थायी परिसर का निर्माण करने के लिए त्रिपुरा सरकार द्वारा 15 एकड़ की भूमि निःशुल्क आबंटित की गई है। इसे 1/–रु. के सांकेतिक मूल्य पर दर्शाया गया है।
- अगरतला केन्द्र मामले में, केन्द्र की आरम्भिक प्रशिक्षण सुविधा के लिए भवन त्रिपुरा सरकार द्वारा आबंटित किया गया है। सिविल मरम्मत कार्य, बिजली के प्रतिष्ठापनों में परिवर्तन तथा उससे संबंधित अन्य विविध व्यय को आस्थगित व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते में डाला जाएगा और वित्तीय वर्ष 2011.12 से 20: की दर से एमोर्टाइज़ किया जाएगा। चूँकि इस भवन का स्वामित्व नाइलिट के पास नहीं है, इसलिए व्यय को आस्थगित व्यय के रूप में दर्शाया गया है।
- चण्डीगढ़ केन्द्र के मामले में एक बड़ी अग्नि दुर्घटना हुई थी जिसमें एससीओ–114–116, सेक्टर 17बी, चण्डीगढ़ स्थित नाइलिट के कब्जे का भवन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। 7,20,31,215/– रु. मूल्य (मूल लागत) की परिसम्पत्तियाँ अग्नि दुर्घटना में नष्ट हो गईं और सक्षम प्राधिकारी का अनुमोदन प्राप्त करके इसे बट्टे खाते डाला गया। क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों के लिए बीमा के दावे का निपटान भी हो गया है और तदनुसार लेखाओं में अपेक्षित प्रविष्टियाँ कर ली गई हैं।
- गुवाहाटी केन्द्र के मामले में, असम सरकार द्वारा स्थायी परिसर के निर्माण के लिए गुवाहाटी मुख्य (3 एकड़), कोकराझार विस्तार केन्द्र (6 एकड़), जोरहाट विस्तार केन्द्र (3 एकड़), डिब्रूगढ़ विस्तार केन्द्र (3.3 एकड़) तथा तेजपुर विस्तार केन्द्र (6.62 एकड़) में निःशुल्क रूप में आबंटित भूमि को प्रत्येक के मामले में 1/– रु. के सांकेतिक मूल्य पर दर्शाया गया है।
- सिलचर तथा जोरहाट विस्तार केन्द्र की पूर्वोत्तर क्षमता निर्माण परियोजना के मामले में, 4 वर्षों की अवधि के लिए किराए पर लिए गए भवन के नवीकरण (सिविल तथा वैद्युत) पर व्यय को आस्थगित व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते डाला जाएगा। इसके अतिरिक्त, नाइलिट गुवाहाटी (सिटी केन्द्र) के मामले में, 10 वर्षों की अवधि के लिए किराए पर लिए गए भवन के नवीकरण (सिविल तथा वैद्युत) पर व्यय को आस्थगित व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते डाला जाएगा।
- राजस्थान सरकार ने केकड़ी, जिला अजमेर के पास खोडा गाँव में 16.33 हेक्टेयर की जमीन 99 वर्षों की लीज़ पर निःशुल्क रूप में आबंटित की है जिसे 1/– रु. के सांकेतिक मूल्य पर दर्शाया गया है।
- नाइलिट शिलांग का स्थायी परिसर स्थापित करने के प्रयोजन से, मेघालय सरकार द्वारा 30 वर्षों के सामान्य पट्टे की शर्तों पर 10 एकड़ की भूमि नाइलिट शिलांग को निःशुल्क रूप में हस्तान्तरित की गई है।
- कार्यालय तथा प्रशिक्षण से संबंधित कार्यकलापों के लिए मेघालय राज्य आवास वित्त सहकारी संस्था (एमएसएचएफसीएस) लिमिटेड से 5818 वर्ग फुट के अतिरिक्त निर्मित स्थान किराए पर लिया गया है। इससे संबंधित सिविल मरम्मत, परिवर्तन, वैद्युत कार्यों तथा अन्य विविध व्यय को आस्थगित व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते डाला जाएगा।
- बिस्कोमन टावर, पटना की 11वीं मंजिल पर 8000 वर्ग फुट का अस्थायी स्थान बिहार सरकार द्वारा अपने दिनांक 23.12.2013 के पत्र सं. 9654/13 के जरिए नाइलिट पटना केन्द्र को आबंटित किया गया। उक्त अस्थायी स्थान पर सिविल एवं वैद्युत परिवर्तन तथा अभ्यन्तरीन फर्निशिंग कार्य मेसर्स एनबीसीसी को दिए गए थे जिसके लिए क्रमशः 49.99 लाख रु. तथा 42.09 लाख रु. की अनुमानित लागत उनके द्वारा प्रस्तुत की गई थी। उक्त कार्य का एक भाग पूरा करने के बाद मेसर्स एनबीसीसी ने कार्य करना बन्द कर दिया। शेष कार्य को नाइलिट पटना केन्द्र के प्रबंध–वर्ग द्वारा अपनी लागत पर पूरा किया गया।

  उपर्युक्त लागत को लेखा बहियों में नीचे बताए गए शीर्षों में पूँजीकृत किया गया है :

भवन का नवीनीकरण	–	रु. 41,23,393
फर्नीचर तथा फिक्सचर	–	रु. 19,43,325
विद्युत प्रतिष्ठापन	–	रु. 26,97,043

- कोलकाता केन्द्र को एडोब परपिचुअल लाइसेंस आबंटित किए गए थे। लेकिन उसके लिए भुगतान मुख्यालय द्वारा किया गया। तदनुसार लाइसेंस के मूल्य को स्थिर परिसम्पत्तियों के अन्तर्गत 1/– रु. के सांकेतिक मूल्य पर दर्ज किया गया है।
- औरंगाबाद केन्द्र के मामले में, एडोब मास्टर कलेक्शन से संबंधित 10 सॉफ्टवेयर लाइसेंसों को स्थिर परिसम्पत्तियों के रूप में 1/– रु. पर पूँजीकृत किया गया और 1/– रु. की तदनुरूपी राशि पूँजीगत आरक्षित लेखा में शामिल की गई।
- कालीकट केन्द्र ने प्राप्त एडोब मास्टर कलेक्शन के परपिचुअल लाइसेंसों (सं. 5) को मुख्यालय के दिनांक 7 जुलाई 2015 के पत्र सं. नाइलिट/मुख्या/एडीटी/16/2015 के अनुसार 1/– रु. के सांकेतिक मूल्य पर लेखांकित किया है।
- 10 एडोब परपिचुअल लाइसेंस गुवाहाटी केन्द्र को आबंटित किए गए और भुगतान मुख्यालय द्वारा दिनांक 7.7.2015 के पत्र सं. नाइलिट/मुख्या./एडीटी/16/2015/352 के जरिए किया गया तथा उसे स्थिर परिसम्पत्तियों के अन्तर्गत 1/– रु. के सांकेतिक मूल्य पर दर्शाने का निदेश दिया गया।
- औरंगाबाद केन्द्र के मामले में, डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद को विश्वविद्यालय परिसर के अन्दर महिला छात्रावास का निर्माण करने से संबंधित सहमति ज्ञापन के अनुसार 75–00 लाख रु. का भुगतान वर्ष 2013–14 में किया गया था। इसका स्वत्वाधिकार विश्वविद्यालय के पास है और सहमति–ज्ञापन की 5 वर्षों की आरम्भिक वैधता की अवधि को ध्यान में रखते हुए, इससे संबंधित व्यय को 'आस्थगित राजस्व

अनुसूची 24 :
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

व्यय' माना गया और इसे 5 वर्षों की अवधि में बट्टे खाते डाला जाना है। तदनुसार, वित्त वर्ष 2015–16 में 15.00 लाख रु. की राशि व्यय के रूप में समायोजित की गई।

- शिलांग – परिसम्पत्ति अर्थात पट्टाकृत भूमि, कार्यालय तथा अन्य उपस्कर एवं सॉफ्टवेयर को, जिन्हें नाइलिट शिलांग को निःशुल्क रूप में स्थानान्तरित किया गया, एएस–15 के अनुसार 1/– रु. के सांकेतिक मूल्य पर लेखाओं में शामिल किया गया है।

6. मूल्यह्रास

क. 'अनुदान से संबंधित परिसम्पत्तियों' पर चालू वर्ष की परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास को आय तथा व्यय खाते में नामे किया गया है तथा एएस–12 के अनुसार आय तथा व्यय खाते में जमा भी किया गया है तथा वर्ष के दौरान 'पूँजीगत सहायता अनुदान' से घटाया गया है।

मूल्यह्रास का प्रावधान आयकर अधिनियम 1961 में निर्धारित दरों पर डब्ल्यू.ए.डी पद्धति पर किया जाता है।

7. सरकारी अनुदान

वर्ष 2015–16 के 500.00 लाख रु. के सहायता अनुदान (योजनागत) को वास्तविक प्राप्ति के आधार पर लेखांकित किया गया है। पूँजीगत अनुदानों को संबंधित केन्द्र की पूँजी निधि में जमा किया गया है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा नए केन्द्रों की स्थापना के लिए व्यय (पूँजीगत/आवर्ती) को नीचे दिए अनुसार लेखांकित किया गया है:–

रोपड़ केन्द्र की स्थापना	रु.	14,92,20,000/-
पटना केन्द्र की स्थापना	रु.	9,31,27,000/-
अगरतला केन्द्र की स्थापना	रु.	16,00,00,000/-
शिलांग केन्द्र की स्थापना	रु.	31,82,000/-
अजमेर केन्द्र की स्थापना	रु.	10,48,27,628/-
गंगटोक केन्द्र की स्थापना	रु.	44,37,000/-
राँची केन्द्र की स्थापना	रु.	2,25,00,000/-
योग	रु.	**53,72,93,628/-**

वर्ष 2015–16 के 526.00 लाख रु. के सहायता अनुदान (योजना–भिन्न) को संबंधित केन्द्र के आय तथा व्यय लेखा में जमा किया गया है।

पूँजीगत सहायता अनुदान को ऐसे अनुदान से खरीदी गई स्थिर परिसम्पत्तियों में मूल्यह्रास के पश्चात शुद्ध मूल्य पर दर्शाया जाता है।

8. लेखांकन नीति में परिवर्तन

गोरखपुर केन्द्र जो पहले अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों से प्राप्त फीस का लेखांकन नकद/प्राप्ति के आधार पर अनुदान का प्रतिपूर्ति के समय करता था, अपने लेखांकन को अर्जन के आधार में परिवर्तन किया है और एससीएसटी/टीएसपी योजना के अन्तर्गत प्राप्य फीस प्रतिपूर्ति के रूप में वर्ष के दौरान 17,92,474/– रु. का प्रावधान किया है। इसके परिणामस्वरूप, वर्तमान वर्ष के दौरान राजस्व में 17,92,474/– रु. से अधिक राशि दर्शाई गई है।

9. कर्मचारी लाभ

उपदान के लिए प्रावधान का लेखांकन एएस–15 के अनुसार अर्जन मूल्यांकन पर किया जाता है। कालीकट, चण्डीगढ़ के मामले में उपदान की देयता को भारतीय जीवन बीमा निगम से नकद संचयन के आधार पर सामूहिक उपदान के अन्तर्गत संबंधित कर्मचारी के ट्रस्ट में पालिसी के रूप में शामिल किया गया है। नाइलिट के कर्मचारी 14.12.2002 की स्थिति के अनुसार उपदान योजना के अन्तर्गत शामिल हैं अर्थात प्रत्येक कर्मचारी की उस माह की परिलब्धियाँ (वेतन,ग्रेड वेतन), सेवा के प्रत्येक पूरे किए गए वर्ष के लिए है।

छुट्टी के नकदीकरण के लिए प्रावधान का लेखांकन एएस–15 के अनुसार अर्जन मूल्यांकन आधार पर किया जाता है।

नाइलिट मुख्यालय तथा केन्द्रों को सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से 01.01.2003 से ईपीएफ के अन्तर्गत शामिल किया गया है। अप्रैल 2013 से ईपीएफ में अंशदान को आरपीएफसी में जमा किया जा रहा है। 01.01.2003 से 31.03.2013 की अवधि के लिए ईपीएफ की बकाया राशि ईपीएफ कार्यालय में जमा की गई है। नाइलिट के सीपीएफ में रखी शेष राशि का पुनर्मिलान किया जा रहा है।

हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –016041 एन

स्थान : **नई दिल्ली**
दिनांक : **07.09.2016**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

हस्ता/–
(सीए, सचिन कुमार)
(साझेदार)
सदस्यता सं. 511820

अनुसूची 25 :
लेखाओं पर टिप्पणियाँ

1. आकस्मिक देयता :

- **औरंगाबाद केन्द्र**

मेसर्स डीवीआईआईटी ने सीजेएसडी, औरंगाबाद के न्यायालय के समक्ष आरसीएस 495/1999 तथा एससीएस 168/2002 के जरिए प्रथम पक्षकार के रूप में भारत सरकार (सूचना प्रौद्योगिकी विभाग इसके सचिव, नई दिल्ली के माध्यम से) तथा द्वितीय पक्षकार के रूप में सीईडीटीआई औरंगाबाद (इस समय नाइलिट औरंगाबाद) के निदेशकों के खिलाफ लेखा प्रस्तुत करने और इसके 40: अंश तथा उसपर ब्याज की वसूली के लिए 72ण्00 लाख रु. का दावा प्रस्तुत किया है। माननीय न्यायालय ने अपने दिनांक 5 दिसम्बर, 2011 के आदेश के जरिए वादी के दोनों मामलों को लागत सहित निरस्त कर दिया है।

इसके पश्चात, वादी ने अपील सं. 559/2012 (495/1999 से संबंधित) के जरिए अपील प्रस्तुत की है जिसकी सुनवाई अभी तक लम्बित है। वादी ने औरंगाबाद स्थित बम्बई पीठ न्यायाधिकरण के माननीय उच्च न्यायालय में अपील सं. 1170/2012 भी प्रस्तुत की है और इस समय यह मामला माननीय उच्च न्यायालय में लम्बित है।

ख. **चण्डीगढ़ केन्द्र**

क्र.सं.	मामले का प्राधिकरण	मामले का तथ्य	शामिल राशि
1.	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपील प्राधिकरण, नई दिल्ली	नाइलिट द्वारा उपलब्ध कराई गई लेखन सामग्री के मूल्य को कर योग्य श्रेणी अन्तर्गत शामिल किया जाना है। आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, चण्डीगढ़ ने नाइलिट को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सीईएसटीएटी, नई दिल्ली के समक्ष अपील दायर की गई है। विभाग द्वारा की गई माँग का स्थगनादेश सीईएसटीएटी, नई दिल्ली द्वारा जारी किया गया है। लेकिन नियमित सुनवाई अभी तक निश्चित नहीं हुई है।	83,92,094/– रु. तथा इसी राशि का दण्ड
2.	आयुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त II चण्डीगढ़	नाइलिट द्वारा उपलब्ध कराई गई लेखन सामग्री के मूल्य को कर योग्य श्रेणी के अन्तर्गत शामिल किया जाना है। मामले पर बहस की गई है लेकिन उस पर आदेश प्रतीक्षित है।	रु. 3,55,310/–

केन्द्र ने उच्चतर शिक्षा विभाग (डीएचई), हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला पर मार्च, 2013 से जनवरी, 2014 की अवधि के लिए दावा किए गए बिल के लिए सेवा कर विभाग में 74.86 लाख रु. का सेवा कर गलती से जमा किया था। लेकिन उक्त अवधि के लिए सेवा कर लागू नहीं था। तदनुसार, 74.86 लाख रु. की राशि सेवा कर विभाग से वसूली योग्य तथा डीएचई शिमला को देय है जिन्होंने उक्त सेवा कर के भुगतान पर नाइलिट में अपना विरोध प्रस्तुत किया है। इसकी वापसी का दावा 11.03.2014 को सेवा कर विभाग में प्रस्तुत किया गया जिसका निपटान अभी तक नहीं हुआ है।

केन्द्र (पूर्वतन आरसीसी) को केवीएस द्वारा उनकी स्कूल परियोजना के लिए अनुदेशक उपलब्ध कराने के लिए किए गए विवादित अधिक भुगतान के संबंध में किया गया केवीएस द्वारा 2,68,650/– रु. का दावा अभी तक लम्बित है।

ईएसआई ने ईएसआई योजना के लिए 11,22,702/– रु. तथा 303,907/– रु. की माँग नोटिस भेजी है जिसे अस्थायी रूप से स्थगित करवा लिया गया है। सिविल जज (वरिष्ठ प्रभाग), ईएसआई न्यायालय चण्डीगढ़ ने दिनांक 07.12.2010 के आदेश के जरिए ईएसआई के वसूली संबंधी आदेश को निरस्त कर दिया है। लेकिन उप निदेशक, ईएसआई ने अपने दिनांक 21.07.2011 के आदेश सं. पीबी 17000399790001013/245 के जरिए केन्द्र को राशि का भुगतान करने का पुनः निदेश दिया है। केन्द्र ने माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की है। माननीय उच्च न्यायालय ने वसूली पर रोक लगायी है। मामला अभी तक लम्बित है।

ग. **गुवाहाटी केन्द्र**

कैट गुवाहाटी पीठ में नाइलिट गुवाहाटी से संबंधित लम्बित मामले नीचे दिए अनुसार हैं:–

क्र.सं.	प्रकरण सं.	वादी का नाम	शामिल मुद्दे
1.	माननीय गुवाहाटी उच्च न्यायालय का 2014 की रिट याचिका सं. 5973	सज़्ज़ाद ज़ाहिर बनाम यूओएल ब्रदर्स	नाइलिट गुवाहाटी की अनुबंध के आधार पर सेवा से सज़्ज़ाद ज़ाहिर को मुक्त करने के लिए उनके खिलाफ नाइलिट की अपील ।
2.	गुवाहाटी उच्च न्यायालय में क्र.सं. 249660 के जरिए पंजीकृत रिट याचिका	राणा शर्मा बनाम यूओएल ब्रदर्स	श्री राणा शर्मा की नियुक्ति के मामले में कैट गुवाहाटी के आदेश के विरुद्ध नाइलिट की अपील।
3.	कैट गुवाहाटी में ओ.ए.सं 403/2014 तथा विविध प्रकरण सं. 040/00008/15	ध्रुवज्याति डेका बनाम यूओएल ब्रदर्स	आवेदक को नियमित कर्मचारी घोषित किया जाना तथा नियमित कर्मचारियों के मामले में लागू सभी लाभ जारी करना।

SCHEDULE 25 :
NOTES TO ACCOUNTS

घ. **कोलकाता केन्द्र**

नाइलिट में 01.01.2004 से पहले कार्यग्रहण किए कर्मचारियों की भविष्य निधि का खाता आयकर विभाग में आरसीसी कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि न्यास में रख रहा है। लेकिन जिन कर्मचारियों ने 01.01.2004 को या उसके बाद नाइलिट में कार्यग्रहण किया है उनकी भविष्य निधि सीपीएफ अधिनियम 1925 के अन्तर्गत नाइलिट मुख्यालय में रखी जा रही है। केन्द्र को क्षेत्रीय ईपीएफ प्राधिकरण से 11.07.2006 को एक नोटिस तथा धारा 7क के अन्तर्गत आदेश दिनांक 09.07.2008 तथा धारा 7ख के अन्तर्गत आदेश दिनांक 30.9.2009 प्राप्त हुआ है कि नाइलिट को ईपीएफ एवं अगस्त, 1982 से एमपी अधिनियम 1952 के अन्तर्गत शामिल किया जाएगा। केन्द्र ने उपर्युक्त आदेश के खिलाफ ईपीएफ अपील न्यायाधिकरण, दिल्ली (समुचित प्राधिकारी) के समक्ष एक अपील दायर की है कि हमारा मुख्यालय भारत सरकार की गजट अधिसूचना दिनांक 26.07.1997 के अनुसार सीपीएफ अधिनियम, 1925 के अन्तर्गत शामिल है। लेकिन ईपीएफ अपील न्यायाधिकरण, दिल्ली ने दिनांक 3 अगस्त, 2011 के आदेश के जरिए अपील को खारिज कर दिया है। उसके पश्चात केन्द्र ने माननीय उच्च न्यायालय, कोलकाता में उक्त आदेश के खिलाफ दिनांक 24 मार्च 2012 को एक अपील दायर की है। उक्त अपील अभी तक लम्बित है। केन्द्र ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पश्चिम बंगाल क्षेत्र से 6,27,413/– रु. की माँग के विरुद्ध 1,56,854/– रु. की राशि का भुगतान प्रतिवाद के अन्तर्गत किया है। केन्द्र ने माँग का विरोध किया है।

सेवा कर उपायुक्त से प्राप्त दिनांक 21.10.13 के कारण बताओ नोटिस के अनुसार सेवा कर से संबंधित 19,67,385/– रु. की एक आकस्मिक देयता है जिसका विरोध केन्द्र द्वारा 21.04.14 के पत्र के जरिए किया गया है।

2. **पूँजी की प्रतिबद्धता**

- कोलकाता केन्द्र के मामले में सॉल्ट लेक भवन के लिए 1267.94 लाख रु. की पूँजी की प्रतिबद्धता है (गत वर्ष 44.95 लाख रु.)। 31.03.2016 तक केलोनिवि को दी गई पेशगी की राशि 870.02 लाख रु. है (गत वर्ष 645.02 लाख रु.)।
- मुख्यालय के मामले में, एनबीसीसी टॉवर, किदवई नगर में कार्यालय स्थल 48.36 करोड़ रु. में खरीदा गया है, जिसमें से 31 मार्च 2016 तक 16.44 करोड़ रु. का भुगतान किया गया है।

वर्ष 2015–16 के दौरान, निम्नलिखित केन्द्रों ने वर्ष 2015–16 के अतिशेष से 6.50 करोड़ रु. का प्रावधान नाइलिट दिल्ली केन्द्र के लिए कार्यालय स्थान की लागत को पूरा करने के लिए अधिशासी परिषद द्वारा 29 नवम्बर, 2014 को आयोजित 32वीं बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार किया है।

(आँकड़े लाख रु. में)

मुख्यालय	–	200.00
कोलकाता	–	50.00
चण्डीगढ़	–	50.00
गोरखपुर	–	300.00
दिल्ली केन्द्र	–	50.00
योग	.	**650.00**

इसके विरुद्ध, नाइलिट मुख्यालय तथा गोरखपुर केन्द्र ने निधियों का निवेश बैंक एफडीआर में भी कर दिया है।

- मुख्यालय के मामले में, इसके भवन का निर्माण द्वारका, दिल्ली में किया जा रहा है। कुल अनुमानित लागत 42.90 करोड़ रु. है जिसके विरुद्ध 31 मार्च 2016 तक 16.93 करोड़ रु. का भुगतान किया गया है।

3. **वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण तथा पेशगियाँ**

प्रबंध वर्ग की राय के अनुसार, वर्तमान परिसम्पत्तियों, ऋण तथा पेशगियों को उस मूल्य पर बताया गया है जिस पर उसे व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया में प्राप्त किया जाएगा, केवल उन लेनदारों के मामलों को छोड़कर जहाँ अनुचित एवं संदिग्ध ऋण का प्रावधान किया गया है।

- **दिल्ली केन्द्र के मामले में**

54,88,871/– रु. की राशि के फुटकर देनदारों के मामले में 2,16,542/– रु. का प्रावधान सदिग्ध ऋण के रूप में किया गया है (नीचे बताए गए (ii) तथा (iii) के अलावा) जो तीन वर्षों से अधिक समय से लम्बित है (अर्थात 31.03.2013 से पहले), जो प्रबंध वर्ग की राय में उचित है।

शिक्षा निदेशक, झण्डेवालाँ से 1,12,71,327/– रु. से वसूली योग्य राशि के विरुद्ध मात्र 28,11,468/– रु. की राशि का प्रावधान संदिग्ध ऋण के रूप में किया गया है। यह राशि 2004–05 से अप्राप्त है। मामला मध्यस्थता के अधीन है। प्रबंध वर्ग की राय में किए गए प्रावधान की मात्रा उचित है।

4. **राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर)**

क) इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने अपने दिनांक 05/04/2011 के पत्र सं. 7(2)2011–ईजी–1 के जरिए 17 राज्यों तथा 2 संघ शासित प्रदेशों में राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर तैयार करने के प्रयोजन से जनसांख्यिकीय डेटा अंकीयकरण एवं बायो–मेट्रिक डेटा संग्रह का कार्य सौंपा है। आरजीआई ने अपने दिनांक 27/06/2012 के अर्धशासकीय पत्र सं. 9/83/2010 सीआरडी (एनपीआर) के जरिए बायो मेट्रिक डेटा अंकीयकरण का कार्य नाइलिट से वापस ले लिया है।

ख) भारत के महापंजीयक के कार्यालय ने राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर परियोजना के कार्यान्वयन के लिए नाइलिट को 522.24 करोड़ रु. की पेशगी जारी की थी। प्रबंध वर्ग द्वारा लगाए गए अनुमान के अनुसार डेटा अंकीयकरण (एनपीआर परियोजना) की कुल देयता लगभग 571 करोड़ रु. है। आरएफक्यू के भुगतान की शर्तों के अनुसार, एमएसपी को शेष 30 प्रतिशत का भुगतान जारी नहीं किया गया है। 31.03.2015 की स्थिति अनुसार 245.91 करोड़ रु. की राशि का उपयोग कर लिया गया है। 474.71 करोड़ रु. की शेष राशि (ब्याज सहित) विभिन्न बैंक खातों में (बचत/चालू) तथा जमा रूप में उपलब्ध है। डेटा अंकीयकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है। अंतिम अंकीयकृत डेटा अक्तूबर 2013 में आरजीआई को दे दिए गए है।

ग) नाइलिट के सभी एनपीआर प्रतिभागी केन्द्रों ने एनपीआर परियोजना के मामले में 01.04.2012 से अलग लेखा बही रखे तथा वित्त वर्ष 2012.13 से अलग वार्षिक लेखे तैयार किए।

घ) अप्रयुक्त पेशगियों पर अर्जित/संचित 179.36 करोड़ रु. के ब्याज को देयता के रूप मे रखा गया है तथा आरजीआई के दिशा–निर्देशों के अभाव में ब्याज को आय के रूप में लेखांकित नहीं किया गया है।

ङ) मेसर्स सीएससी–एसपीवी को ग्रामीण क्षेत्रों में डेटा अंकीयकरण के कार्य की निगरानी एवं पर्यवेक्षण के लिए 29.29 करोड़ रु. की पेशगी का भुगतान किया गया है। मेसर्स सीएससी–एसपीवी ने ग्रामीण क्षेत्रों में डेटा अंकीयकरण के कार्य की निगरानी एवं पर्यवेक्षण के लिए 31.03.2016 तक 29.29 करोड़ रु. का व्यय किया है। सक्षम प्राधिकारी द्वारा व्यय के अनुमोदन के अधीन, मुख्यालय की एनपीआर बहियों में 29.70 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। मेसर्स सीएससी–एसपीवी द्वारा किए गए विधिवत अनुमोदित वास्तविक व्यय को एनपीआर प्रतिभागी केन्द्रों की बहियों में लेखांकित किया जाएगा।

च) नाइलिट केन्द्र, चण्डीगढ़ के कार्यालय में जून 2014 में भीषण अग्नि दुर्घटना हुई जिसके फलस्वरूप सभी मूलसंरचना तथा केन्द्र के रिकार्ड नष्ट हो गए। 33,97,366/– रु. (सकल मालियत 8,37,687/– रु.) की एनपीआर परिसम्पत्तियाँ अग्नि दुर्घटना में नष्ट हो गईं। वित्त वर्ष 2015–16 के दौरान, नाइलिट केन्द्र, चण्डीगढ़ को 7,09,149/– रु. की राशि बीमा कम्पनी से प्राप्त हुई और तदनुसार लेखा बहियों में समायोजन किया गया है।

छ) आरएफक्यू की शर्तो के अनुसार, आएफक्यू की किसी भी शर्त का अनुपालन नहीं करने के मामले में एमएसपी की बीजक राशि के 100 प्रतिशत से भी ज्यादा की राशि के दण्ड का उपबंध था। चूँकि डेटा अंकीयकरण के कार्य में कुछ बिलम्ब हुआ था, इसलिए कुछ पार्टियों ने बिल नहीं प्रस्तुत किया है। पार्टियों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के लिए बिल प्रस्तुत नहीं किए जाने के अभाव में उसकी देयता/दण्ड का पता नहीं लगाया जा सका। जिस वर्ष बिल प्राप्त होंगे उस वर्ष उन्हें लेखाओं में शामिल किया जाएगा।

5. उपलब्ध जानकारी के अनुसार, हम एतदद्वारा पुष्टि करते हैं कि संस्था की माइक्रो लघु एवं मझोले उपक्रम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 7(1) में विनिर्दिष्ट कोई राशि माइक्रो लघु एवं मझोले उपक्रम में शामिल किसी पार्टी को देय नहीं है, और लेखा–परीक्षक ने उसपर विश्वास किया है।

6. मुख्यालय द्वारा प्रदान की जा रही प्रत्यायन सेवाओं के लिए संस्था सेवा कर का संग्रह नहीं कर रही है और इसकी पुष्टि एक विशेषज्ञ की राय द्वारा की गई है।

7. चण्डीगढ़ नगर निगम में केन्द्र को भूमि आबंटित करने के लिए जमा की गई 43,24,045/– रु. की राशि को वसूली योग्य दर्शाया गया है। उक्त निगम द्वारा इस राशि को जब्त कर लिया गया है क्योंकि केन्द्र द्वारा भूमि को छोड़ दिया गया है। चण्डीगढ़ केन्द्र ने धनराशि वापस लेने के प्रयोजन से पर्याप्त वित्तीय राहत के लिए पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, चण्डीगढ़ में एक रिट याचिका दायर की है जिसे खारिज कर दिया गया है। केन्द्र माननीय न्यायालय में मामले को पुनःप्रतिष्ठित करने के लिए एक आवेदन प्रस्तुत करने की कार्रवाई कर रहा है।

8. गत वर्ष के आँकड़ों को आवश्यकतानुसार पुनः समूहित किया गया है।

9. आँकड़ों को निकटतम रुपए में दर्शाया गया है।

10. बहियों में देनदारों तथा लेनदारों को यथामूल्य पर दर्शाया गया है जो प्राप्य/देय है। लेकिन पार्टियों से पुष्टि की कार्रवाई की जा रही है।

11. विभिन्न केन्द्रों का समेकन करने के दौरान, शीर्षों/समूहों को पुनः व्यवस्थित किया गया है जिससे एक बेहतर एवं उचित प्रस्तुतीकरण किया जा सके।

हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते बी.डी. गुप्ता एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –016041 एन

स्थान : **नई दिल्ली**
दिनांक : **07.09.2016**

हस्ता/–
(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ता/–
(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

हस्ता/–
(सीए सचिन कुमार)
(भागीदार)
(एम. सं. 511820)

प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष

(राशि रुपए में)

क्र.सं	प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष	क्र.सं.	भुगतान	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
I	**अथ शेष**			I	**व्यय :**		
	क) पास में नकदी / अग्रदाय / स्टाम्प	96,51,995	1,83,034		क) स्थापना व्यय	48,33,61,259	44,71,46,406
	ख) बैंक शेष	-	-		ख) प्रशासनिक व्यय	41,13,07,961	37,95,91,218
	i) चालू खाताओं में	22,95,96,463	24,97,24,627				
	ii) बचत खाताओं मे	82,84,31,881	34,53,21,322				
	iii) अल्पावधि जमा में	4,60,08,89,696	4,91,38,09,688				
	iv) दीर्घावधि जमा में	1,22,98,29,355	65,24,80,212				
	v) दीर्घावधि जमा मे–इयरमार्क्ड निधियाँ	-	-				
	vi) दीर्घावधि जमा में–सहायता अनुदान निधि	-	-				
	vii) एनपीआर शेष	7,80,000	-				
II	**प्राप्त अनुदान**	-		II	**विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्राप्त निधियों से किए गए भुगतान (परियोजनाओं पर व्यय)**		-
	क) भारत सरकार से						
	i) योजनागत	5,00,00,000	7,00,00,000		i) डोनर (आईटीईएस)	-	2,66,84,47,025
	ii) पूर्वोत्तर परियोजना के लिए योजनागत निधि	18,89,11,607	-				
	iii) योजना भिन्न	5,26,00,000	2,47,93,740		ii) परियोजना व्यय के लिए पेशगियाँ	-	-
	iv) रिफर्बिशमंट निधि	-	-		iii) सूचना सुरक्षा कर्मियों का प्रमाणन	-	-
	v) अपराध विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना	-	-		iv) सू.प्रौ.वि / वि.प्रौ.वि तथा अन्य परियोजनाएँ (अपनी सहित)	93,35,399	64,92,824
	vi) केन्द्रों से अन्तरित निधि	-	-		v) एम.टेक (एआईसीटीई परियोजनाएँ)	-	-
	एनपीआर परियोजना	78,56,750	79,11,43,878		vi) राज्य सरकार की परियोजनाएँ	-	-
	योजनागत निधि पर ब्याज	1,46,24,046	1,26,53,232			-	10,96,985
	ख) राज्य सरकार से	79,09,358	13,04,419		पटना आरसी की स्थापना	-	
	ग) प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्त	3,66,58,562	21,62,01,813		केन्द्रों को जारी निधियाँ	1,75,40,37,102	
	i) डोनर (आईटीईएस)	-	-		विभिन्न परियोजनाओं के लिए केन्द्रों को जारी निधियाँ	1,80,24,000	-
	ii) डोनर (सूचना विज्ञान एवं कालेज के प्रमाणन के लिए)	-	-		परियोजनाओं पर व्यय	1,10,08,05,869	96,16,61,067
	iii) डीआईटी (सूचना सुरक्षा शिक्षण एवं जागरूकता के लिए)	1,99,51,067	39,35,000		एनपीआर परियोजनाओं पर व्यय	-	3,371
	iv) डीआईटी (महिला अधिकारिता)	1,76,44,406	39,24,134		मुख्यालय को वापसी	1,37,66,000	-
	v) एआईसीटीई, नई दिल्ली	-	70,73,625				
	vi) अन्यों से प्राप्त निधियाँ (राज्य सरकार तथा अन्य एजेंसियाँ)	5,81,400	-				
	vii) केन्द्रों को वितरण के लिए (योजनागत तथा योजना भिन्न)	1,57,86,59,170	1,85,88,24,805				
	ix) विभिन्न परियोजनाओं के लिए केन्द्रों को वितरण के लिए	-	-				
	x) ई–अधिगम	-	-				
	xi) आभासी परीक्षण परिवेश (वीटीई) सहित सूचना सुरक्षा कुशलता विकास के लिए परीक्षण स्थल का विकास	-	23,60,729				
	xii) डीआईटी (पटना आरसी की स्थापना)	55,13,77,603					
	xiii) डीआईटी (अनु.जा / ज.जा अनुदान) / एससीएसपी एवं टीएसपी	14,46,16,988	2,20,18,041				
	xiv) अन्य परियोजनाएँ	2,35,74,388	23,26,82,439				
III	**निम्नलिखित पर निवेश से आय**			III	**किए गए पूँजीनिवेश तथा जमा**		
	क) इयरमार्क्ड / एनडाउमेंट निधि	81,24,38,749	66,13,43,458		क) इयरमार्क्ड / एनडाउमेंट निधि से	77,56,14,100	94,26,56,480
	ख) अपनी निधियाँ (अन्य निवेश)	16,11,42,459	20,57,90,632		ख) अपनी निधियों से (निवेश–अन्य)	3,94,74,342	7,20,37,909
	ग) सहायता अनुदान	3,13,66,22,568	4,13,45,04,921		ग) सहायता अनुदान	3,03,94,84,492	3,02,44,68,256
	घ) अल्पावधि जमा	-			घ) अल्पावधि जमा	-	-

जारी है.....

प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष

(राशि रुपए में)

क्रसं	प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष	क्रसं	भुगतान	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
IV	**प्राप्त ब्याज**			IV	**स्थिर परिसम्पत्तियों पर व्यय तथा निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य**		
	क) बैंक जमा राशि पर – सावधि जमा	33,91,67,081	34,03,44,732		क) स्थिर परिसम्पत्तियों की खरीद	14,72,83,337	10,75,20,735
	ख) बचत खाता पर	2,81,79,527	2,16,45,824		ख) पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य पर व्यय	21,50,92,482	24,99,90,538
	ग) ऋण तथा अग्रिम आदि	20,45,77,389	33,10,40,607				
	घ) बचत खाता–एनपीआर परियोजना	-	-				
	ङ) एफडीआर पर अर्जित ब्याज	4,15,11,620	-				
V	**आय (निर्दिष्ट करें)**			V	**अतिशेष राशि/ऋण की वापसी**		
	फीस/अंशदान	66,93,94,432	60,58,65,576		क) भारत सरकार को	-	1,14,96,000
	सेवाओं से आय	83,30,82,055	74,50,41,666		ख) राज्य सरकार को	-	-
	परियोजनाओं से आय	53,16,64,489	1,64,81,75,642		ग) अन्य निधि प्रदाताओं को	-8,97,190	54,08,539
	प्रकाशनों की बिक्री से आय	10,83,560	11,73,577				
	टाउनशिप से प्राप्तियाँ	5,89,114	4,06,308				
	विविध आय	2,89,10,997	5,83,94,287				
	जैव–सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों का कार्यान्वयन	-	-				
VI	**उधार में ली गई राशि**			VI	**वित्त प्रभार (ब्याज)**	-	8,20,497
	नाइलिट योजना से पेशगी	-	20,00,000				
	मुख्यालय से प्राप्त सॉफ्ट ऋण	50,00,000					
VII	**कोई अन्य प्राप्ति**			VII	**अन्य भुगतान**		
	क) पास में चेक/ड्राफ्ट	-	-		क) सुरक्षा जमा, काशन मनी, ईएमडी आदि	1,90,03,425	1,29,87,218
	ख) जमा प्राप्ति (एसडी,ईएमडी,सीएमडी आदि)	6,11,51,667	9,02,60,041		ख) ऋण तथा पेशगियाँ (आपूर्तिकर्ता, कर्मचारी)	34,96,82,228	29,08,84,683
	ग) वसूलियाँ/पेशगियों की वापसी	7,14,87,252	17,39,79,039		ग) विविध व्यय	2,03,59,305	1,49,64,980
	घ) सावधि जमा का नकदीकरण तथा पूँजीनिवेश से आहरण	17,00,34,155	23,395		घ) जारी लेकिन प्रस्तुत नहीं किए गए चेक	81,322	58,045
	ङ) विविध प्राप्तियाँ/प्रावधान	7,65,83,847	2,43,75,391		ङ) वेतन में कटौतियों का भुगतान	4,45,77,542	4,19,77,097
	च) फुटकर लेनदारों में वृद्धि/वर्तमान देयताएँ	51,87,49,767	9,69,11,215		च) फुटकर देनदारों/वर्तमान परिसम्पत्तियों में वृद्धि	7,09,84,877	54,63,10,014
	छ) फुटकर देनदारों में कमी	47,09,82,667	35,19,10,107		छ) फुटकर लेनदारों में कमी	20,27,42,504	28,22,76,281
	ज) अन्तर केन्द्र खाता	85,44,82,793	18,85,95,357		ज) अन्य देयताओं का भुगतान	42,45,18,901	9,94,10,448
	झ) जारी लेकिन प्रस्तुत नहीं किए गए चेक	15,952	3,88,040		झ) पंजीकरण फीस	1,93,711	22,720
	ञ) वर्ष में निगमित नकद तथा बैंक शेष	-	-				
	च) सेवा कर/आयकर/वैट/अन्य कर	5,14,83,318	12,14,22,568		ञ) गैर–प्रचालन व्यय	2,38,454	2,53,404
	छ) ईपीएफ/सीपीएफ	55,27,019	4,43,61,953		ट) प्रत्यायन व्यय	-	-
					ठ) अन्तर केन्द्र खाता	1,26,59,49,018	1,99,40,86,259
					ड) केन्द्रों को जारी अतिशेष राशि	-	69,13,000
					ढ) प्रदत्त सेवा कर	15,96,57,582	14,03,92,991
					ण) सीपीएफ न्यास को देय	1,18,75,172	4,97,11,679
				VIII	**इतिशेष**		-
					क) पास में नकदी/अग्रदाय/स्टाम्प	1,06,557	96,51,995
					ख) बैंक शेष	-	-
					i) चालू खाताओं में	37,56,88,123	22,95,96,463
					ii) बचत खाताओं में	97,52,47,590	82,84,31,881
					iii) अल्पावधि जमा में	5,12,62,88,148	4,60,08,89,696
					iv) दीर्घावधि जमा में	1,61,37,01,711	1,22,98,29,355
					v) दीर्घावधि जमा में–इयरमार्कड निधियाँ	4,21,889	-
					vi) सहायता अनुदान निधि के लिए दीर्घावधि जमा	-	-
					घ) एनपीआर खाता –पास में नकदी	-	-
					ङ) एनपीआर खाता –बैंक शेष	0	-
	योग	**18,66,80,07,212**	**19,25,63,89,074**		**योग**	**18,66,80,07,212**	**19,25,63,89,074**

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 07.09.2016

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा)
महानिदेशक

हस्ता/-
(सीए, सचिन कुमार)
(साझेदार)
सदस्यता सं. 511820

संक्षिप्ताक्षर

एआईसीटीई अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद। **बीसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में स्नातक। **बीआई–ए** जैव–सूचना विज्ञान–ए स्तर। **बीआई–ओ** जैव–सूचना विज्ञान–ओ स्तर। **बीपीओ** व्यवसाय प्रक्रिया आउटसोर्सिंग। **बीसीसी** मूलभूत कम्प्यूटर पाठयक्रम। **सीएसएसपी** प्रमाणित प्रणाली सुरक्षा कार्मिक **सीसीएफपी** प्रमाणित कम्प्यूटर फोरेन्सिक कार्मिक। **सीआईएसएसए** प्रमाणित सूचना प्रणाली सुरक्षा ऑडिटर। **सीएसएसएसडी** प्रमाणित प्रणाली सुरक्षा समाधान डिजाइनर। **सीवीओ** मुख्य सतर्कता अधिकारी। **सीसीसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में सर्टिफिकेट पाठयक्रम। **सीएचएम–ओ** स्तर कम्प्यूटर हार्डवेयर अनुरक्षण–ओ स्तर। **सीएचएम–ए स्तर** कम्प्यूटर हार्डवेयर अनुरक्षण–ए स्तर। **सीसीसी** कम्प्यूटर अवधारणा पाठयक्रम। **ईसीसी** विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम। **सीईडीटीआई** भारतीय इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र। **डीपीआर** विस्तृत परियोजना रिपोर्ट। **डीईपीएम** इलेक्ट्रॉनिकी उत्पादन एवं प्रबंध में डिप्लोमा। **डोनर** पूर्वोत्तर क्षेत्र विभाग। **डीईआईटीवाई** इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग। **डीआईटी** सूचना प्रौद्योगिकी विभाग। **ईएसडीएम** इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली डिजाइन एवं विनिर्माण। **एचटीसीएस** हार्डवेयर तकनीकी परामर्श योजना। **आईटीसी** सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी **आईईसीटी** सूचना इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी। **आईईटीएस** सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएँ। **आईटी** सूचना प्रौद्योगिकी। **जे एण्ड के** जम्मू तथा कश्मीर। **एमसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में निष्णात। **नाइलिट** राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान। **एनसीपीयूएल** राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद। **एनपीआर** राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर। **पीजीडीसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा। **पीएसयू** सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम। **पीएमसी** परियोजना प्रबंध परामर्शदाता। **आरजीआई** भारत के महापंजीयक। **आरएण्डडी** अनुसंधान एवं विकास। **एससी** अनुसूचित जाति। **एसटी** अनुसूचित जनजाति। **वीएलसी** आभासी अधिगम केन्द्र। **एनडीएलएम** राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन। **एनबीसीसी** राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम। **सीपीडब्ल्यूडी** केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग। **एमबी** प्रबंध बोर्ड। **जीसी** अधिशासी परिषद। **एफ एण्ड ए** वित्त एवं लेखा समिति की बैठक।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन
6, सीजीओ कॉम्पलेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली–110 003
फोन : 91-11-2436 3330 / 1 / 91-11-24366577/79/ 80 फैक्स : 91-11-2436 3335